रविवारी विश्वमित्र

• हिन्दी का प्राचीनतम राष्ट्रीय दैनिक •

कल आज और कल 105 वर्ष दैनिक विश्वमित्र 1915-2020

वर्ष 105 ■ संख्या 148 | कोलकाता रविवार ■ 31 मई 2020 ■ ज्येष्ठ शुक्ल 9 सम्वत् 2077 | मूल्य : 4 रुपए • कुल पृष्ठ 8

घर में रहें सुरक्षित रहें जिंदगी बचाएं

सीमा पर हलचल

चीन के जवाब में भारत बढ़ा रहा सैन्य ताकत

पेइचिंग/लद्दाख, 30 मई (एजेंसियां)। एक ओर चीन लद्दाख की सीमा पर किसी तनाव की बात से इनकार कर रहा है और दावा कर रहा है कि स्थिति सामान्य है, तो दूसरी ओर अपनी सीमा में सेना की मौजूदगी और सक्रियता दोनों बढ़ाता जा रहा है। ताजा सैटलाइट तस्वीरों से पता चल रहा है कि गोगरा इलाके में चीन ने अपनी सेना बढ़ा भी दी है और वह ऊपर की ओर भी बढ़ने लगी है। वहीं, भारत भी पूरी तरह से तैयार है और भारतीय सुरक्षाबल चीन के ठीक सामने मुस्तैदी से तैनात हैं।

सैटेलाइट तस्वीरों से इशारा

लद्दाख में भारत के कराए निर्माणकार्यों से चीन बौखलाया चल रहा है और सेना की ऐक्टिविटी को बढ़ा रहा है। ओपन सोर्स इंटेलिजेंस अनैलिस्ट ऊर्शीशीषर ने ताजा सैटलाइट तस्वीरें जारी की हैं। इनके मुताबिक चीन की सेना पीपल्स लिबरेशन आर्मी ने पैंगॉन्ग सो और गोगरा इलाके के ठीक सामने नई पोजिशन ले रखी है। इसे देखते हुए भारत ने यहां अपनी मौजूदा स्थिति के करीब ही और ज्यादा सुरक्षाबल बढ़ा दिया है। वहीं, पैंगॉन्ग सो में बेस एरिया से चीनी यूनिट ऊपर की ओर चढ़ रही है। संभावना है कि यहां टेंट भी लगाए गए हैं। भारत के गोगरा पोस्ट के पास चीन की झड- ने पोजिशन भी ली है यहां बड़े स्तर पर ऐक्टिविटी चल रही है। इससे पहले आज जारी तस्वीरों में डेट्रेस्फा ने दावा किया था कि पीएलए भारत के गोगरा बेस से 11 किमी उत्तरपश्चिम की ओर है। उसके मुताबिक यह अब तक की सबसे बड़ी यूनिट है जिसमें कई वीइकल ट्रक्स हैं।

देश में 30 जून तक बढ़ा लॉकडाउन

• रेस्टोरेंट, धार्मिक स्थल, सैलून खोलने की इजाजत

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। कोरोना वायरस से निपटने के लिए देश में एक बार फिर से लॉकडाउन लागू कर दिया है। लॉकडाउन 5.0 की गाइडलाइंस सरकार ने जारी कर दी है। कंटेनमेंट जोन के बाहर सरकार की ओर से चरणबद्ध तरीके से छूट दी गई है। सरकार ने धार्मिक स्थल, होटल, सैलून, रेस्टोरेंट खोलने की इजाजत दे दी है। इस तरह से अब चरणबद्ध तरीके से लॉकडाउन खत्म होगा और अनलॉक-1 की शुरुआत होगी।

उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस से निपटने के लिए देश फिलहाल लॉकडाउन के दौर से गुजर रहा है। लॉकडाउन 4.0 की अवधि 31 मई को खत्म हो रही है। ऐसे में सरकार ने इसे और बढ़ा दिया है। लॉकडाउन 5.0 1 जून से 30 जून तक रहेगा। स्कूल-कॉलेज खोलने का फैसला केंद्र ने राज्यों पर छोड़ दिया है। जुलाई में राज्य इसपर फैसला लेंगे। होटल, धार्मिक स्थल, रेस्टोरेंट 8 जून से खोल दिए जाएंगे। सरकार ने शर्तों के साथ खोलने की इजाजत दी है। देशभर में रात 9 बजे से सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू लागू रहेगा। लोग एक राज्य से दूसरे राज्य जा सकेंगे। लोगों को अब पास दिखाने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। वहीं, शॉपिंग मॉल्स को भी खोलने की इजाजत दे दी गई है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'लॉकडाउन खत्म होगा, अनलॉक-1 शुरू होगा' • कंटेनमेंट जोन में जारी रहेगी सख्ती

रात दस बजे

✍ प्रकाश चन्द्र अग्रवाल

लॉकडाउन क्या खोया, क्या पाया?

कोरोना और लॉकडाउन ये दो शब्द परेशान किये हुये हैं। वर्ष के दो बहुमूल्य महीने सभी खो चुके हैं। पिछले दो महीने हमारे जीवन में लौट कर नहीं आएंगे। हमने इस गत दो महीने के दौरान क्या खोया और क्या पाया? समय आ गया है इसका आंकलन सभी को करना है।

माना जाता है कि मनुष्य सामाजिक प्राणी है परन्तु क्या यह संकेत रहेगा या नए जगह 'था' में बदल जायेगा। पिछले दो महीनों में सारा जीवन हमने जो साधारण जीवन में दिनचर्या बनाई थी, उसमें कितना उलट-फेर हुआ है, अब क्या हम नई दिनचर्या, रहन-सहन, व्यापार, व्यवहार को फिर से अपना पाएंगे या फिर भारी परिवर्तन हो सकता है। हमारी आदतें, हमारा व्यवहार जिसके हम जीवन भर आदी रहे हैं, वश में रहे हैं, क्या हमें नई ओर खींचने की ओर मजबूर न होना पड़ेगा। जो हमने पिछले दो महीने में खो दिया, हमारा स्वभाव, काम करने की कूबत, गले मिलाना, हाथ मिलाकर प्रेम जताना, क्या सभी अब संभव हो पायेगा?

पिछले दो महीने में जो पूरी तरह से हमारे जीवन में उलटफेर हुआ है, वह हमें भविष्य में एक रास्ते पर अलग ही ले जायेगा, इसमें कोई संशय नहीं। जैसे-जैसे हमारा अब से नया जीवन कोरोना के साथ कटने की मजबूरी, बड़ा गंभीर प्रश्न आ खड़ा हुआ है, हम कितना इसके साथ अपने को जोड़ पाएंगे?

परिवार के बीच पिछले दो महीने में हम समय गुजार चुके हैं। परिवार के साथ में सान्निध्य, लूडो, अंताक्षरी आदि का मनोरंजन क्या यह चलेगा? पुरानी कटुता, पुराने झगड़े-झंझट, जो आपस में चल रहे थे, इसको हमने पिछले दो महीनों में कुछेक ने मिलकर समय पाकर सुलझाया और समय की नाजुकता को समझते हुए इसके साथ सौहार्द और प्रेम के वातावरण में चलने की जो रूपरेखा बनी, वह हमें अपना कर आगे बढ़ना है। क्या यह निश्चय हमने कर लिया?

सिनेमा, मल्टीप्लेक्स, मॉल, रेस्तरां, होटल, आपाधापी, पुराने आकर्षणों को क्या हम पिछले दो महीने के अपने जीवन में कुछ अपने को अलग-थलग कर पाएं हैं? उनका आकर्षण अपनी ओर हमें बेमानी हरकतें। हमारी आंखें तो सचमुच खुल ही चुकी हैं, परन्तु इसको अपने जीवन में कितना हम ढाल पाएंगे, यह तो आने वाला समय बताएगा, परन्तु यह कटु सच्चाई है कि हम पिछले जीवन के दो महीने का समय एवं आगामी जीवन में इसमें कितने प्रस्तुत हैं, इस ओर हमें सोचना है और हमें बढ़ना है।

समय आ गया है कि हम पिछले दो महीने के चक्रव्यूह से निकल तो पा रहे हैं, परन्तु अपने को, अपने जीवन को किस मोड़ में मुड़ना है, किस रास्ते पर चलना है, हमें स्वयं ही इसका निर्णय लेना है। हमारा भविष्य आगे किस ओर ले जाएगा, संरचना हमें ही तो करनी है।

देश में कोरोना संक्रमण के 7964 नए मामले

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। देश में कोरोना वायरस (कोविड 19) महामारी की विकरालता लगातार बढ़ रही है और पिछले 24 घंटों के दौरान संक्रमण के 7964 नये मामले दर्ज किये गये हैं तथा 265 लोगों की इस बीमारी से मौत हुई है लेकिन राहत की बात यह है कि इस अवधि में स्वस्थ होने वालों की संख्या में भी जबरदस्त इजाफा हुआ है और 11,264 मरीज रोगमुक्त हुए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के मुताबिक देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इसके संक्रमण से अब तक 1,73,763 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 4971 लोगों की मौत हुई है। देश में 82,370 लोग इस बीमारी से निजात पाने में कामयाब हुए हैं और अब यहां कोरोना संक्रमण के 86,422 सक्रिय मामले हैं। महाराष्ट्र इस महामारी से देश में सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। राज्य में पिछले 24 घंटों में 2682 नये मामले सामने आये हैं और 116 लोगों की मौत हुई है जिसके साथ ही राज्य में इससे प्रभावित होने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 62,228 तथा इस जानलेवा विषाणु से मरने वालों की संख्या बढ़कर 2098 हो गयी है। इस दौरान राज्य में रिकॉर्ड 8381 लोग रोगमुक्त हुए है जिससे स्वस्थ होने वालों की कुल संख्या 26997 हो गयी है।

साथी को कोरोना, उग्र हुए सिपाही, तोड़फोड़-प्रदर्शन

ज्वायंट सीपी के सिर में चोट

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। कोलकाता पुलिस के कर्मियों के लगातार कोरोना संक्रमण की चपेट में आने को लेकर पुलिस कर्मियों का असंतोष बढ़ते जा रहा है। जहां पहले कम्बैट फोर्स के जवानों ने अपने डीसी के खिलाफ पीटीएस में उग्र प्रदर्शन किया था वहीं गरफा थाने में भी हाल में तोड़फोड़ की घटना घटी थी। अब कोलकाता आर्म्ड पुलिस की चौथी बटालियन में एक कांस्टेबल को कोरोना संक्रमित होने के बाद उसके साथियों ने क्वारेन्टाइन की मांग में उग्र प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने बैरक में भारी तोड़फोड़ और प्रदर्शन किया। साथ ही ज्वायंट पुलिस कमिश्नर (आर्म्ड पुलिस) अखिलेश चतुर्वेदी का सिर पथराव में ईंट लगने से फट गया। यह घटना बीती रात साल्टलेक के सेक्टर-2 स्थित आर्म्ड पुलिस की चौथी बटालियन के बैरक में घटी। सूत्रों के अनुसार प्रदर्शन कर रहे जवान मांग कर रहे थे कि उन्हें सरकारी क्वारेन्टाइन में भेजा जाय। कारण कि एक साथी के संक्रमित होने के कारण उन्हें भी संक्रमित होने का खतरा उत्पन्न हो गया है। बताया गया है कि पुलिस अधिकारी जवानों से होम क्वारेन्टाइन पर जाने को कह रहे थे लेकिन यह बात जवानों को मंजूर नहीं थी। उनका कहना था कि होम क्वारेन्टाइन से हमारे परिवार के सदस्यों को संक्रमित होने का खतरा है अत: हमें सरकारी क्वारेन्टाइन में भेजा जाय। बीती रात घटी इस घटना की खबर पाकर आंदोलन कर रहे जवानों को जब समझाने ज्वायंट कमिश्नर श्री चतुर्वेदी पहुंचे तो बातचीत के दौरान उनकी जवानों से बहस हो गयी। दो घंटे तक चली बैठक के बावजूद समस्या का कोई समाधान नहीं निकला और जवान उग्र हो गये। आरोप लगाया गया है कि इस दौरान पथराव भी किया गया जिसमें ईंट ज्वायंट कमिश्नर को लगी और उनका सिर फट गया। घटना की खबर पाकर विधाननगर (उत्तर) थाने से पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची लेकिन आंदोलन कर रहे जवानों ने उसे भी घेर कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस मुख्यालय लालबाजार से भारी संख्या में फोर्स भेजी गयी। पुलिस अधिकारियों ने जवानों को आश्वासन दिया कि उनके क्वारेन्टाइन की व्यवस्था की गयी किंतु जवानों ने कहा कि हमें लिखित आश्वासन दिया जाय कारण कि इससे पहले पीटीएस और गरफा थाने में मौखिक आश्वासन दिया गया था लेकिन उस पर अमल नहीं किया गया। अत: हमें लिखित आश्वासन दिया जाय। लिखित आश्वासन दिये जाने पर जवान शांत हुये। इस मामले में 4 कांस्टेबल सस्पेंड किए गए हैं।

बिजली बंद कर किया जमकर पथराव

अव्यवस्थित हो गई अर्थव्यवस्था : मंत्री

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। कोरोना वायरस का कहर और इससे बचने के लिये देश में चल रहे लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था अव्यवस्थित हो गयी है। उद्योग-धंधों का पहिया थम गया है। मार्च के आखिरी सप्ताह से लेकर पूरा अप्रैल और मई महीना यूं ही निकल गया। सब कुछ पटरी से उतर गया है। हालात सामान्य होने में वक्त लगेगा। यह कथन है डीएम ग्रुप के चेयरमैन **श्री देवेन्द्र मंत्री** का, जो **'दैनिक विश्वमित्र'** के साथ एक खास टेलीफोन वार्ता में मौजूदा स्थिति का जिक्र कर रहे थे। श्री मंत्री कहते हैं कि गाड़ी पटरी पर आनी बहुत जरूरी है। आर्थिक गतिविधियां शुरू हों और उद्योग-धंधों का परिचालन भी शुरू हो, ये भी बहुत जरूरी है। जहां तक कोरोना वायरस के संक्रमण का सवाल है, लगता है कि आने वाले काफी वक्त तक हम सबको इसी के साथ जीना पड़ेगा। हमें सावधानी बरतनी पड़ेगी। लॉकडाउन खुलने के बाद एक ओर जहां आर्थिक गतिविधियां शुरू होना बहुत जरूरी है वहीं दूसरी तरफ हमें कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिये सावधानी बरतना भी जरूरी है। कोरोना का डर लोगों के दिल-दिमाग से जब तक नहीं निकलता तब तक स्थिति पूरी तरह से बहाल नहीं हो पाएगी। पिछले ढाई महीने के दौरान केंद्र और राज्य सरकारों ने तरह-तरह से लोगों को कोरोना वायरस से बचने के लिये सचेत किया है। प्रधानमंत्री मोदी और लॉकडॉउन ने सबको आत्मनिर्भर बनने की सीख दी है। अब लोगों को काफी हद तक समझ में आ गया है कि अगर इस महामारी से बचना है तो जिन्दगी किस तरह से जीनी है। उल्लेखनीय है कि डीएम ग्रुप के बैनर तले चाय बागान और इंजीनियरिंग के कारखाने संचालित हैं। इंजीनियरिंग के कारखाने लखनऊ, जमशेदपुर, हावड़ा और हैदराबाद में चल रहे हैं। इन कारखानों के जरिये टाटा मोटर्स के लिये उत्पाद बनाये जाते हैं।

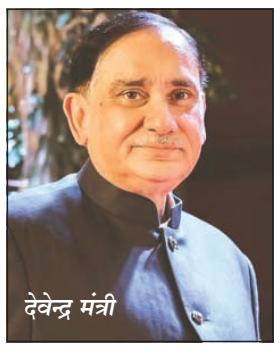
देवेन्द्र मंत्री

सेना ने मार गिराए दो आतंकी

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के साथ सुरक्षा बलों की मुठभेड़ हुई। यह मुठभेड़ कुलगाम जिले के वानपोरा इलाके में हुई। सेना ने बार-बार आतंकियों से सरेंडर करने की अपील की, लेकिन जब वह नहीं माने तो सेना ने दोनों ही आतंकियों के मार गिराया। सैन्य बल ने आतंकियों से बार-बार कहा कि आपको बचने का मौका दिया जाता है, सरेंडर कर दें।

टूटने की कगार पर खड़ा बिहार का महागठबंधन

पटना, 30 मई (एजेंसियां)। क्या बिहार में राजनीति का रूख एक बार फिर बदलने जा रहा है। हालांकि, अक्टूबर नवंबर में होने वाले बिहार विधान सभा के चुनाव कोरोना की वजह से समय पर होंगे या नही इस पर संशय कायम है। लेकिन चुनाव की आहट मिलते ही एनडीए को पटखनी देने के लिए बने महागठबंधन में ही उठापटक शुरू हो गई है। दरअसल, नीतीश सरकार ने हड़ताली नियोजित शिक्षकों पर दर्ज मुकदमों को वापस लेने का आदेश जारी किया है। बता दें कि शुक्रवार को शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव आर.के.महाजन ने सभी जिलों के डीएम को पत्र जारी कर कोरोना काल के दौरान हड़ताल में शामिल वैसे नियोजित शिक्षक जो तोड़फोड़ और हिंसा में शामिल नहीं थे, उनके खिलाफ की गई एफआईआर को वापस लेने का आदेश जारी किया था। सरकार के इस फैसले को महागठबंधन में शामिल हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने नीतीश कुमार का सराहनीय कदम बताया है। पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि नीतीश कुमार ने हड़ताली शिक्षकों पर दर्ज मामलों को वापस लेकर सराहनीय कार्य किया है।

REAL ESTATE

BEST DEAL Page - 6

दैनिक विश्वमित्र Helpline

समाचार, विज्ञापन या सुझाव के लिए संपर्क करें

033 2264 9567/2265 1139

बीमारी से लड़ने वाले चूर्ण की मांग बढ़ी

सरदारशहर, 30 मई (एजेंसियां)। गांधी विद्या मंदिर संस्था की तरफ से आयुर्वेद विश्व भारती में निर्मित रोग प्रतिरोधक बढ़ाने वाले चूर्ण के सवा लाख पैकेट बीकानेर रेंज आईजी को राजस्थान पुलिस के कर्मचारियों के लिये दिये गये। सवा लाख पैकेट की लागत 25 लाख रुपए है। आईजी जोस मोहन ने कहा कि कोविड-19 की महामारी के दौरान पुलिस के जवान पूरे देश में आमजन की सेवा में जुटे हैं। ऐसे में कोरोना वायरस से बचाने के लिये तैयार किया गया यह चूर्ण प्रदेश के पुलिस जवानों को स्वस्थ रखने में कारगर सिद्ध होगा। आईजी ने गांधी विद्या मंदिर संस्था के पूर्व अध्यक्ष कनक कमल दुगड़ व वर्तमान अध्यक्ष हिमांशु दूगड़ का आभार व्यक्त किया। संस्था अध्यक्ष हिमांशु दूगड़ ने कहा कि कोरोना से बचाव के लिये हमारी आयुर्वेद विश्व भारती के चिकित्सकों ने आयुर्वेद के 700 वर्ष पुराने इस काढ़े के फार्मूले को तैयार किया। यह मनुष्य के शरीर में उत्पन्न होने वाली बीमारियों को रोकने में सार्थक है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। 15 मार्च को संस्था ने यह सर्वजवहरहर चूर्ण तैयार किया और लॉकडाउन के दौरान यहां दो लाख पचास हजार लोगों को काढ़ा तैयार कर पिलाया। *(शेष पृष्ठ 5 पर)*

पुलिस वालों को दिए गए सवा लाख पैकेट चूर्ण, कीमत है 25 लाख रुपए

अजब गजब

हास्य रस में डूबे पति का दर्द

गर्मी की छुट्टियों में पीहर गई पत्नी को बुलाने के लिए पति द्वारा लिखी चार लाइनें : यूं पैसों से भरी भरी जेबें अब अच्छी लगती नहीं, (कोई जेब से निकालने वाला नहीं) यूं सुकून भरी ये शामें अब अकेले कटती नहीं। सच कहूँ तो होटल कि नई-नई डिशेज़ खा कर थक गया हूँ। मन माफिक कपड़े पहन-पहन कर अब तो पक गया हूँ... लौट आओ वापस इतनी शांति मेरे जीवन कि अब अच्छी लगती नहीं...। अब तो आगे चलकर डाक्टरों/ के फोन आने लगें हैं। पूछते हैं मुझसे ऐसे भी कितने अच्छे दिन आ गये तुम्हारे... जो शुगर बीपी चेक कराने भी अब तो आते नहीं हैं, अब तो हर बात बात का बतंगड़ भी नहीं बन रहा है, सच कहूँ तुम्हारी टोका टाकी के बिना मन नहीं लग रहा है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

Ramesh Chandra Parekh Jewellers

AN EXCLUSIVE SHOWROOM OF LUXURIOUS JEWELLERY

OUR STORE IS OPENING TOMORROW 1ST JUNE 2020

WE ARE TAKING ALL PRECAUTIONARY MEASURES AGAINST COVID-19 TO ENSURE YOUR SAFETY

CAR PARKING FACILITY AVAILABLE

19, Synagogue Street, Brabourne Road, Bara Bazar, 1st Floor, Kolkata 700 001
Ph: 033 4055 0000 | www.rcpjewellers.com | /rcpjewellers
3B Upper Wood Street, 1st Floor, Kolkata 700 017 | Ph: 2287 4756 / 2290 7119

zomato ZOMATO/SWIGGY के द्वारा होम डिलीवरी की जाती है

SHREE JAGDAMBA TEA CO.

Wholesale / Retail Tea Marchants & Commision Agents

हमारे यहाँ थोक एवं खुदरा ब्राण्डेड दूध पाउडर उपलब्ध है।

Regd. Off. : 2, Kali Krishna Tagore Street (Ganesh Talkies Crossing), Kolkata - 7
Branch Off. : 3A, Pollock Street, Kolkata-1, (India Exchange & Radha Bazar Crossing)

M. : 9831060455, 7003707676, E : chagan.agarwal@gmail.com

विशेष बड़ाबाजार स्थित हमारी दुकान प्रतिदिन सुबह 6 बजे से शाम 6.30 बजे तक तथा पोलक स्ट्रीट स्थित दुकान सुबह 10 बजे से शाम 6.30 बजे तक खुलती है।

सन् 1984 से चाय नीलाम केन्द्र (PAN India Tea Auction) के सदस्य, चाय जगत में जबरदस्त नाम

Bejewelled Elegence

DIWANSONS JEWELLERS

SIDDHA POINT, 101 PARK STREET 2217 4753/4 | CITY CENTRE I 93313 44218 | CITY CENTRE II 93313 44219

ISO 9001 NCB

The largest variety in the finest Diamond & 22/22k Gold jewellery

Nemichand Bamalwa & Sons Jewellers

16A, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700 071, Ph : 2282 3386

190A, Manicktalla Main Road, Kolkata - 700 054, Ph : 2364 8085/86

www.bamalwa.com

Diamond Jewellery & Solitaires • Polki • Gold • Astrological Gemstones

Pioneers in India in retail business for 22/22K Gold Jewellery

दैनिक विश्वमित्र

।। नीति वचन ।।

संसार में प्राणी स्वतंत्र और स्वाभाविक जीवन व्यतीत करने के लिए आए हैं उनको स्वार्थ के लिए कष्ट पहुंचाना महान पाप है।

–बाल गंगाधर तिलक

परहित बस जिनके मनमाहीं, तिन कहं जग दुर्लभ कछु नाहीं ।।

स म्पा द की य

बढ़ती लड़ाई

आज कोरोना संक्रमण के आंकडे जितनी चिंता पैदा कर रहे हैं, उससे कहीं बड़ी चुनौती भी दर्शा रहे हैं। जो भारत दो महीने पहले कोरोना संक्रमण में दुनिया में चालीसवें स्थान पर भी नहीं था, वह नौवें स्थान पर पहुंच गया है, तो हमें न केवल पीछे, बल्कि आगे की ओर भी ज्यादा मुस्तैदी व चौकसी से देख लेना चाहिए। कहीं न कहीं कुछ कमी रह गई, जिसका आकलन हमारी निगाहों में आने से छूट गया। ऐसी कौन-सी रियायत, कौन-सी मजबूरी थी, जिसने हमें संक्रमण की ओर बढ़ाया? और अब तो यह सवाल सताने लगा है कि विशाल आबादी वाला भारत जब नौवें स्थान पर पहुंच गया है, तो कोरोना की यात्रा का समापन कहां होगा? अभी और कितने दुख लिखे हैं और अभी खुशी कितनी दूर है? एक दिन में रिकॉर्ड 7,466 मामलों का सामने आना हमें चौंका रहा है, तो हमें अपने आप से भी कुछ सवाल करने पड़ेंगे। क्या हम में से प्रत्येक की कोई न कोई जिम्मेदारी नहीं है? जो लोग सुरक्षित हैं, वे कब तक और किस हद तक सुरक्षित रह पाएंगे? आपदा के समय क्या ऐसे कटु सवाल स्वाभाविक नहीं हैं? ऐसे सवालों से हमें डरना कतई नहीं है, हमें तो जवाब खोजना है और समाधान में अपनी हिस्सेदारी निभानी है। कहीं न कहीं फिजिकल डिस्टेंसिंग से खिलवाड़ हो रहा है। यह बाजारों के खुलने के कारण हुआ है या यात्राओं को मिली मंजूरी के कारण, हमें देखना होगा कि संक्रमण को हम थामने में क्यों नाकाम हो रहे हैं। सार्वजनिक जगहों पर और ऐसी हर जगह पर पूरी कड़ाई बरतने की जरूरत है, जहां लोगों का परस्पर संपर्क हो रहा है। जहां लोग फिजिकल डिस्टेंसिंग के नियम-कायदों की अवहेलना कर रहे हैं? कौन लोग हैं, जो अभी भी फिजिकल डिस्टेंसिंग का महत्व नहीं समझ पाए हैं? हमसे ज्यादा आबादी वाला एकमात्र देश चीन अगर कोरोना को थामने में कामयाब रहा, तो इसका श्रेय सीधे उसके द्वारा बरती गई कड़ाई को जाता है। वुहान में इतनी कड़ाई बरती गई कि लोग, मरीज और डॉक्टर भी बिलखते हुए देखे गए, लेकिन आज उसी वुहान में लोगों की तपस्या का फल है, वे खुले घूम रहे हैं, वहां कहीं लॉकडाउन की जरूरत नहीं रही। संभव है, यह सवाल आने वाली पीढ़ियां पूछेंगी कि भारत में क्या लॉकडाउन को जनता कर्फ्यू बताकर उदारता बरती गई थी? आज यह उदारता अगर हमें लगभग 5,000 लोगों की मौत तक घसीट लाई है, तो यह कितने काम की है, इसे एक बार ईमानदारी से परख लेने में कोई हर्ज नहीं है। बार-बार सरकार अपील कर रही है। रेलवे ने फिर अपील की है कि बहुत जरूरी होने पर ही लोग यात्रा करें, क्या लोग मान लेंगे? तमाम भीड़ वाली जगहों पर पूरी कड़ाई की जरूरत बढ़ गई है। जहां संक्रमण को रोकने के लिए प्रशासन को सख्त रवैया अपनाना चाहिए, वहीं उसे जरूरतमंद लोगों के प्रति पूरी ममता भी बरतनी चाहिए। भूखे और भयभीत लोगों की भगदड़ से देश को बचाना प्रशासन का काम है।

आज का पंचांग

31 मई 2019 रविवार। तिथि : ज्येष्ठ नवमी सायं 5:36 तक, उत्तर फाल्गुनी शेष रात 3.01 तक, चन्द्र सिंह राशि में दिन 10:19 बाजे प्रवेश , सूर्योदय 4:52, सूर्यास्त 6:17। राहु काल : 16:52 से 18:17 तक। पर्व त्योहार : महेश नवमी, शुक्र अस्त (पश्चिम में)।

आज का राशिफल

मेष : बातचीत में संयत रहें। दिनचर्या अव्यवस्थित रहेगी। माता को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष : मन अशान्त रहेगा। धैर्यशीलता में कमी आएगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। मानसिक शान्ति रहेगी। आत्मविश्वास से लवरेज रहेंगे।

मिथुन : आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। मन अशान्त रहेगा। मानसिक उलझनें परेशान करेंगी। संचित धन में कमी आ सकती है।

कर्क : वाणी में सौम्यता तो रहेगी, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। कारोबार में विस्तार के लिए खर्च बढ़ सकते हैं। क्षणे रुष्टा-क्षणे तुष्टा के भाव मन में रहेंगे। मन से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

सिंह : मन में शान्ति एवं प्रसन्नता के भाव रहेंगे। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है। आत्मविश्वास में कमी आएगी। मन परेशान रहेगा। खर्च अधिक एवं आय में कमी की स्थिति हो रही है।

कन्या : संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। धैर्यशीलता में कमी रहेगी। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं। नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही हैं।

तुला : मन अशान्त रहेगा। नकारात्मक विचारों का प्रभाव मन में हो सकता है। वाणी में सौम्यता तो रहेगी, परन्तु स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : संयत रहें। धैर्यशीलता में कमी रहेगी। कारोबार में विपरीत स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी। कार्यों के प्रति जोश एवं उत्साह रहेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु : आत्मविश्वास में कमी आएगी। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है। परिवार की समस्या बढ़ेंगी। वाणी में कठोरता का प्रभाव रहेगा।

मकर : वाणी में कठोरता का प्रभाव रहेगा। बातचीत में सन्तुलित रहें। क्षणे रुष्टा-क्षणे तुष्टा के भाव मन में रहेंगे। नौकरी में अफसरों से मतभेद बढ़ सकते हैं। किसी दूसरे के योग बन रहे हैं।

कुंभ : नौकरी में अफसरों से मतभेद हो सकते हैं। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। धार्मिक कार्यों में व्यस्तता हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मीन : आत्मविश्वास में कमी आएगी। नकारात्मकता का प्रभाव मन में हो सकता है। मन अशान्त रहेगा। आत्मसंयत रहें। क्रोध एवं आवेश की अधिकता रहेगी।

कोरोना और मोदी सरकार

गिरती साख और आर्थिक नाकामी को छिपाने का काम किया

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल का पहला साल बड़ी खामोश धूमधाम से पूरा हो रहा है। कोरोना को संभालने में सरकार ने जो अयोग्यता, बेरहमी और निरंकुशता दिखाई है और सरकारी उपेक्षा तथा अव्यवस्था के बीच घर लौटते लाखों प्रवासी मजदूरों ने जो दर्द झेला है, इससे वह अपने पहले साल की जीत का जश्न नहीं मना सकती। साल 2019 के चुनाव में बीजेपी ने मोदी को 56-इंच के सीने वाले शक्तिशाली राष्ट्रवादी के रूप में प्रस्तुत किया। एक अकेला इंसान जो देश को आतंकवादियों, घुसपैठियों, 'राष्ट्रद्रोहियों' और उन 'दीमकों' से बचा सकता है, जो बहुसंख्यक हिंदू राष्ट्र के उस ढांचे को खोखला कर रहे हैं, जिसे मोदी बना रहे थे। यह तरीका कारगर रहा। मोदी सरकार दोबारा भारी बहुमत से चुनी गई, जिसका विशेषज्ञ अनुमान भी नहीं लगा पाए। सरकार ने भारत की छवि बदलने के इरादे से काम शुरू किया। पहले 100 दिनों में कई कानून पास कराए, जिनमें 'ट्रिपल तलाक' को अपराध बनाना और अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को मिला विशेष दर्जा खत्म करना शामिल था। इससे सरकार ने दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई के उदाहरण पेश करने की कोशिश की। अगले 100 दिनों में सुप्रीम कोर्ट ने बाबरी मस्जिद की विवादित जमीन पर फैसला सुनाया और नागरिकता (संशोधन) कानून पास हुआ, जिससे देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए और राजधानी में हुए दंगों में 56 लोगों की मौत हो गई। कोरोना महामारी से सरकार को कुछ राहत की सांस लेने का मौका मिला है। उसे सीएए/एनआरसी की वजह से साख में आई गिरावट को रोकने और देश को सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और व्यापक राजनीतिक असंतोष की ओर ले जा रहे रास्ते में बदलाव का अवसर मिला। इससे सरकार को आर्थिक मोर्चे पर नाकामी छिपाने का बहाना भी मिल गया। मोदी के आजमाए गए ज्यादातर अलग सोच वाले समाधानों ने देश को नुकसान पहुंचाया है, लेकिन मोदी को उनकी कोशिशों के लिए पूरा श्रेय देने वाले ज्यादातर मतदाता इससे बेपरवाह नजर आते हैं। 2016 में देश की 86% करेंसी की नोटबंदी से आर्थिक विकास को भारी नुकसान पहुंचा, लेकिन

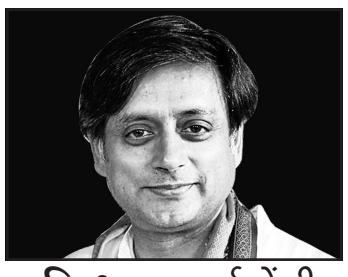

शशि थरूर, *पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद*

मतदाताओं को लगता है कि उनकी नीयत अच्छी थी। इसके बाद लापरवाही से जीएसटी लागू कर दिया। मोदी ने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा छीनने का फैसला लिया। इस फैसले से दुनिया में भारत की छवि और खराब हो गई। आज देश में एक ऐसा प्रधानमंत्री दिखता है जिसने भारतीय राजनीति की हर शिष्ट परंपरा को उलट-पुलट दिया है। कानून-व्यवस्था एजेंसियों को मामूली आरोपों की जांच में विपक्ष के नेताओं के पीछे लगा देते हैं, ऐसे मंत्रियों को बढ़ावा देते हैं जिनके बयान अल्पसंख्यक समुदाय को भयभीत करते हैं, मीडिया को इतना डराया जाता है कि उनकी कवरेज भारत की लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए शर्मनाक लगती है। एकता का आदर्श अब एकरूपता हो गया है, अंधभक्ति को अब देशभक्ति माना जाता है, स्वतंत्र संस्थान सरकार के सामने झुके नजर आते हैं, लोकतंत्र अब एक व्यक्ति का शासन बनता जा रहा है। भारतीय प्रजातांत्रिक पद्धति पर विश्वास करने वाले हम सोच में पड़ गए हैं कि शायद इसकी जड़ें उतनी मजबूत नहीं हैं जितनी कल्पना की थी। इसकी जगह हमें जोशीला राष्ट्रवाद मिला है, जो भारत की हर वास्तविक या काल्पनिक कामयाबी के गीत गाता है और विरोध करने पर 'राष्ट्रद्रोही' का लेबल लग जाता है। राजनीतिक स्वतंत्रता अब कोई नैतिक गुण नहीं रह गया है। स्कॉलर और टिप्पणीकार प्रताप भानु मेहता लिखते हैं कि 'मुझे याद नहीं कि ऐसा कभी हुआ हो जब जनता और पेशेवर विमर्श को सरकार की धुन पर चलने पर इतना फायदा मिला हो।' भारत ने तीन हजार सालों से सभी देशों, धर्मों के सताए गए लोगों को आश्रय दिया है। आज सरकार रोहिंग्या शरणार्थियों को ठुकरा देती है, 'विदेशियों' (जिन्हें 1971 के बाद यहां रहने, यहां तक कि पैदा होने वाले के रूप में परिभाषित किया जाता है) को बाहर निकालने के लिए राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर तैयार करती है। हमारी आंखों के सामने ही सरकार देश का चरित्र बदलने की कोशिश कर रही है। मेरे जैसे उदार प्रजातंत्रवादियों की बड़ी चिंताएं यह हैं कि भारत की कम शिक्षित और सत्तारूढ़ पार्टी के प्रोपेगेंडा के बहकावे में आ गई जनता भी शायद यही चाहती है। साथ ही हमारे देश में लंबे समय से चला आ रहा सौम्य और समावेशी राष्ट्र होने का विचार खत्म हो रहा है। उसकी जगह जो भारत उभर रहा है, वह पहले से कम बहुलवादी, कम मतभेद स्वीकार करने वाला, कम समावेशी और कम सहिष्णु रह गया है। यह मोदी 2.0 के पहले साल की विरासत है। अगर भारत को अपनी आत्मा को दोबारा पाना है, तो अगले साल सरकार को अपनी दिशा बदलनी होगी।

22 हजार रु. कर्ज लेकर खरीदा था प्रवासी मजदूर का बच्चा

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। खबर हैदराबाद से है। एक दिहाड़ी मजदूर मदन कुमार सिंह ने अपने घर के पास रहने वाली एक औरत सेशु के जरिए 22 हजार रुपए में अपने बच्चे का सौदा किया था। 23 मई को सौदा हुआ और 24 मई को पुलिस ने बच्चा बेचने वाले मजदूर, खरीदने वाले दंपती और बिचौलिये सेशु तीनों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल बच्चा शिशु विहार में है और तीनों लोगों को नोटिस देकर छोड़ा गया है। मदन और सेशु एक ही इलाके में रहते हैं। सेशु की बहन का चार बार अबॉर्शन हो चुका है। सेशु को जब मजदूर मदन के घर बच्चा पैदा होने की खबर लगी तो उसने अपनी बहन और मदन की बात करवाई।मदन पहले तो गरीबी के चलते बच्चा यूं ही सौंपने को राजी हो गया था, लेकिन बाद में उसने बच्चे के बदले पैसे मांगे। सेशु की बहन के पति ने कर्ज लेकर मदन से बच्चा खरीदने के लिए 22 हजार रुपए जुटाए थे। पुलिस के जरिए हम सबसे पहले मदन कुमार की पत्नी सरिता तक पहुंचे। सरिता ने बताया, वारंगल के पास अपने गांव से मैं 9 महीने पहले पति के साथ काम-धंधे की तलाश में

हैदराबाद आई थी। मेरा पति लेबर है। मैंने भी बच्चा पेट में होने के चौथे महीने तक घरों में झाड़ू-पोंछा लगाया, क्योंकि पति बहुत शराब पीता है। जितना कमाता है, वो सब शराब में उड़ा देता है। उसको 500 रुपए रोज मिलता था, लेकिन वो सबकी शराब पी जाता है। सरिता ने कहा- घर में खाने-पीने की भी दिक्कत है। कभी खाने को मिलता है, कभी नहीं मिलता। एक दिन पति ने घर के पास में ही रहने वाली सेशु से बच्चा 22 हजार रुपए में बेचने की बात कर ली। सेशु की कोई दूर की बहन है। उसको बच्चा नहीं हो रहा था। उसने कहा वो बच्चे को पाल लेगी। पति ने उनसे कहा कि हमें ऑटो से वारंगल के पास अपने गांव भी छुड़वा देना। मुझे दो-तीन दिन बाद बताया। मैंने बहुत कहा कि बच्चा मत बेच। मैं पाल लूंगी, लेकिन वो नहीं माना। 23 मई की रात में मदन ने बच्चा सेशु और उसकी बहन को दे दिया। सुबह वो मुझे लेकर गांव जाने लगा। तभी मैंने चिल्लाना शुरू कर दिया। पड़ोसियों को पता चला तो उन्होंने पुलिस को फोन कर दिया। फिर पुलिस ने सबको पकड़ लिया। बच्चा खरीदने वाली देवी की बहन पद्मा ने बताया- मदन ने हमसे कहा था कि मेरा एक सात साल का बच्चा है। मैं दूसरे को नहीं पाल सकता। मैंने उसे कहा कि हमारी दूर की बहन है देवी। उसको बच्चा नहीं है। वो पाल लेगी। पहले उसने कहा कि ऐसे ही बच्चा ले जाओ। बाद में बोला 50 हजार रुपए में बच्चा दूंगा। हमने मना कर दिया तो फिर वो 22 हजार रुपए में बच्चा देने को राजी हो गया। बोला मुझे ऑटो से गांव तक भी छुड़वाना। पद्मा ने कहा, देवी का पति ऑटो चलाता है। उसने 20 हजार कर्ज लिया था।

हर किलोमीटर पर

2000 आदमी का खाना खा लेता है टिड्डी दल

भागलपुर, 30 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान होते हुए भारत में प्रवेश करने वाले प्रवासी कीट यानी टिड्डी दल का खतरा बिहार के कई जिलों पर भी मंडराने लगा है। यह फसलों के लिए कितना नुकसानदायक है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक वर्ग किलोमीटर में टिड्डी दल पहुंच जाय, तो प्रतिदिन हजार से दो हजार आदमी का खाना खा लेता है। जिस क्षेत्र में टिड्डी दल पहुंचता है, वहां प्रजनन भी करता है। हालांकि, प्रजनन के लिए रेगिस्तानी भूमि ज्यादा उपयुक्त मानी जाती है। जानकारों का कहना है कि यह दुनिया के सबसे विनाशकारी प्रवासी कीटों में से एक है। अनुकूल परिस्थितियों में एक दल में करीब 8 करोड़ टिड्डियां होती हैं, जो हवा के रुख के साथ प्रतिदिन 150 किमी तक की यात्रा कर सकती हैं। टिड्डी दल अपने रास्ते में आने वाले सभी प्रकार की फसलों एवं गैर-फसलों को चट कर जाता है। फसलों को नुकसान सिर्फ वयस्क टिड्डी ही नहीं, बल्कि शिशु टिड्डी भी पहुंचाती है। इस दल का आक्रमण भारत पर पहले भी हो चुका है। बिहार कृषि विश्वविद्यालय भागलपुर

(बीएयू) में कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एसएन राय बताते हैं कि एक टिड्डी एक दिन में 2 ग्राम भोजन करती है लेकिन इसकी संख्या इतनी होती है कि कई लोगों के बराबर खाना खत्म हो सकता है। उनका यह भी कहना है कि यह रेगिस्तानी कीट है, इसलिए बिहार में ज्यादा प्रभाव होने की संभावना कम है। सहायक निदेशक पौधा संरक्षण रविन्द्र कुमार के अनुसार एक टिड्डी का जीवन चक्र चार माह का होता है। इस दौरान वयस्क होने पर हर मादा 80 से 120 अंडे देती है। अंडे से शिशु टिड्डी बनने में 12 से 14 दिन लगते हैं। लेकिन जब से शिशु टिड्डी जमीन पर आती है, तब से ही फसलों को नुकसान पहुंचाने लगती है। डेढ़ महीने में टिड्डी वयस्क हो जाती है और दो महीने से प्रजनन शुरू हो जाता है। भारत में यूं तो टिड्डियों का हमला होता रहा है, लेकिन 27 साल बाद यह टिड्डियों का सबसे बड़ा हमला है। इससे पहले 1993 में टिड्डियों ने कई राज्यों में हमला किया था,जिससे करोड़ों रुपये की फसल बर्बाद हो गई थी। आईए जानते है टिड्डियों ने कब-कब हमला किया। वर्ष 1812 से भारत टिड्डियों के हमले झेलते आ रहा है। वर्ष 1926 से 1931 के दौरान 10 करोड़ रुपये की फसल बर्बाद हुई थी। 1940 से 1946 और 1949 से 1955 के बीच भी हुआ टिड्डियों का हमला। 1959 से 1962 के बीच टिड्डी दल ने 50 लाख रुपये की फसल तबाह की। 1962 के बाद टिड्डियों का कोई ऐसा हमला नहीं हुआ। 1993 में टिड्डियों के दल ने बड़ा हमला किया। कई राज्यों को अपनी जद में लिया। वर्ष 1998, 2002, 2005, 2007 और 2010 में भी टिड्डियों का हमला पर इसका ज्यादा असर नहीं।

यहां दुश्मन से मिलकर लड़ते हैं भारत और पाकिस्तान के सैनिक

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। सरहद पर बंदूक ताने एक दूसरे का मुकाबला करने वाले भारत और पाकिस्तान के सैनिक संयुक्त राष्ट्र के पीसकीपिंग मिशन में साथ काम करते हैं। दुनिया के अलग-अलग देशों में चल रहे यूएन मिशन पर कई बार इनकी साथ पोस्टिंग होती है और ये वहां दुश्मन का मुकाबला मिलकर करते हैं। यूएन डिपार्टमेंट ऑफ पीसकीपिंक के डेटा के मुताबिक यूएन 70 से ज्यादा पीसकीपिंग मिशन अब तक पूरे कर चुका है। और इनमें काम करते भारत के सबसे ज्यादा 164 सैनिक शहीद हुए हैं। इन सभी मिशन में भारत और पाकिस्तान सबसे ज्यादा सैनिक भेजने वाले टॉप-10 मुल्कों में शामिल हैं। भारत हमेशा से महिला सैनिकों को यूएन मिशन पर भेजता रहा है। यहां तक की भारत यूएन के लिए ऑल वुमन कंटिन्जेंट भी भेज चुका है। तस्वीर उसी वक्त की है। हैरानी वाली बात ये है कि भारत पाकिस्तान और बांग्लादेश जितने-जितने सैनिक मिशन पर भेजता है चीन उनके आधे भेजता है। यूएन मिशन पर सैनिक भेजने की लिस्ट में भारत पांचवे और पाकिस्तान छठे नंबर पर है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 14 से ज्यादा मिशन पर फिलहाल भारत और पाकिस्तान साथ काम कर रहे हैं। यूएन का सबसे बड़ा मिशन कॉन्गो में चल रहा है। ये मिशन 1950 से जारी है। कॉन्गो ने लगातार कई युद्ध देखे हैं। यहां यूएन मिशन पर आनेवाले सैनिकों में सबसे ज्यादा भारत और पाकिस्तान के होते हैं। कॉन्गो में चल रहे संयुक्त राष्ट्र के मिशन पर भारत और पाक शुरूआत से ही साथ काम कर रहे हैं।

फ्रांस में स्टाइलिश मास्क पहनने की शुरुआत हुई

पेरिस, 30 मई (एजेंसियां)। पेरिस में साइकिल पर जा रही एक महिला ने अपनी साइकिल के रंग से बैच करता हरा मास्क पहन रखा था। दरअसल, फ्रांस की राजधानी में फैशन परस्त लोगों ने अलग स्टाइल के फेस मास्क पहनने की शुरुआत कर दी है। सरकार ने 11 मई से पब्लिक ट्रांसपोर्ट में मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है। लिहाजा सजने-संवरने में दिलचस्पी रखने वाले पेरिसवासियों ने सर्जिकल नीले रंग को किनारे कर दिया है। उन्होंने, काले और अन्य रंगों के मास्क अपना लिए हैं। फ्रांस में मास्क पहनने के साथ समस्या रही है। ले मोंड अखबार से जुड़े मानव शास्त्री फ्रेडरिक केक कहते हैं फ्रेंच क्रांति के दौर में मास्क के खिलाफ अभियान चला था। उस समय अमीर और अभिजात्य वर्ग के लोग मास्क पहनते थे।

कोरोना के कहर से कैसे बचा वियतनाम

संक्रमण से एक भी मौत नहीं

हनोई, 30 मई (एजेंसियां)। कोरोना वायरस के संक्रमण से जब पूरी दुनिया परेशान है तब चीन की सीमा से सटा एक ऐसा भी देश है जहां इस वैश्विक महामारी से एक भी मौत नहीं हुई है। कोरोना के कहर से बचने के कारण वियतनाम की प्रशंसा पूरी दुनिया में हो रही है। इस देश की आबादी 9.7 करोड़ के आस पास है इसके बाद भी शनिवार तक यहां कोरोना के 328 कंफर्म केस ही सामने आए हैं। वियतनाम में अधिकतर लोग निम्न आय वर्ग वाले हैं जबकि यहां की स्वास्थ्य सेवा भी अमेरिका, दक्षिण कोरिया समेत कई देशों से बहुत नीचे हैं। विश्व बैंक के अनुसार, वियतनाम में 10 हजार लोगों पर केवल 8 डॉक्टर हैं, जबकि दक्षिण कोरिया में 24। वियतनाम में कोरोना वायरस को लेकर शुरू से ही जागरूकता रही। सरकार ने चीन से लगती सीमा और लोगों के एक देश से दूसरे देश में आवाजाही को देखते हुए तीन सप्ताह के कड़े लॉकडाउन का ऐलान किया था। हालांकि अप्रैल के अंत में यहां स्थिति की समीक्षा करने के बाद लॉकडाउन को हटा दिया गया। जिसके बाद से 40

दिनों तक किसी भी स्थानीय संक्रमण की सूचना नहीं है। वियतनाम में अब स्कूलों को फिर से खोला जा रहा है और जनजीवन को सामान्य बनाए रखने के लिए भी प्रयास हो रहा है। जानिए वियतनाम ने ऐसा क्या किया जिसके कारण वह कोरोना वायरस के वैश्विक संकट से बच गया। कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आने के बाद ही वियतनाम ने महामारी के फैलाव का अंदाजा लगाते हुए चीन के साथ लगती अपनी सभी सीमाओं को बंद कर दिया। उस समय न तो चीन के अधिकारियों ने और न ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसकी पुष्टि की थी कि इस वायरस का संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में हो रहा है। लेकिन, इस देश ने कोई रिस्क न लेते हुए अपनी तैयारियों को जारी रखा। हनोई में स्वच्छता और महामारी विभाग के प्रमुख के अनुसार, सरकार ने डब्लूएचओ के दिशा निर्देशों की प्रतीक्षा न करते हुए खुद ही स्वास्थ्य तो लेकर लोगों को जागरूक करना शुरू कर दिया। जनवरी के शुरुआत से ही हनोई इंटरनैशनल एयरपोर्ट पर वुहान से आने वाले यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग को अनिवार्य कर दिया गया। जिन लोगों का तापमान थोड़ा भी बढ़ा दिखाई दिया उन्हें 14 दिन के लिए अनिवार्य क्वारंटीन कर दिया गया।

नतमस्तक होगा जहाँ

उम्मीदों की किरणें रोशन कर
आगे-आगे बढ़ते जा तू
तेरे इंतजार में बैठी मंजिल तेरी
मोड़ लेती राहों पर बस चलते जा तू।
लगे सारा माहौल तुझे गिराने में
तुझमें है हिम्मत संभल जाने की
अपने आपको थोड़ा तू निखार ले
ताकत है मुझमें हर चाहत को पाने की।
ये दुनिया क्या बिगाड़ लेगी तेरा
तुझमें है नूर चमकते सोने-सा
अपनी प्रतिभा से लिख दे एक इतिहास
तुझमें है साहस आसमान छूने का।
सोच, आशा और मेहनत से
तुझे कामयाबी का शिखर मिलेगा
नतमस्तक होगा जहाँ तेरे सामने
तेरी ही खुशबू से हर फूल खिलेगा।

● चिराग राजा

बेरहम साबित हुए मोदी सरकार के छह साल: कांग्रेस

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार के छह साल के कार्यकाल में देश को सिर्फ सब्जबाग दिखाये गये तथा मुट्ठी भर अमीरों की तिजोरी भरकर गरीबों का शोषण किया गया, लोग बेबस बने रहें तथा सरकार बेरहम बनकर काम करती रही। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल तथा संचार विभाग के प्रमुख रणदीपसिंह सुरजेवाला ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में मोदी सरकार के छह साल के कामकाज की समीक्षा करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने न्यूनतम प्रशासन और अधिकतम शासन का नारा दिया था लेकिन वह इसके ठीक विपरीत साबित हुई है जिसमें देश की जनता पूरी तरह से बेबस तथा सरकार बेरहम बनी रही। उन्होंने कहा कि इस दौरान दुनिया ने मोदी निर्मित मानव त्रासदी और बिना सोचे समझे लगाए गये लॉकडाउन के कारण लोगों की दुर्दशा का मंजर देखा है। मोदी सरकार ने मानवीय त्रासदी को पहले नोटबंदी के रूप में पेश किया जब उसके निर्णय से बैंकों की

लाइनों में खडे रहते हुए कई लोगों के दम निकल गये और फिर अधूरा जीएसटी लागू कर देश की अर्थव्यवस्था को तबाह किया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मोदी सरकार का सबसे क्रूर रूप कोरोना महामारी रोकने के लिए लागू लॉकडाउन के रूप में देखने को मिला जब रोजी रोटी छिन जाने के कारण हजारों लोग सड़कों पर पैदल चलते रहे और भूखे प्यासे अपने घरों की तरफ निकलने लगे। यह त्रासदी लॉकडाउन के आरंभ से ही देखने को मिली है और अब तक यह मंजर हर दिन देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का 2019 का साल भारी निराशा और कुप्रबंधन तथा जनता के लिए पीड़ा से भरा रहा। इस सरकार ने छह साल में भटकाव की राजनीति की और झूठे शोर शराबे के साथ शासन किया जिसके कारण देश की अर्थव्यवस्था डगमगा रही है, उद्योग धंधे बंद हैं और मेक इन इंडिया ठप है लेकिन बेबस लोगों पर मोदी सरकार बेरहम बनकर काम कर रही है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी को देश की जनता की चिंता है और इसलिए वह सरकार को जनहित में कई तरह के सुझाव भी देती रही। कांग्रेस हर मुद्दे पर इस सरकार को अपने सुझाव दे रही है ताकि बेहतर तरीके से देश की जनता की सेवा की जा सके लेकिन सरकार इन सुझावों को लेकर असंवेदनशील बनी रही।

भंवर लाल शर्मा का निधन

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)। वयोवृद्ध भाजपा नेता भंवर लाल शर्मा का कल शाम जयपुर के गणगौरी बाजार स्थित आवास पर प्राकृतिक निधन हो गया। वे 96 साल के थे। यह सूचना मिलते ही संघ व भाजपा के कई पदाधिकारी उनके आवास पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे व भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओम माथुर समेत कई बड़े राजनेताओं ने शर्मा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। शर्मा की अंतिम यात्रा उनके आवास से चांदपोल मोक्षधाम के लिए आज सुबह 9 बजे रवाना हुई। लॉकडाउन की बाध्यता को देखते हुये इसमें परिजन व निकट के रिश्तेदार ही शामिल हुए।

दैनिक विश्वमित्र
कोलकाता की हलचल

रविवार, 31 मई 2020

■ आज अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमश: 36 व 27 डिग्री सेल्सियस रहा। अधिकतम व न्यूनतम आर्द्रता 84% तथा 47% रही। बारिश नहीं हुई।

सूर्योदय : 4.52 सूर्यास्त : 6.17 बजे

भावभीनी श्रद्धांजलि के साथ

चिंता ता की कीजिए, जो अनहोनी होई।
इह मारगु संसार को, नानक थिरु नहीं कोई।।
उपरोक्त महावाक्य अनुसार ईश्वर द्वारा बख्शी आयु पूरा करके

श्री प्रभाष चंद्र धीया, 2ई, एन.एस. रोड मंगलम अपार्टमेंट में 28 मई को,
श्रीमती गीता देवी सोंथलिया, परिवार रिजेंसी, 141, डी.जे. स्ट्रीट, हिंदमोटर, हुगली में 28 मई को,

परलोक गमन कर चुके हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि बिछड़ी आत्मा को अपने हृदय में स्थान दें और परिवार को इस अपार दु:ख सहने की शक्ति दें।

मुख्यमंत्री ने सुन्दरवन के लिए प्रशासन को सतर्क किया

कहा- राहत में न हो राजनीति

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। चक्रवाती तूफान अम्फान से दक्षिण 24 परगना में सुन्दरवन तबाह हो गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रशासन को इसे लेकर सतर्क किया है। उन्होंने आज जिले के डीएम पी. उल्गानाथन को निर्देश दिया कि सुन्दरवन की तबाह जनता के साथ खड़े हों तथा राहत वितरण तेज करें। स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ तालमेल बनाकर काम करें। तय किया गया है कि सभी क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचे। इसके साथ कौन संस्था कहां और कब राहत वितरित करेगी इसकी जानकारी जिला प्रशासन को देनी होगी। साथ ही डीएम या बीडीओ से अनुमति लेनी होगी। जो स्वयंसेवी संस्थाएं, व्यापारिक संगठन तथा व्यक्तिगत रूप से राहत वितरित करेंगे उनके साथ ब्लाक का एक अधिकारी मौजूद रहेगा। किस इलाके में क्या राहत सामग्री दी जा रही है, इसकी सूची राज्य

मुख्य सचिव ने राज्यपाल को दी अम्फान व कोरोना की रिपोर्ट

सचिवालय नवान्न का भेजी जायेगी। डीएम को निर्देश दिया गया कि जो इलाके डूब गये हैं, वहां पांच से अधिक लोग राहत सामग्री लेकर नहीं जाएं। मुख्यमंत्री ने गोसाबा के तृणमूल कांग्रेस विधायक जयंत नस्कर को निर्देश दिया कि राहत को लेकर राजनीति न हो इस पर नजर रखें। मुख्यमंत्री ने विधायक से सुन्दरवन के झड़खाली, घोड़ामारा, कुमीरमारी तथा सजनेखाली आदि जगहों की रिपोर्ट दो दिन में देने को कहा है। सरकार के अफसरों की एक टीम कल पाथेरप्रतिमा जायेगी और लौट कर अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को देगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पर आज गोसाबा के रानाबेलिया इलाके में ड्रोन से नुकसान की जानकारी ली गई। साथ ही मोल्लाखली और कुमीरमारी में मेडिकल कैम्प शुरू हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले में दो लाख पशुओं की मौत तूफान से हो गयी है। इनके शव पानी में हैं अत: आंत्रशोथ का खतरा है। इसे देखते हुये चार मेडिकल टीमें आज सुन्दरवन जाएंगी। वहीं राज्य के मुख्य सचिव राजीव सिन्हा ने आज राजभवन जाकर राज्यपाल जगदीप धनखड़ को अम्फान से हुये नुकसान तथा कोरोना संक्रमण की रिपोर्ट दी।

कोरोना से मुकाबले के लिए

500 डाक्टरों-नर्सों की नियुक्ति करेगी सरकार

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। अन्य राज्यों से लगातार प्रवासी श्रमिकों के आने से राज्य में कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है। वहीं राज्य में जनजीवन सामान्य बनाने के लिये कई क्षेत्रों में छूट दी गयी है। विशेषज्ञों का मानना है कि बड़ी संख्या में श्रमिकों के पहुंचने तथा छूट के कारण संक्रमण बढ़ने का खतरा है। इसे देखते हुये मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया है कि स्थिति को संभालने के लिये तुरंत 500 डाक्टरों तथा नर्सों की नियुक्ति की जाय। ये नियुक्तियां संविदा आधार पर होगी। इसमें 200 डाक्टर तथा बाकी 300 नर्सें तथा माइक्रो बायोलाजिस्ट होंगे। वहीं पूर्व बर्द्धमान जिले में एक कोविड अस्पताल खोला जायेगा। सरकार की ओर से बताया गया है कि ये नर्सें तथा माइक्रो बायोलाजिस्ट उन स्टेशनों पर तैनात किये जाएंगे जहां

पूर्व बर्द्धमान में खुलेगा कोविड अस्पताल

महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना से आए श्रमिकों के लिये क्वारेन्टाइन जरूरी

9 जिलों में बनेंगे 3-3 क्वारेन्टाइन सेंटर

कूचबिहार में 32 प्रवासी श्रमिक मिले संक्रमित

प्रवासी श्रमिकों को लेकर ट्रेनें पहुंचेंगी। ये लोग आने वाले श्रमिकों की जांच करेंगे तथा संक्रमित मिलने वाले लोगों को अस्पताल में भर्ती कराएंगे। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के सचिव नारायण स्वरूप निगम को निर्देश दिया है कि इन नर्सों तथा माइक्रो बायोलाजिस्टों की तैनाती हुगली, मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर तथा पुरुलिया में की जाए जहां श्रमिक स्पेशल ट्रेनें आएंगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र, गुजरात तथा तेलंगाना से आने वाले सभी श्रमिकों को स्थानीय स्कूलों में बने क्वारेन्टाइन सेंटरों में रखा जायेगा। इसके साथ ही उत्तर व दक्षिण बंगाल के 9 जिलों में प्रत्येक जिले में 3 क्वारेन्टाइन सेंटर बनाए जाएंगे इसके लिये जिलों के डीएम को जगह चिन्हित करने का निर्देश दिया गया है। मालूम रहे कि राज्य में 64 सरकारी अस्पतालों तथा 57 निजी अस्पतालों में कोरोना का इलाज चल रहा है। इधर कूचबिहार पहुंचे 32 प्रवासी श्रमिकों को कोरोना संक्रमित पाया गया है। ये 15 मई को दिल्ली से लौटे थे। जिले के डीएम पवन कादियान ने कहा कि इन्हें सिलीगुड़ी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनके संपर्क में आये लोगों का स्वैप टेस्ट कराया जा रहा है।

राज्य में कोरोना के 317 नए मामले, 7 और मरे

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। पश्चिम बंगाल में कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 5130 हो गयी है। इनमें 2851 एक्टिव मरीज हैं। बीते 24 घंटे के दौरान राज्य में 317 नए रोगी पाये गये। वहीं 7 और लोगों की बीमारी से मौत हो गयी। इस तरह मरने वालों की संख्या बढ़कर 237 पहुंच गयी है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बताया गया कि मरने वालों में 6 कोलकाता के तथा एक उत्तर 24 परगना का रहने वाला है। इस दौरान अब तक कुल 194397 टेस्ट किये गये। बीते 24 घंटे में 9346 नमूनों की जांच हुई। अब तक स्वस्थ 1970 लोगों को अस्पतालों से छुट्टी दे दी गयी है। बीते 24 घंटे में 195 को छुट्टी दे दी गयी। सरकारी क्वारेन्टाइन में 16152 तथा होम क्वारेन्टाइन में 125287 लोगों को रखा गया है। सरकारी क्वारेन्टाइन से 50185 तथा होम क्वारेन्टाइन से 86712 लोगों को छुट्टी दे दी गयी है।

परेश पाल को शो कॉज करेगी पार्टी

कोलकाता, 30 मई (निप्र)। राज्य के उपभोक्ता मामलों के मंत्री साधन पांडे की आलोचना करने वाले बेलियाघाटा के विधायक परेश पाल के खिलाफ सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस कारण बताओ नोटिस जारी करने वाली है। शनिवार को पार्टी सूत्रों ने बताया कि तृणमूल के महासचिव पार्थ चटर्जी ने इस संबंध में उत्तर कोलकाता जिला तृणमूल अध्यक्ष सुदीप बनर्जी से बात की है। दरअसल अम्फन चक्रवात के बाद राजधानी कोलकाता में अव्यवस्था को लेकर साधन पांडे ने कोलकाता के प्रशासक फिरहाद हकीम की निंदा की थी। उन्होंने कहा था कि हकीम भले ही प्रशासक बने हैं। लेकिन उनके पास कोलकाता को संभालने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने आज तक राज्य सरकार के किसी भी अन्य विभाग के साथ कोई समन्वय बैठक नहीं की। इसके बाद गत गुरुवार को तृणमूल विधायक परेश पाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया था और साधन पांडे की निंदा की थी। उन्होंने कहा था कि अगर साधन पांडे को पार्टी से निकाल दिया जाएगा तो बेहतर होगा। परेश पाल ने कहा था कि तृणमूल कांग्रेस से पहले जब पाल कांग्रेस में थे तब भी नेताओं के पीठ पीछे इसी तरह से बयान बाजी करते थे। मैं पार्टी से अपील करूंगा कि उन्हें निकाला जाए। अब परेश पाल के ऐसे बयान की वजह से उन्हें कारण बताओ नोटिस दिया जाना है। पार्टी का कहना है कि जैसे साधन पांडे ने पार्टी फोरम में अपनी बात नहीं रख कर सार्वजनिक किया था। उसी तरह से परेश पाल ने भी किया है। दरअसल तृणमूल में साधन पांडे और परेश पाल के बीच आपसी गुटबाजी अमूमन सुर्खियों में रहती है।

विश्वविद्यालयों में 30 जून तक कक्षाएं निलंबित रखने की सिफारिश

कोलकाता, 30 मई (निप्र)। राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कोरोनावायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए आगामी 30 जून तक कक्षाएं निलंबित रखने की सिफारिश की गई है। विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने सरकार से कोविड-19 महामारी और चक्रवात अम्फान के कारण उत्पन्न हालात के मद्देनजर कक्षाओं का निलंबन 30 जून तक जारी रखने की सिफारिश की है। उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के कुलपति सुबीरेश भट्टाचार्य ने बताया, परिसरों में अकादमिक गतिविधियां 30 जून तक निलंबित रहेंगी। उपाचार्य परिषद (बंगाल कुलपति परिषद) ने पश्चिम बंगाल सरकार से यह सिफारिश की है। वह इस निकाय के सचिव भी हैं। एक अन्य कुलपति ने बताया कि बैठक में परिसरों को फिर से खोलने के मद्देनजर अकादमिक कैलेंडर में बदलाव, अंतिम वर्ष के आखिरी सत्र की परीक्षाएं आयोजित कराने के उपायों और 'चॉइस-बेस्ड-क्रेडिट-सिस्टम(सीबीसीएस) के अनुपालन के तरीकों पर भी चर्चा की गयी। शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी ने कहा था कि राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय प्रशासन को परिसर फिर से खोलने की संभावित तारीखें तय करने को कहा है और इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग को कुलपति परिषद की सिफारिशों का इंतजार रहेगा।

कोलकाता नगर निगम के प्रशासक, राज्य के शहरी विकास व पालिका मामला मंत्री फिरहाद हाकिम 'राशन कूपन' मुद्दे पर खाद्य भवन में बैठक करते हुए। विश्वमित्र

धार्मिक स्थलों के खोले जाने पर विजयवर्गीय ने उठाया सवाल

कोलकाता, 30 मई (निप्र)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा एक जून से राज्य के मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च सहित सभी धार्मिक स्थल खोले जाने के निर्णय पर भाजपा ने सवाल उठाते हुए इसे सरकार की जल्दबाजी और जोखिम भरा कदम करार दिया है। भाजपा के महासचिव व प्रदेश भाजपा के केंद्रीय प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ने मुख्यमंत्री की घोषणा कर टिप्पणी करते हुए कहा : अभी यह सरकार की जल्दबाजी है। जब तक कोरोना पर नियंत्रण नहीं हो जाता। इस तरह की छूट देना उचित नहीं है। लोग अपने घर पर भी बैठ कर ईश्वर का स्मरण कर सकते हैं। इस प्रकार जोखिमभरा निर्णय सरकार को तभी लेना चाहिए, जबकि उसमें सोशल डिस्टैंसिंग का पालन कराने की क्षमता हो, तभी यह छूट देनी चाहिए। अन्यथा नहीं देनी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि सरकार धार्मिक स्थलों में होने वाली भीड़ को कैसे संभाल पायेगी ? क्या वहां सोशल डिस्टैंसिंग का पालन सरकार करवा पायेगी ? उल्लेखनीय है कि भाजपा पहले से ही बंगाल में लॉकडाउन पालन करने में अवहेलना का आरोप लगाते रही है। मुख्यमंत्री के कोरोना को तकिया बना कर सो जाइये के बयान पर टिप्पणी करते हुए श्री विजयवर्गीय ने ट्वीट किया : ये आपका जनता के नाम संदेश है या आपका पलायनवाद। कोरोना को तकिया बनाने की सलाह देना, किसी राज्य के मुख्यमंत्री की शोभा नहीं देता। आप स्पष्ट क्यों नहीं कहती कि आप कोरोना संक्रमण को रोक पाने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा : आपके नौ साल के कार्यकाल की उपलब्धि है कि बंगाल में स्वास्थ्य सुविधाएं पूरी तरह से ध्वस्त हो गयी। देश के कोरोना से मृत्यु दर 2.84 फीसदी है, जबकि पश्चिम बंगाल में मृत्यु दर देश में सबसे ज्यादा 6.50 फीसदी है। मुख्यमंत्री के साथ आप स्वास्थ्य मंत्री भी हैं, कुछ तो शर्म कीजिए। उन्होंने मोदी 2.0 सरकार की प्रथम वार्षिकी पर शुभकामना देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला साल पूरा हो गया। कोरोना संक्रमण ने देश के सामने नयी चुनौतियां खड़ी की, पर मोदी जी के नेतृत्व में देश ने उससे भी मुकाबला किया। बहुत जल्द हम उबरेंगे और दुनिया को दिशा दिखायेंगे।

प्राइवेट बसों को चलाने के संबंध में फैसला आज

कोलकाता, 30 मई (निप्र)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक जून यानी सोमवार से प्राइवेट बसों को भी कोलकाता समेत राज्य भर में जो संक्रमण रहित क्षेत्र है, वहां चलाने की छूट दे दी है। ऐसी छूट मुख्यमंत्री ने पहले भी दी थी लेकिन शर्त थी कि केवल 20 यात्रियों को लेकर बसों को चलाना होगा। लेकिन इस बार निजी बसों में मौजूदा सीटों के बराबर यात्री को लेकर बस चलाने की अनुमति दी है। ऐसे में बस मालिक क्या कुछ निर्णय लेंगे, इसका फैसला रविवार को होगा। बस मालिकों के संगठन ने रविवार को इस मामले में बैठक बुलाई है। जब मुख्यमंत्री ने 20 यात्रियों को लेकर बस चलाने की अनुमति दी थी तब बस मालिकों का कहना था कि केवल 20 यात्रियों को लेकर चलने से बस चलाने का खर्च भी नहीं निकलेगा। इसलिए वाहनों को सड़कों पर उतारना मुश्किल होगा। अब सीएम ने भले ही सीटों के बराबर यात्रियों को लेकर बस चलाने की अनुमति दी है लेकिन इससे संबंधित निर्देशिका परिवहन विभाग ने अभी तक जारी नहीं किए हैं। सीएम ने यह भी कहा है कि बसों में सीट से अधिक संख्या में यात्री नहीं चढ़ सकेंगे। सीट से अधिक संख्या में यात्री खड़े होकर यात्रा भी नहीं कर सकेंगे। रविवार की बैठक में बस मालिक इसी पर निर्णय लेंगे।

अवैध हथियार कारखाने का भंडाफोड़

कोलकाता/पश्चिम बर्दमान, 30 मई (निप्र)। जहां लोग कोरोना से आतंक में हैं वहीं कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने देर रात राज्य में गैरकानूनी बंदूक कारखाने का भंडाफोड़ करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ की उपायुक्त अपराजिता रॉय ने इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि गैरकानूनी हथियार कारखाने चलाने के मामले में ही गत 19 फरवरी को शौकत अंसारी नाम के एक अपराधी को गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल वह प्रेसीडेंसी सेंट्रल जेल में बंद है। उससे पूछताछ के बाद उसने पश्चिम बर्दमान के कुल्टी थाना अंतर्गत नियामतपुर इलाके में गैरकानूनी तरीके चल रहे हथियार कारखाने के बारे में खुलासा किया। बिना देरी किए एसटीएफ की टीम मौके पर जा पहुंची। स्थानीय थाने की मदद से छापेमारी की गई जहां से 350 अर्धनिर्मित 7 एमएम बंदूके बरामद हुई। इसे बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली लेथ मशीनें, हेक्सा ब्लेड, रॉड और अन्य सामान भी बरामद कर लिए गए हैं। मौके से पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है जो धनबाद के ही रहने वाले हैं। इनकी पहचान मोहम्मद इसरार अहमद, मोहम्मद आरिफ, सूरज कुमार साव, उमेश कुमार और अरुण कुमार वर्मा के तौर पर हुई है। इनके मोबाइल फोन, मारुति कार और अन्य चीजें बरामद कर ली गई है।

चक्रवाती तूफान के कारण महानगर में गिरे पेड़ों को हटाने में व्यस्त सेना के जवान। विश्वमित्र

प्रवासी श्रमिकों को लेकर आज पहुंचेगी श्रमिक स्पेशल ट्रेन

अलीपुरद्वार, 30 मई (निप्र)। लॉक डाउन के बीच आज प्रवासी श्रमिकों को लेकर एक श्रमिक स्पेशल ट्रेन न्यू अलीपुरद्वार स्टेशन पहुंचेगी। जानकारी के अनुसार इस ट्रेन में विभिन्न राज्यों के करीब 1000 से भी अधिक प्रवासी श्रमिकों के कल अलीपुरद्वार स्टेशन पहुंचने की उम्मीद है। दूसरी ओर लॉक डाउन के बीच काफी संख्या में प्रवासी श्रमिकों के इस जिले मेंपहुंचने के बाद कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण की आशंका के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा स्टेशन परिसर में काफी एहतियाती कदम उठाए गए हैं। बाहर से आने वाले प्रवासी श्रमिकों के लिए यहां सैनिटाइजेशन का इंतजाम किया गया है। साथ में स्टेशन परिसर में बांस का बैरिकेड बनाया गया है.इसके अलावा अलग-अलग ब्लॉक के लिए यहां अलग-अलग कैंप बनाए गए हैं .प्रवासी श्रमिकों की सुविधा के लिए यहाँ कंट्रोल रूम भी खोला गया है जिससे बाहर से आने वाले प्रवासी श्रमिकों को तत्काल आवश्यक जानकारी मिल सके. जिले के विभिन्न स्थानों के लिए अलग-अलग कैंप लगाए गए हैं इसके साथ ही अलग-अलग ब्लॉक

के लिए अलग अलग बसें निर्धारित की गई है, जिससे प्रवासी श्रमिकों स्टेशन पर उतरने के बाद मेडिकल जांच एवं स्वास्थ्य विभाग की कार्यवाही को पूरा कर वे तत्काल बसों में बैठकर अपने अपने घर की ओर रवाना हो सके। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार बाहर से आने वाले प्रवासी श्रमिकों को क्वारेंटीन में रखने के सभी इंतजाम किए जा चुके हैं। गौरतलब है कि कल भारी तादाद में प्रवासी श्रमिकों के आने के मद्देनजर आज जिला मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी व प्रशासनिक अधिकारियों ने रेलवे स्टेशन में किए गए इन्तजामातों का जायजा किया।

नदी किनारे प्लास्टिक के तम्बू में क्वारेंटाइन को मजबूर प्रवासी श्रमिक

मालदा, 30 मई (निप्र)। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में कोरोना के खौफ के बीच प्रवासी श्रमिकों को उनके घरों में नहीं घुसने दिया जा रहा है। हालही में मध्यप्रदेश से लौटे 11 प्रवासी श्रमिकों को मजबूरन गांव से दूर महानंदा नदी के किनारे प्लास्टिक के तम्बू गाड़ कर क्वारेंटाइन में रहना पड़ रहा है। यहाँ उन्हें भोजन पानी के साथ साथ मौसम की विभिन्न समस्याओं से भी जूझना पड़ रहा है। कभी धूप ,कभी बारिश तो कभी उफनती गर्मी से इनका हाल बेहाल रहता है। मालदा शहर के 12 नंबर वार्ड के अरविंद कॉलोनी इलाके की घटना यह घटना प्रशासन की बदहाली की पोल खोल रहा रहा है. मध्यप्रदेश से घर लौटे 11 प्रवासी श्रमिक यहां नदी किनारे क्वारेंटीन में समय बिता रहे हैं। इस दौरान उन्हें जहां खाने-पीने की दिक्कतें हो रही है वहीं मौसम की मार भी झेलनी पड़ रही है. इन लोगों का कहना है कि दूसरे राज्य से घर लौटने के बाद इलाके के लोग उन्हें उनके घर नहीं जाने दे रहे हैं। इन लोगों ने बताया तीन महीने पहले वे सभी काम के सिलसिले में मध्यप्रदेश। कोरोना वायरस को लेकर अचानक देश में हुए लॉक डाउन के कारन वे लोग वहीँ फंसे रहे। कुछ दिनों पहले ट्रक व अन्य छोटे वाहनों की मदद से किसी तरह वे लोग मालदा अपने घर पहुंचे। लेकिन यहां आने के बाद उन्होंने कुछ अलग

ही नजारा देखा। कोरोना के डर से गांव के लोग सड़क पर बांस का बैरिकेड लगाकर बाहरी लोगों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी. उन्हें गांव के अंदर प्रवेश नहीं करने दिया गया. मजबूरन उन्हें महानंदा नदी किनारे प्लास्टिक का तम्बू गाड़ कर किसी तरह क्वारेंटीन में समय बिताना पड़ रहा है. तम्बू में समय बिता रहे प्रवासी श्रमिक विकी सरकार ने बताया कि तीन महीने से भी अपने घर वालों का मुंह नहीं देखा है। पत्नी के साथ बातचीत नहीं हो पा रही है। बेटा -बेटी से भी मुलाकात नहीं हो पाई। है उन्होंने बताया कि बहुत ही कष्ट से वे लोग मध्यप्रदेश है किसी तरह मालदा अपने घर पहुंचे। उनके पास है उनके मेडिकल टेस्ट से संबंधित कागजात है फिर भी उन्हें गांव नहीं घुसने दिया जा रहा है. यहां तक कि घरवालों से भी मुलाकात करने नहीं दी जा रही है। घरवालों को उन तक भोजन भी उन्हें पहुंचाने नहीं दिया जा रहा है। यहां तम्बू में रह रहे लोग श्रमिकों ने बताया कि बड़ी मुश्किल से वे लोग यहां दिन बिता रहे हैं। आंधी, तूफान और बारिश में कभी कभी तम्बू का प्लास्टिक हवा में उड़ जाता है। एक जगह से दूसरी जगह नदी किनारे वे लोग भागते फिर रहे हैं। पाड़ा व पड़ोसियों ने उनसे मुंह फेर लिया है। पूर्व पार्षद व प्रशासक भी उनकी सुध नहीं ले रहे। इंग्लिशबाजार नगरपालिका के मुख्य प्रशासक निहार घोष ने बताया कि सभी प्रवासी श्रमिकों को क्वारेंटीन सेंटर में भेजने की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि संबंधित पार्षद ने उन्हें इस बारे में कुछ नहीं बताया। हालांकि उन्होंने कहा कि नदी किनारे तम्बू में रह रहे सभी प्रवासी श्रमिकों को क्वारेन्टीन सेंटर में भेजने की व्यवस्था के बारे में विचार किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों को कोरोना वायरस के बारे में जागरूक करने पर भी बल दिया।

रब ने बना दी जोड़ी.com
The Matrimonial Section
Find a Perfect Life Partner on the Fastest Growing Hindi e-paper of Eastern India

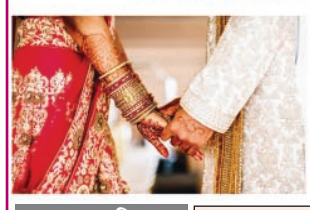

Parinay Mariage Bureau Tegharia
Munni Gupta,
+919123876627

वधू चाहिए
Pintu Kr. Swaika, Dob : 17 Feb 1988, Gotra : Garg, Height : 5'4", Contact (M) 8804311050, 8340368262

For matrimonial alliances, please contact

Marwar Matrimonial
Shailendra Lath
Matrimony Consultant
Mobile : 98302 56650
marwarmatrimonial@gmail.com

वधू चाहिए
Rajesh Chamaria, Dob : 04 Nov 1984, Gotra : Garg, Height : 5'11", Educational Qua.. : B.Com, Business, (M) 8013273406
अग्रवाल (खेतान) जन्म तिथि : 23 जनवरी, 1990, गोत्र : गर्ग, कद : 5'9'', शैक्षणिक योग्यता : बी.कॉम, सीए सीएस, बंगलोर में कार्यरत, नवयुवक के लिए वधू चाहिए। संपर्क करें। : 7980042140, 9830270312

One Stop Destination for searching your dream partner
For Booking ComplimentaryAdvertisement give a call or whatsapp
9062771550

एक्सिस सिक्योरिटीज का 2-3-5 दिन का 'वर्क फ्रॉम होम'

नयी दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। ब्रोकरेज कंपनी एक्सिस सिक्योरिटीज ने दो-तीन-पांच दिन का घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) करने का मॉडल पेश किया है। इससे कंपनी यह सुनिश्चित कर सकेगी कि महामारी के बीच न्यूनतम संख्या में लोगों को कार्यालय आना पड़े। इस मॉडल के तहत कर्मचारी सप्ताह में दो, तीन या पांच दिन कार्यालय आएंगे। यह उनके कार्य के महत्व, जटिलता और उनकी भूमिका पर निर्भर करेगा। एक्सिस सिक्योरिटीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बी गोपकुमार ने कहा कि आवश्यकता के अनुसार हमने लोगों को 2डी-3डी-5डी में वर्गीकृत किया है।

पी आर जयशंकर बने आईआईएफसीएल के प्रबंध निदेशक

नयी दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। सरकारी स्वामित्व वाली इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) ने घोषणा की कि पी आर जयशंकर ने कंपनी के प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया है। आईआईएफसीएल ने एक बयान में कहा कि इससे पहले, वह (पी आर जयशंकर) नेशनल हाउसिंग बैंक (एनएचबी) के कार्यकारी निदेशक थे।

उड़ानों की संख्या 500 के पार पहुँची

नयी दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। घरेलू यात्री उड़ानें दुबारा शुरू होने के बाद पहली बार इनकी संख्या पाँच सौ के पार पहुँच गयी। नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को बताया कि देश के विभिन्न हवाई अड्डों से कुल 513 उड़ानें रवाना हुईं। इनमें 39,969 यात्री सवार थे। दो महीने के अंतराल के बाद गत 25 मई को यात्री उड़ानें दुबारा शुरू होने के बाद यह संख्या सर्वाधिक है। उल्लेखनीय है कि 28 मई को पश्चिम बंगाल में भी यात्री विमान सेवाओं की शुरुआत होने के बाद अब पूरे देश में यात्री विमानों का परिचालन शुरू हो गया है। केंद्र सरकार ने सामान्य से एक-तिहाई उड़ानों के ही परिचालन की अनुमति दी है, लेकिन मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों तथा आँध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में राज्य सरकारों ने इस संख्या में और कटौती की है।

वित्त आयोग की विद्युत मंत्री के साथ बैठक

नयी दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। पंद्रहवें वित्त आयोग ने शुक्रवार को विद्युत मंत्री आर. के. सिंह के साथ बैठक कर राज्यों में बिजली सुधार पर चर्चा की। आधिकारिक बयान के मुताबिक बैठक के दौरान सिंह ने आयोग के सामने मौजूदा बिजली कानूनों के तहत राज्यों के बिजली क्षेत्र के लिए निर्णय लेने और उसके वित्तीय परिणामों के बीच आपसी सामंजस्य नहीं होने की बात रखी। मंत्री ने कहा कि राज्यों के खुद के पूर्ण स्वामित्व वाली बिजली वितरण कंपनियों की वित्तीय सेहत की जिम्मेदारी उनकी होनी चाहिए। बयान के मुताबिक सिंह ने कहा कि राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम के तहत राज्यों की उधार लेने की सीमा को फिर से तय किए जाने की जरूरत है ताकि इस बारे (बिजली वितरण कंपनियों) में उनकी जिम्मेदारी तय की जा सके। सिंह ने कहा, ''यह वित्तीय पारदर्शिता भी लाएगा और बिजली वितरण कंपनियों को लेकर राज्यों को जिम्मेदार बनाएगा।'' बैठक में वित्त आयोग के अध्यक्ष एन. के. सिंह और बिजली मंत्रालय के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

पांच राज्यों में 21 सीएनजी स्टेशन शुरू

नयी दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। टॉरेंट गैस लि. ने लॉकडाउन में ढील के बाद पांच राज्यों में 21 सीएनजी स्टेशन शुरू किए हैं। गुजरात के टॉरेंट समूह की शहर गैस वितरण कंपनी ने शनिवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि कुछ आर्थिक गतिविधियां शुरू करने की अनुमति मिलने के बाद उसने इन सीएनजी स्टेशनों को चालू किया है। टॉरेंट गैस के पास सात राज्यों के 32 जिलों में वाहनों के सीएनजी की खुदरा बिक्री और घरों में पाइप के जरिये गैस (पीएनजी) की आपूर्ति का लाइसेंस है। कंपनी ने 10 सीएनजी स्टेशन उत्तर प्रदेश में चालू किए है। इसके अलावा चार सीएनजी स्टेशन पंजाब, तीन-तीन गुजरात और तेलंगाना और एक राजस्थान में शुरू किया है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसके सीएनजी स्टेशन उन 56 नए बने सीएनजी स्टेशनों में हैं जिन्हें पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को एक वेब कार्यक्रम में राष्ट्र को समर्पित किया। इस मौके पर टॉरेंट गैस के निदेशक जिनल मेहता ने कहा, ''इन 21 सीएनजी स्टेशनों के चालू होने के साथ ही हम छोटे से समय में 58 सीएनजी स्टेशन शुरू कर चुके हैं।'' उन्होंने कहा कि कंपनी अपने सभी परिचालन वाले क्षेत्रों में वाहनों के लिए सीएनजी ओर उद्योगों तथा घरों के लिए पीएनजी व्यापक रूप से उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध है जिससे वह इन क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान दे सके। टॉरेंट गैस का लक्ष्य अपने परिचालन वाले क्षेत्रों में जून, 2021 तक 200 सीएनजी स्टेशन खोलने का है।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने किया सावधान

कंपनियों को 'औने-पौने' दाम पर नहीं बिकने देंगे

नयी दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि भारतीय कंपनियों का अधिग्रहण 'औने-पौने' दाम पर नहीं किया जा सके। भारतीय कंपनियों के आक्रामक तरीके से अधिग्रहण को लेकर चिंता के बीच वित्त मंत्री का यह बयान आया है।

कोविड-19 की वजह से लागू लॉकडाउन के चलते मांग घटने से दुनियाभर में उद्योग प्रभावित हुए हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि ऐसे में अधिक नकदी रखने वाले खिलाड़ियों के पास सस्ते मूल्यांकन पर कंपनियों को खरीदने का अवसर है। वित्त मंत्री ने कहा, 'वास्तविकता यही है। लेकिन हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जिन कंपनियों को भारतीयों ने अपने पसीने से खड़ा किया है, जिनका ब्रैंड मूल्य है, उन्हें ऐसे लोग नहीं खरीद पाएं, जो सिर्फ अवसर का इंतजार कर रहे हैं।'

सीतारमण ने एक टीवी चैनल से साक्षात्कार में कहा, 'ऐसे में यही वजह है जिसको लेकर हमें चिंता है। हम निश्चित रूप कुछ करेंगे जिससे भारतीय उद्योगों का अधिग्रहण औने-पौने दाम पर नहीं हो सके। हम चाहते हैं कि सब कुछ सामान्य होने के बाद वे अपने कारोबार को आगे बढ़ाएं।' बता दें कि चालू वित्त वर्ष के लिए सरकार ने विनिवेश से 2.1 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। पिछले वित्त वर्ष का लक्ष्य केवल 65 हजार करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2018-19 में विनिवेश के जरिये 94,727 करोड़ रुपये जुटाये गये थे। इस साल एयर इंडिया, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड जैसी कंपनियों में सरकार विनिवेश करने की योजना बनाई थी।

चौथी तिमाही में कंस्ट्रक्शन सेक्टर ने 2.2% की निगेटिव ग्रोथ दर्ज की

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। दुनिया भर में आर्थिक गतिविधियां में सुस्ती के बीच देश में वित्त वर्ष 2019-20 की तीसरी तिमाही में ज्यादातर सेक्टर में गिरावट देखने को मिली है। कंस्ट्रक्शन सेक्टर की गतिविधियों में मार्च तिमाही के दौरान 2.2% गिरावट देखने को मिली है। वहीं मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की गतिविधियों में 1.4% की गिरावट आई है। पूरे वित्त वर्ष की बात तो मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में शून्य ग्रोथ दर्ज की है। हास्पिटैलिटी सेक्टर का प्रतिनिधित्व करने वाले ट्रेड एंड होटल्स क्षेत्र ने महज 2.6% की ग्रोथ दर्ज की है। देश के जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 17% है। मार्च तिमाही में कृषि क्षेत्र ने रबी सीजन की बदौलत 5.9% की विकास दर दर्ज की है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने शुक्रवार को भारत की जीडीपी विकास दर के तिमाही और सालाना आंकड़े जारी किये। पूरे वित्त वर्ष की बात करें तो देश के औद्योगिक उत्पादन में 77.63% की हिस्सेदारी रखने वाले मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में शून्य ग्रोथ दर्ज की है। वहीं, पूरे वित्त वर्ष का प्रदर्शन 11 साल के निचले स्तर पर चला गया है। वित्त वर्ष 2019-20 में विकास 4.2 फीसदी दर्ज की गयी है। 2008 की मंदी के समय विकास 3.09% रही थी, उसके बाद से यह सबसे कम विकास दर रही थी। चौथी तिमाही में भी विकास दर 3.1% रही है। इस बीच अप्रैल महीने के कोर इंडस्ट्री के आंकड़े आए हैं। आठ प्रमुख उद्योगों वाले कोर सेक्टर के उत्पादन में 38.1% की गिरावट आई है। पिछले साल अप्रैल में इस क्षेत्र का उत्पादन 5.2% की रफ्तार से बढ़ा था। जबकि इस साल मार्च में इसका उत्पादन में 9% की गिरावट आई थी। कोर सेक्टर के इंडस्ट्रीज में कोयला, सीमेंट, स्टील, नैचुरल गैस, रिफाइनरी, बिजली, उर्वरक और क्रूड ऑयल को शामिल किया जाता है। कोरोना संक्रमण रोकने के लिये लागू किये गये देशव्यापी लॉकडाउन से इनके उत्पादन में भारी गिरावट आई है। बीते वित्त वर्ष में देश का राजकोषीय घाटा बढ़कर जीडीपी के 4.6% के बराबर तक पहुंच गया। यह बीते वित्त वर्ष के लिये जारी किये गये। इसके संशोधित अनुमान 3.8% से 0.8% अधिक है। राजकोषीय घाटा सरकार की आमदनी और खर्च के बीच के अंतर को कहते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फरवरी में पेश बजट में वित्त वर्ष 2019-20 के लिये राजकोषीय घाटे के अनुमान को 3.3% से बढ़ाकर 3.8% किया था।

सबसे तेज स्मार्टफोन अब सिर्फ 31,990 रूपए में

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। भारतीय ग्राहकों को लेटेस्ट टेक्नोलॉजी इनोवेशन प्रदान करने के उद्देश्य से, आइकू ने अपने लोकप्रिय स्मार्टफोन आइकू 3 पर आकर्षक छूट की घोषणा की। आईसीआईसीआई क्रेडिट कार्ड के साथ आइकू 3 खरीदने वाले ग्राहकों को आइकू 3 के सभी वेरिएंट पर 3,000 रुपए का तुरंत फायदा मिलेगा। ग्राहक 31,990 रुपए (8+128 जीबी-4जी), 34,990 रुपए (8+256जीबी-4जी) और 41,990 रुपए (12+256जीबी-5 जी) के आकर्षक मूल्य पर भारत के सबसे तेज स्मार्टफोन आइकू 3 खरीद सकते है, जो वर्तमान में 34,990 रुपए, 37,990 रुपए और 44,990 रुपए में उपलब्ध है। इस घोषणा के बारे में आइकू इंडिया के डायरेक्टर-मार्केटिंग श्री गगन अरोड़ा ने कहा, 'आइकू3 को अब तक जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, जिसके लिए हम भारत में अपने ग्राहकों के आभारी हैं।

बीते वित्त वर्ष में रियल इस्टेट

संस्थागत निवेश 12 प्रतिशत घटकर 4.5 अरब डॉलर पर

नयी दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। देश के रियल इस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश बीते वित्त वर्ष 2019-20 में 12 प्रतिशत घटकर 4.48 अरब डॉलर या करीब 33,800 करोड़ रुपये रह गया। अमेरिका की संपत्ति क्षेत्र की सलाहाकर वेस्टियन की रिपोर्ट में कहा गया है कि आर्थिक वृद्धि में गिरावट और कोरोना वायरस को लेकर अनिश्चितता से रीयल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश घटा है। रिपोर्ट में कहा गया है, ''2019-20 में कुल संस्थागत निवेश 448 करोड़ डॉलर रहा। यह 2018-19 की तुलना में 12 प्रतिशत कम है। बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में रियल इस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश 44 प्रतिशत घटकर 72.7 करोड़ डॉलर पर आ गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019-20 में संस्थागत निवेश का आंकड़ा पांच साल में सबसे कम रहा है। संपत्ति सलाहकार कंपनी वेस्टियन ने कहा कि संस्थागत निवेश में गिरावट की प्रमुख वजह पूरे साल के दौरान अर्थव्यवस्था की सुस्ती और अंतिम तिमाही में कोविड-19 के चलते पैदा हुई अनिश्चितता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसमें से 81 प्रतिशत यानी 363.6 करोड़ डॉलर का निवेश वाणिज्यिक संपत्तियों में आया जबकि आवासीय खंड को 13 प्रतिशत यानी 56.5 करोड़ डॉलर का निवेश मिला। विभिन्न शहरों की बात की जाए तो मुंबई, बेंगलुरु और पुणे को कुल निवेश का 90 प्रतिशत प्राप्त हुआ। सबसे अधिक 42 प्रतिशत निवेश मुंबई को मिला। उसके बाद बेंगलुरु को 37 प्रतिशत निवेश मिला। रिपोर्ट कहती है कि बीते वित्त वर्ष में रियल इस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश मुख्य रूप से अमेरिका, सिंगापुर, हांगकांग और जापान से आया। कुल निवेश में अमेरिका के संस्थागत निवेशकों का हिस्सा 67 प्रतिशत का रहा। कोविड-19 के भारत के रियल इस्टेट क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में वेस्टियन ने कहा कि वाणिज्यिक संपत्ति क्षेत्र में अगली दो-तीन तिमाहियों तक सुस्ती रहेगी। वहीं आवासीय क्षेत्र में सुधार में लंबा समय लग सकता है।

सेबी ने पावर ऑफ अटॉर्नी नियमों के क्रियान्वयन की तारीख बढ़ाई

नयी दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने पावर ऑफ अटॉर्नी (मुख्तारनामा) से संबंधित नियमों के क्रियान्वयन की तारीख एक अगस्त, 2020 तक बढ़ा दी है। यह मुख्तारनामा ग्राहकों द्वारा ट्रेडिंग सदस्यों या क्लियरिंग सदस्यों को देना होता है। नियामक ने फरवरी, 2020 में मार्जिन प्रतिबद्धताओं के बारे में विशेष दिशानिर्देश जारी किए थे। ग्राहकों द्वारा दी गई पावर ऑफ अटॉर्नी के दुरुपयोग को रोकने के लिए सेबी ने मार्जिन प्रतिबद्धताओं को ग्राहकों की ओर से प्रतिभूतियों के रूप में देने की व्यवस्था की है। इसे डिपॉजिटरी प्रणाली में गिरवी या पुन: गिरवी रखकर दिया जा सकता है। कोविड-19 की वजह से पैदा हुई स्थिति के मद्देनजर शेयर ब्रोकरों तथा ब्रोकर संघों का कहना था कि उन्हें इन प्रावधानों के क्रियान्वयन में परेशानी आ रही है। इसी के मद्देनजर नियामक ने इसके क्रियान्वयन की तिथि बढ़ाकर एक अगस्त, 2020 कर दी है।

● विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ब्रिटेन के एंडी मरे इस वर्ष जून में होने वाले प्रदर्शनी टेनिस टूर्नामेंट से वापसी कर सकते हैं। ब्रिटेन की टेनिस नियंत्रण संस्था लॉन टेनिस एसोसिएशन (एलटीए) ने शुक्रवार को यह पुष्टि करते हुए बताया कि प्रदर्शनी टूर्नामेंट दर्शकों के बिना नेशनल टेनिस सेंटर में 23 से 28 जून तक आयोजित होगा। तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता 33 वर्षीय एंडी मरे ने गत वर्ष नवम्बर के बाद से कोई मुकाबला नहीं खेला है और उन्होंने अपनी चोट से उबरने के लिए बहुत संघर्ष भी किया है।

खेल

● भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का मानना है कि मानसिक मजबूती तथा सफल होने के लिए वर्तमान में रहना बहुत जरूरी है। कार्तिक ने एक कार्यक्रम में कहा, मानसिक मजबूती के लिए लगातार वर्तमान में रहने की क्षमता बहुत जरुरी है। जब आप कठिन परिस्थिति में होते हैं तो दिमाग में बहुत तरह के ख्याल आते है लेकिन उस दौरान अगर आप इस बात पर ध्यान केंद्रित करें कि आपको अभी क्या करने की आवश्यकता है तो आप ज्यादातर सफलता प्राप्त करेंगे। सभी सफल खिलाड़ियों ने समय के साथ मानसिक मजबूती हासिल की है।

संक्षेप में

सब्स्टीट्यूट नियम को मंजूरी दे आईसीसी

लंदन, 30 मई (एजेंसियां)। इंग्लैंड ऐंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अधिकरियों को उम्मीद है कि जब वेस्टइंडीज और पाकिस्तान की टीमें टेस्ट सीरीज के लिए उसके देश का दौरा करेंगी तो आईसीसी कोरोना वायरस से संक्रमित हुए खिलाड़ी के स्थान पर दूसरे खिलाड़ी (सब्स्टीट्यूट) को मैदान में उतरने की मंजूरी देगा। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईसीबी खेल की स्थितियों में बदलाव को लेकर आईसीसी से बातचीत कर रहा है। ईसीबी के निदेशक स्टीव एलवॉर्थी ने कहा, 'कोविड-19 से संक्रमित खिलाड़ी के बदलाव के बारे में आईसीसी अभी विचार कर रहा है। उस पर अब भी सहमति की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि जुलाई में टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले यह अच्छी तरह से लागू होगा।' यह बदलाव टेस्ट क्रिकेट में लागू होगा, लेकिन वनडे और टी20 इंटरनैशनल फॉर्मेट में नहीं।

'माइंड ब्लॉक' पर पत्नी संग थिरके डेविड वॉर्नर

नयी दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व उप-कप्तान डेविड वॉर्नर लॉकडाउन में टिकटॉक पर काफी ऐक्टिव हो गए हैं और लगातार नए वीडियो पोस्ट कर रहे हैं। अब उन्होंने एक और वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वह तेलुगू फिल्मों के स्टार महेश बाबू के एक गाने पर थिरकते नजर आ रहे हैं। आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व कप्तान वॉर्नर के इस वीडियो में उनके साथ पत्नी कैंडिस भी डांस कर रही हैं। उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा कि यह स्टेप्स उन्होंने 50 बार कोशिश के बाद सीखे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद आईपीएल टीम के साथ जुड़ने के कारण हैदराबाद में जबर्दस्त फैन फॉलोइंग रखने वाले वॉर्नर ने इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट किया है। वॉर्नर ने इसके कैप्शन में लिखा, '50 प्रयासों के बाद, यह वीडियो बन सका और बाद में हम अपनी कोशिशों से इसे बनाने में कामयाब हुए।' उन्होंने साथ ही महेश बाबू को भी टैग किया। यह गाना 'माइंड ब्लॉक' है जो महेश बाबू की सुपरहिट फिल्म 'सरिलेरू नीकेवारू' का है। वॉर्नर ने इससे पहले भी कई वीडियो पोस्ट किए जिसमें कुछ बॉलिवुड फिल्म के भी थे।

विंडीज ने इंग्लैंड दौरे को सैद्धांतिक मंजूरी दी

पोर्ट ऑफ स्पेन, 30 मई (एजेंसियां)। क्रिकेट वेस्ट इंडीज ने आगामी इंग्लैंड दौरे को सैद्धांतिक रूप से अपनी मंजूरी दे दी है। क्रिकेट वेस्ट इंडीज ने टेलीकॉन्फ्रेंस के जरिये बातचीत से यह फैसला किया। यह टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। इसे चार जून से शुरू होना था लेकिन कोरोना वायरस के कारण इसे आगे खिसका दिया गया था। दोनों बोर्ड इस सीरीज के लिए जुलाई के शुरू का समय देख रहे हैं। विंडीज की टीम जून के शुरू में इंग्लैंड पहुंचेगी और सीरीज से पहले क्वारंटीन में रहेगी जिसमें वह अपनी ट्रेनिंग भी करती रहेगी। यदि दौरा होता है तो वह दर्शकों के बिना यह सीरीज खेलेगी। क्रिकेट वेस्ट इंडीज ने बताया कि उसके और इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के चिकित्सा प्रतिनिधियों के बीच विस्तृत बातचीत के बाद यह फैसला किया गया जिसमें ठहरने का स्थान और दौरे के दौरान जैव सुरक्षा का वातावरण उपलब्ध कराना शामिल है।

कोरोना के दौरान पेफी ने शारीरिक शिक्षा पर दिया ज्ञान

नयी दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। कोरोना महामारी की वजह से जब सारा देश लॉकडाउन हुआ तो शारीरिक शिक्षा और खेलों को बढ़ावा देने के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्था फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी) ने ऐसे समय में लोगों को घर में बैठे-बैठे ही शारीरिक शिक्षा और खेलों की जानकारी देने की मुहिम चलायी। इस वेबिनार की शुरुआत 14 अप्रैल को हुई थी और इसका समापन रविवार 31 मई को होगा। कोरोना के समय समस्त देशवासी अपने घरों में बंद हुए तो एकाएक लोगों की सभी गतिविधियां ठहर सी गयी थीं। स्कूल, कॉलेज, ऑफिस, मॉल, फिटनेस सेंटर, बाजार आदि बंद हो गए थे। ऐसे समय में पेफी ने लोगों को घर में बैठे-बैठे ही शारीरिक शिक्षा और खेलों की जानकारी देने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर लाइव जागरूकता कार्यक्रम शुरू करने की योजना बनाई। पेफी के राष्ट्रीय सचिव डॉ पीयूष जैन ने बताया कि शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विषय पर वेबिनार आयोजित करने का मकसद लॉकडाउन के दौरान जब सभी शिक्षण गतिविधियां बंद चल रही थी तो ऐसे समय में शारीरिक शिक्षा के छात्र, खिलाड़ी, खेल प्रशिक्षकों और देशभर के शारीरिक शिक्षकों को एक मंच पर इकट्ठा करना था जिसके जरिए शारीरिक शिक्षा के छात्र, खेल प्रशिक्षक देश भर के विद्वान शारीरिक शिक्षा के प्रोफेसरों से एक मंच पर ज्ञान साझा कर सकें।

डॉ पीयूष जैन ने बताया कि पेफी ने इस वेबिनार की शुरुआत 14 अप्रैल से शुरू की और इसका समापन 31 मई को हो रहा है। इस दौरान पेफी से जुड़े देश विदेश के हजारों छात्र और शारीरिक शिक्षा के प्रोफेसरों की मेहनत रंग लाई। पेफी के 48 दिन चले फेसबुक लाइव कार्यक्रम में 57 सेशन आयोजित हुए। इस दौरान देशभर से लाखों लोग इस कार्यक्रम का हिस्सा बने। पेफी के पहले लाइव सेशन की 14 अप्रैल को द्रोणाचार्य अवार्ड विजेता और साई के हाई परफॉरमेंस डायरेक्टर डॉ. ए.के. बंसल के व्याख्यान से शुरुआत हुई। डॉ. बंसल ने 'द कोच' विषय पर बहुत रोचक जानकारी छात्रों को मुहैया कराई। इस दौरान उन्होंने छात्रों के प्रश्नों के उत्तर भी लाइव रहकर दिए। सीरीज का दूसरा व्याख्यान सऊदी अरब की किंग फहाद यूनिवर्सिटी के शारीरिक शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे डॉ. राकेश तोमर ने दिया। डॉ. तोमर ने 'व्यायाम और पोषण' टॉपिक पर एक घंटे के व्याख्यान के दौरान पोषण और व्यायाम पर बहुत महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इस दौरान डॉ तोमर ने छात्रों के संशय का निदान किया।

सीरीज के तीसरे व्याख्यान में 16 अप्रैल को जूडो के पूर्व अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी, अर्जुन अवार्डी और अब कोचिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे यशपाल सोलंकी ने छात्रों के बीच अपने अनुभव बांटे। उन्होंने अवसर और चैलेंज विषय पर संबोधित किया। महाराष्ट्र के नांदेड स्थित स्वामी रामानंद तीर्थ विश्वविद्यालय में कार्यरत शारीरिक शिक्षा के प्रोफेसर डॉ सिंकू कुमार सिंह, शारीरिक शिक्षाविद् डॉ श्याम नारायण सिंह, मेजर जनरल दिलावर सिंह, उमाशंकर अखेरिया, जेएनयू के डॉ विक्रम सिंह, लेडी श्रीराम कॉलेज की शारीरिक शिक्षा की प्रोफेसर डॉ मीनाक्षा पाहुजा, डॉ पीयूष जैन, साई की पूनम बेनीवाल,डॉ अनिल खरवंदे, सुनीता गोदारा, डॉ ए.के. उप्पल, डॉ संजय पासवान, बीसी कापरी, डॉ अरूणा डोगरा, डॉ प्रीति पांडे, मीनाक्षी गुप्ता समेत देश के तमाम शारीरिक शिक्षा के दिग्गज लोगों ने पेफी की इस मुहिम में योगदान दिया। इस अभियान के तहत सोशल मीडिया साइट फेसबुक पर लाइव सेशन के जरिए खिलाड़ियों, कोच, फिजिकल ट्रेनर्स और रिसर्चर्स को जोड़ा गया। इस दौरान विभिन्न खेल विशेषज्ञों द्वारा अलग-अलग टॉपिक और विषयों पर लाइव सेशन का आयोजन हुआ जिसमें विषय विशेषज्ञ अपनी जानकारी और अनुभव लाइव सेशन में साझा करते रहे और सवालों के जवाब भी देते रहे।

विदेशी खिलाड़ियों के बिना नहीं हो सकता आईपीएल

नयी दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। आईपीएल को वैश्विक अपील वाला टूर्नामेंट बताते हुए , किंग्स इलेवन पंजाब के सह मालिक नेस वाडिया ने कहा कि विदेशी सितारों के बिना इसके आयोजन का कोई मतलब नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर चकाचौंध से भरे इस टी20 लीग के भाग्य पर फैसला करने के लिए बीसीसीआई को और समय चाहिए होगा। कोरोना वायरस महामारी के कारण यह टूर्नमेंट अनिश्चित काल के लिए स्थगित है और बीसीसीआई सितंबर-अक्टूबर में इसके आयोजन की योजना

बना रहा है। ऑस्ट्रेलिया में इस साल अक्टूबर-नवंबर में प्रस्तावित टी20 विश्व कप का आयोजन अगर नहीं होता है तो लीग के आयोजन की संभावना काफी बढ़ जाएगी। लीग से जुड़े फ्रैंचाइजियों ने टूर्नमेंट को लेकर मिश्रित राय व्यक्त की है। राजस्थान रॉयल्स ने यात्रा प्रतिबंधों का हवाला देते हुए सिर्फ भारतीय खिलाड़ियों के साथ इसे आयोजित करने का सुझाव दिया तो तीन बार के चैंपियन चेन्नै सुपर किंग्स ने इस प्रस्ताव को खारिज करते हुए कहा कि इससे टूर्नमेंट सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नमेंट की तरह हो जाएगा। किंग्स इलेवन पंजाब ने भी इस मामले में चेन्नै सुपर किंग्स का साथ दिया। वाडिया ने कहा, 'आईपीएल भारतीयों द्वारा बनाया गया एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नमेंट है। यह दुनिया के प्रमुख क्रिकेट आयोजनों में से एक है। ऐसे में इसे अंतरराष्ट्रीय मंच और अंतरराष्ट्रीय सितारों की आवश्यकता है।' उन्होंने कहा, 'अभी यह देखा जाना बाकी है कि उस समय किन विदेशी खिलाड़ियों को यात्रा करने की अनुमति (प्रतिबंधों को देखते हुए) होगी। मुझे लगता है कि इस समय बीसीसीआई को बहुत सारी चीजों पर विचार करना है।'

टी20 वर्ल्ड कप पर रद्द करना भी एक ऑप्शन:संगकारा

मुंबई, 30 मई (एजेंसियां)। श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा को लगता है कि इस साल टी20 वर्ल्ड कप को रद्द करना भी एक ऑप्शन है। खतरनाक कोरोना वायरस से जुड़े कई सवालों के जवाब अभी नहीं मिल पा रहे हैं। इसी वजह से टी20 वर्ल्ड कप के आयोजन पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। प्रतिष्ठित मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के अध्यक्ष संगकारा का मानना है कि स्थिति पर नजर रखने की जरूरत है। आईसीसी की गुरुवार को हुई बैठक में ऑस्ट्रेलिया मे होने वाले इस टूर्नमेंट पर फैसला 10 जून तक टाल दिया गया। श्रीलंका के इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'हर दिन नई चीजें सीखने और देखने को मिल रही हैं। इसलिए हमें इंतजार करना होगा। एक ऑप्शन यह है कि इस साल इसे रद्द कर दें या अगले साल के लिए टाल दें। हमें इसके आगे की प्रक्रियाओं को ध्यान में रखना चाहिए जिसमें खिलाड़ियों और दर्शकों की स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना होगा।' संगकारा ने कहा कि इस महामारी को लेकर अभी कई ऐसे सवाल हैं जिसके जवाब मिलना बाकी हैं। उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम 'क्रिकेट कनेक्टेड' में कहा, 'असल मुद्दा यह है कि वायरस के साथ क्या होने वाला है। क्या यह 'सार्स' और 'मर्स' की तरह गायब हो रहा है, या यह कुछ ऐसा है जो बदलते मौसम के साथ वापस आएगा।' उन्होंने कहा, 'क्या हमें इस विशेष वायरस या समय-समय पर इससे अलग प्रकार के विकसित वायरस के साथ रहना होगा।' श्रीलंका के इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि अभी किसी के पास इन सवालों का जवाब है। समय के साथ स्थिति और अधिक स्पष्ट होगी।

कोरोना वायरस से लियोनेल मेसी को भारी नुकसान

लंदन, 30 मई (एजेंसियां)। कोरोना वायरस से लियोनेल मेसी को भारी नुकसान, कमाई की लिस्ट के टॉपर बने रोजर फेडररकोरोना वायरस की वजह से हुई सैलरी में कटौती की वजह से अर्जेंटीना और बार्सिलेना क्लब के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी को भारी नुकसान हुआ है। अब वह पिछले 12 महीने में सबसे अधिक कमाई करने वाले टॉप ऐथलीट नहीं रहे। टेनिस स्टार रोजर फेडरर ने उन्हें 106.3 मिलियन डॉलर यानी लगभग 803 करोड़ रुपये के साथ ही पीछे छोड़ दिया है। इसका खुलासा फोर्ब्स की ताजा लिस्ट में हुआ है।ताजा लिस्ट में चौथे नंबर से उछलकर सीधे टॉपर बने फेडरर की कुल कमाई में 100 मिलियन डॉलर यानी लगभग 756 करोड़ रुपये विज्ञापन से पैसे शामिल हैं, जबकि 6.3 मिलियन यानी लगभग 45.4 करोड़ रुपये सैलरी है। वह टेनिस इतिहास के पहले खिलाड़ी हैं, जिसे इस लिस्ट में टॉप स्थान मिला है।

असम में आई भीषण बाढ़ के दौरान नौगांव जिले में केले की नांव से जा रहे ग्रामीण। – विश्वमित्र

लॉकडाउन 5.0 नहीं अब अनलॉक 1

नयी दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय ने लॉकडाउन को खत्म कर दिया है और अनलॉक 1 की गाइडलाइन्स जारी कर दी हैं। इसके तहत कंटेनमेंट जोन के बाहर चरणबद्ध तरीके से छूट दी जाएगी, लेकिन फिलहाल कंटेनमेंट जोन में पूरी पाबंदी रहेगी। हालांकि, जरूरी गतिविधियों की मंजूरी रहेगी। अनलॉक 1 की ये गाइडलाइन्स 1 जून से 30 जून तक के लिए जारी रहेंगी। आइए जानते हैं इसमें क्या-क्या कब-कब खुलेगा।

जारी रहेगा नाइट कर्फ्यू

रात का कर्फ्यू जारी रहेगी। जो जरूरी चीजें हैं, उनके लिए कोई कर्फ्यू नहीं होगा। रात को 9 बजे से सुबह 5 बजे तक अब नाइट कर्फ्यू रहेगा। अभी तक ये शाम 7 से सुबह 7 बजे तक था। स्कूल-कॉलेज और शैक्षणिक संस्थान खोले जाने पर फैसला सरकार बाद में लेगी।

खुलेंगे धार्मिक स्थल, लेकिन शर्तों के साथ

मंदिर-मस्जिद-गुरुद्वारा-चर्च खोले जाएंगे। कई राज्य चाह रहे थे कि मॉल भी खोले जाएं तो उन्हें चरणबद्ध तरीके से खोला जाएगा।

गृह मंत्रालय ने जारी की गाइडलाइन्स

स्कूल-कॉलेज दूसरे फेज में जुलाई से खोले जा सकते हैं। 8 जून से रेस्टोरेंट और होटल खुलेंगे। सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क पहनना जरूरी होगा। धार्मिक स्थल और सैलून खोले तो जाएंगे, लेकिन कुछ शर्तों का पालन करना होगा।

कहीं भी आ-जा सकते हैं लोग

एक से दूसरे राज्य में जाने का प्रतिबंध पूरी तरह से हटा लिया गया है। राज्य में भी एक जिले से दूसरे जिले में जा सकेंगे, लेकिन सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना होगा। कहीं आने जाने से पहले किसी की कोई इजाजत लेने की जरूरत नहीं होगी।

राज्य सरकारों के पास अधिक ताकत

अब राज्य सरकारों को अधिक ताकत दी गई है। राज्य सरकारें ही तय करेंगी कि कैसे राज्यों में बसें और मेट्रो सेवाएं शुरू होंगी। केंद्र सरकार ने तो प्रतिबंध हटा लिया है, लेकिन राज्य सरकार अपने स्तर पर पाबंदियां लगा सकती हैं।

जावड़ेकर ने दिया था इस बारे में संकेत

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने एक न्यूज चैनल से बातचीत के दौरान पहले ही कहा था कि लॉकडाउन 5.0 बिल्कुल साधारण होगा। उन्होंने कहा, 'इसमें कुछ ही इलाकों में पाबंदियां लगाई जाएंगी। बाकी जन जीवन को खोल दिया जाएगा।' उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थिति हमेशा नहीं रहेगी। लोगों को काफी हद तक छूट दे दी गई है और अब उम्मीद है कि सामान्य जीवन होगा।

मुम्बई से लौटते वक्त हावड़ा के श्रमिक की मौत

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। मुम्बई में जड़ी का काम करने गये हावड़ा के एक श्रमिक की वापस आते समय मौत हो गयी। उसका नाम शेख मइदुल अली बताया गया है जो जगतबल्लभपुर का निवासी था। आज रांची में एक सड़क किनारे से उसका शव बरामद किया गया। शव पर कई जगह घाव के निशान थे। गत 22 मई को उसने अपनी पत्नी से बात की थी। इसके बाद 24 मई को अंतिम बार मइदुल ने अपने परिजनों से बात की थी। इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। आज झारखंड पुलिस ने पश्चिम बंगाल के डीजीपी वीरेन्द्र को फोन पर इसकी सूचना दी। मृतक के परिजनों का आरोप है कि मइदुल की हत्या की गयी है।

फिलहाल नहीं खुलेंगे बेलूड़, तारापीठ व दक्षिणेश्वर मंदिर

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कल घोषणा की थी कि आगामी 1 जून से राज्य के धर्मीय स्थानों को खोला जायेगा। लेकिन आज दक्षिणेश्वर, तारापीठ एवं बेलूड़ मंदिर समिति ने फैसला किया कि फिलहाल मंदिर नहीं खोले जाएंगे। बेलूड़ मठ की ओर से बताया गया कि आगामी 16 जून से बेलूड़ मठ खुलेगा। सभी भक्तों की थर्मल स्क्रीनिंग होगी। सुबह 9 से 11 एवं शाम 4 से 6 बजे तक मठ खुला रहेगा। वहीं दक्षिणेश्वर मंदिर की ओर से बताया गया कि हम 15 जून के बाद मंदिर खोलने को लेकर बैठक करेंगे। तारापीठ मंदिर समिति ने भी 15 जून के बाद ही मंदिर खोलने का कोई फैसला लेने की बात कही है।

सीमा पर 63 बोतल फैंसीडिल बरामद

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। पश्चिम बंगाल से सटी भारत-बांग्लादेश सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की टीम ने 63 बोतल फैंसीडिल बरामद किया है। इसके साथ ही एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। शनिवार को बीएसएफ की ओर से जारी बयान में इस बारे में जानकारी दी गई है। बताया गया है कि बरामद किए गए फैंसीडिल की कीमत 9719 रुपये है। पहली कार्रवाई मुर्शिदाबाद जिले के बहरामपुर सेक्टर अंतर्गत बॉर्डर आउटपोस्ट फर्जीपाड़ा में की गई है। यहां बीएसएफ की टीम तलाशी अभियान चलाकर संध्या मंडल नाम की 48 साल की महिला तस्कर को धर दबोचा।

पीड़ित परिवारों को सौंपी मुआवजे की राशि

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। राज्य में अम्फान ने जमकर तबाही को अंजाम दिया है। इस चक्रवात के कहर के कारण बिष्णुपुर विधानसभा क्षेत्र में तीन लोगों की मौत हुई थी। स्थायीन विधायक दिलीप मंडल की देखरेख में उक्त मृतकों के परिजनों को मुआवजे के तौर पर 2.5 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई। सहायता पाने के बाद पीड़ित परिवार के लोगों ने कहा कि, मुख्यमंत्री ममत बनर्जी व विधायक दिलीप मंडल हमलोगों को जीवन यापन के लिये नौकरी की व्यवस्था कर दें तो हमलोग आभारी रहेंगे।विधायक दिलीप मंडल ने भी अपनी ओर से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान किया।

अजब गजब

(प्रथम पृष्ठ का शेषांश)

मोहल्ले की औरतें भी अब परेशान सी लग रही है, उन्हें झगड़े की अब कोई वजह नहीं मिल रही है। सब्जी वाले, दुध वालें का गला सुखा जा रहा है। बिना मोलभाव किए उन्हें माल बेचने में मजा नहीं आ रहा है, हो हल्ला की गाड़ी वाला भी अब बिना ब्रेक लगा निकल रहा है... सच कहूं तो कचरे का डब्बा भी कचरे से नहीं भर रहा है... लौट आओ वापस इतनी शांति अब इस जीवन की अच्छी नहीं लग रही है...।

बीमारी से लड़ने वाले...

(प्रथम पृष्ठ का शेषांश)

उन्होंने बताया कि गुजरात सरकार को 20 हजार पैकेट दिये गये। इसके बाद दिल्ली सहित देश के अन्य प्रदेशों में भी भेजे जा रहे हैं। राजस्थान पुलिस का प्रत्येक जवान स्वस्थ रहे इसके लिये 25 लाख रुपये की लागत के सवा लाख पैकेट यहां के भामाशाहों के सहयोग से आईजी को सौंपे गये। कार्यक्रम में एसपी तेजस्वनी गौतम, एसपी योगेंद्र फौजदार, डीएसपी गिरधारीलाल शर्मा, एसएचओ महेंन्द्र शर्मा आदि मौजूद थे।

देश में 30 जून तक बढ़ा...

(प्रथम पृष्ठ का शेषांश)

नए निर्देश 1 जून, 2020 से लागू होंगे और 30 जून, 2020 तक प्रभावी रहेंगे। 24 मार्च, 2020 के बाद पूरे देश में सख्त लॉकडाउन लागू किया था। केवल जरूरी गतिविधियों की अनुमति दी गई थी। अन्य सभी गतिविधियों पर पाबंदी थी। पहले प्रतिबंधित की गई सभी गतिविधियां चरणबद्ध तरीके से कंटेनमेंट जोन के बाहर के क्षेत्रों में खोली जाएंगी। पहले चरण में, धार्मिक स्थल, होटल, रेस्टोरेंट, शॉपिंग मॉल 8 जून, 2020 से खोलने की अनुमति दी गई। स्वास्थ्य मंत्रालय इसके लिए एक एसओपी जारी करेगा। दूसरे चरण में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की इजाजत के बाद स्कूल, कॉलेज खोले जाएंगे। पूरे देश में सीमित संख्या में गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी। ये गतिविधियां हैं : अंतरराष्ट्रीय उड़ानें, मेट्रो रेल का संचालन, सिनेमा हॉल, जिम, स्विमिंग पूल, थिएटर, बार और ऑडिटोरियम, असेंबली हॉल।

सोमवार से खुलेंगे केएमसी के मार्केट

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। न्यू मार्केट, गरियाहाट बाजार, वीआईपी बाजार, लेक मार्केट एवं इंटाली मार्केट समेत कोलकाता नगर निगम के अधीन वाले करीब 46 बाजारों को खोल दिया जायेगा। सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक बाजार खुले रहेंगे। लॉकडाउन के शुरू से ही ये बाजार बंद थे। नगर निगम के सभी बाजार प्राय: ग्रीन जोन के अधीन हैं। केएमसी के प्रशासक मंडली के सदस्य एवं बाजार विभाग के दायित्व प्राप्त संयोजक अमीरुद्दीन बाबी ने कहा कि बड़ी दुकानों में पांच लोग एवं छोटी दुकानों में दो लोग से ज्यादा नहीं जा सकेंगे। दुकान बंद होने के बाद बाजार में कोई नहीं रह सकेगा। दुकान खुलने के दो घंटे पहले सुबह 8 बजे रोजाना बाजारें को सैनिटाइज किया जायेगा।

युवक का शव मिला

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। तिलजला में आज एक युवक का शव पाये जाने से सनसनी फैल गयी। मृत युवक का नाम शेख सत्तार (26) था। पुलिस का कहना है कि वह शराबी था। जिसकी लत के कारण उसकी मौत हुई है जबकि स्थानीय लोगों का आरोप है सत्तार की हत्या की गई है। पुलिस के मृतक के परिवार से संपर्क की कोशिश कर रही है।

कोरोना की जंग जीतकर घर लौटे 3 युवक

माल्दा, 30 मई (नि.प्र.)। माल्दा जिले के हरिशचंद्रपुर आईटीआई कॉलेज में बने आइसोलेशन सेंटर में भर्ती कोरोना के तीन मरीज पूरी तरह स्वस्थ्य होकर शनिवार को घर लौट गए। कुछ दिनों पहले इनकी रिपोर्ट पॉजिटिव पाए जाने के बाद इन्हें आइसोलेशन सेंटर में भर्ती कराया गया था। लगातार 10 दिनों तक पर्यवेक्षक में रहने के बाद आवश्यक मेडिकल जांच के उपरांत इन तीनों को स्वास्थ्य घोषित करते हुए स्वास्थ्य विभाग की ओर से तीनों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी। ये तीन हरिश्चंद्रपुर थाना इलाके के रहने वाले हैं। कोरोना को मात देकर स्वास्थ्य होने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि आइसोलेशन सेंटर में बेहतर तरीके से उन्हें रखा गया। साथ ही उन्होंने कहा कि यहां की चिकित्सा व्यवस्था बढ़िया है. यही कारण है कि वे लोग कोरोना की जंग जीतकर स्वस्थ होकर आज घर लौट रहे हैं। उन्होंने इसके लिए जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग को धन्यवाद दिया।

कबूतरबाज की फरियाद

छोड़ा गया पाकिस्तानी कबूतर

जम्मू, 30 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब एक संदिग्ध कबूतर पकड़ा गया था। सुरक्षा एजेंसियों को शक था कि यह पक्षी प्रशिक्षित है और भारत में जासूसी के लिए भेजा गया है। कबूतर पर एक टैग और पिंक पैच भी लगा हुआ था। हालांकि कुछ भी संदिग्ध न पाए जाने पर उसे रिहा कर दिया गया है। कबूतर का मालिक पाकिस्तान का ही रने वाला है और उसने भी सुरक्षा एजेंसियों से कबूतर वापस करने की अपील की थी।

पाकिस्तान के तर में रहने वाले हबीबुल्लाह कबूतरबाज हैं। उन्होंने अपने कबूतर को पाने के लिए अधिकारियों से संपर्क किया। उनका कहना था कि कबूतर गलती से सीमा पार चला गया। पाकिस्तान की मीडिया के मुताबिक हबीबुल्लाह ने कबूतर का दूसरा जोड़ा उसी के पास होने का दावा किया था। सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने पीएम मोदी से भी कबूतर को वापस करने की गुहार लगाई थी।

एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक एक छत से कबूतर पकड़ा गया था जिसके पैर में कूट भाषा में कुछ लिखा हुआ था। हालांकि कबूतर में कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया है इसलिए उसे छोड़ दिया गया। कबूतरबाज हबीबुल्लाह ने यह भी कहा था कि कबूतर उसके परिवार का हिस्सा है और वह आतंकवादी या जासूस नहीं हो सकता। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि कबूतर अपने मालिक के पास पहुंचा या नहीं।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अकसर कबूतरों का इस्तेमाल करके जासूसी की जाती रही है। इसी वजह से अधिकारियों को इस पर शक हो गया। पहले भी जासूस कबूतर पकड़े जा चुके हैं। कबूतर को पकड़ने के बाद स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया था। उसकी बायीं टांग में अंगूठी थी जिसमें कुछ नंबर लिके हुए थे।

लगातार बारिश के बावजूद बंगाल में बढ़ रहा तापमान, गर्मी से बेहाल हैं लोग

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता समेत राज्य के अन्य हिस्सों में लगातार बारिश के बावजूद तापमान में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी है। इस बीच कोलकाता के साथ-साथ हावड़ा, हुगली, उत्तर और दक्षिण 24 परगना, नदिया और पूर्व मेदिनीपुर जिले के विस्तृत इलाके में अभी भी बिजली आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य नहीं हो सकी है। इसलिए लोग गर्मी से बेहाल हैं। शनिवार को मौसम विभाग की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि इस दिन कोलकाता में न्यूनतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस है जो सामान्य से करीब 3 डिग्री ज्यादा है। मौसम विभाग ने राज्य के 8 जिलों में बारिश की संभावना भी व्यक्त की है। ये जिले हैं उत्तर और दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर हावड़ा, हुगली, नदिया और मुर्शिदाबाद। कोलकाता में तेज हवाएं चलेंगी और थोड़ी सी बारिश होगी। यहां न्यूनतम तापमान 34.7 डिग्री सेल्सियस है जो सामान्य से एक डिग्री कम है। मौसम विभाग की ओर से बताया गया है कि बंगाल की खाड़ी में निम्न दाब बना हुआ है जिसकी वजह से लगातार बारिश हो रही है। दक्षिण बंगाल के साथ-साथ उत्तर बंगाल में भी बारिश के आसार हैं।

विशेषज्ञों का दावा : दफ्तर खुलने से बढ़ेगा कोरोना संक्रमण

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 08 जून से सरकारी और निजी दफ्तरों को खोलने की अनुमति दे दी है। इस बीच चिकित्सा विशेषज्ञों का दावा है कि दफ्तर खोलने और कर्मचारियों की भीड़ बढ़ने से कोरोना का संक्रमण और अधिक बढ़ेगा। शनिवार को सर्विसेस ऑफ डॉक्टर्स फोरम के महासचिव डॉक्टर सजल विश्वास ने कहा कि मुख्यमंत्री की इस घोषणा के पीछे कोई भी वैज्ञानिक वजह नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकारों को तार्किक और वैज्ञानिक फैसले ही लेना चाहिए। डॉ विश्वास ने दावा किया कि जैसे ही दफ्तर खुलेंगे, धार्मिक संस्थान आदि में लोगों का आना जाना शुरू होगा, भीड़ बढ़ेगी और संक्रमण बढ़ना तय है। उन्होंने कहा कि भले ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दफ्तरों में शारीरिक दूरी के प्रावधानों का पालन करने का निर्देश दिया है लेकिन यह संभव होगा। इसमें संदेह है। डॉ प्रभात सिंह ने कहा कि विशेषज्ञों ने पहले से ही आशंका व्यक्त की है कि आगामी 2 महीने तक संक्रमण बढ़ेगा और बंगाल में जब सारे संस्थान दफ्तर आदि खुलेंगे तो संक्रमण बढ़ना तय है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 8 जून से सरकारी और प्राइवेट दफ्तरों को खोलने की अनुमति दे दी है।

दूध गाड़ी के धक्के से मां-बेटे की मौत

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। हुगली जिले के धनियाखाली में दूध की गाड़ी के धक्के से मां-बेटे की मौत हो गयी। मृतका का नाम कल्पना बाउल दास (60) एव मृत बेटे का बापन बाउल दास (19) बताया गया। सूत्रों के मुताबिक धक्के के बाद मौके पर ही इनकी मौत हो गयी। खबर पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया।

कोलकाता में लगाए जाएंगे 50 हजार पेड़ : फिरहाद

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। अम्फान के कारण महानगर में करीब 15 हजार पेड़ गिर गये थे। इन पेड़ों में से 1200 पेड़ों का प्रतिस्थापन किया जायेगा। इसके लिये वन विभाग की मदद ली जाएगी। कोलकाता नगर निगम के प्रशासक फिरहाद हाकिम ने कहा कि महानगर में कुल 50 हजार के करीब पेड़ लगाए जाएंगे। इसकी शुरुआत आगामी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के दिन से होगी। पेड़ बचाओ जीवन बचाओ स्लोगन के तहत पेड़ लगाए जाएंगे। फिरहाद हाकिम ने कहा कि जहां एक पेड़ गिरा है वहां तीन पेड़ लगेंगे। देवाशीष कुमार ने कहा कि 10 साल पुराने करीब साढ़े चार हजार एवं करीब तीन साल पुराने 12500 पेड़ों को नुकसान पहुंचा है। जो पेड़ प्रतिस्थापन लायक है उन्हें प्रतिस्थापन कर कोलकाता को ग्रीन बनाया जायेगा।

जलपाईगुड़ी में कोरोना के साथ साथ स्वाइन फ्लू का खतरा

जलपाईगुड़ी, 30 मई (नि.प्र.)। जलपाईगुड़ी में इन दिनों एक ओर कोरोना तो दूसरी ओर स्वाइन फ्लू का आतंक लोगों में बढ़ता जा रहा है. करोना आतंक के बीच जलपाईगुड़ी जिले के विभिन्न इलाके में खुलेआम सूअर के विचरण करने से लोग काफी आतंकित हैं। खुले आम घूम रहे सूअरों को पकड़ना जलपाईगुड़ी नगर पालिका के प्रशासक बोर्ड के लिए मुश्किल काम बनता जा रहा है. जलपाईगुड़ी नगरपालिका प्रशासक बोर्ड की ओर से शनिवार से शहर को सूअर मुक्त करने का अभियान शुरू किया गया. नगरपालिका प्रशासन बोर्ड के सदस्य तथा 11 नंबर के पूर्व पार्षद सैकत चट्टोपाध्याय के नेतृत्व में आज 11 नंबर वार्ड के विभिन्न इलाके में सूअर पकड़ने का अभियान चलाया गया।

वाममोर्चा विधायक दल के नेता सुजन चक्रवर्ती बाघाजतीन इलाके में तूफान पीड़ितों के लिए राहत संग्रह करते हुए। – विश्वमित्र

दुनिया की दूसरी सबसे प्राचीनतम महेश की रथयात्रा भी स्थगित

हुगली, 30 मई (नि.प्र.)। देश दुनिया कोरोना संकट से उबर नही पा रहा है। ऐसे में ऐतिहात के तौर पर इस साल महेश की रथयात्रा भी स्थगित कर दी गई है।ओडिशा के पुरी में हर साल भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा आयोजित की जाती है। लेकिन, पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के श्रीरामपुर की महेश की रथयात्रा दुनिया की दूसरी सबसे प्राचीन रथयात्रा के तौर पर जानी जाती है। महेश की 624 वर्ष पुरानी रथ यात्रा इस बार मंदिर के बाहर नहीं निकलेगी। मंदिर में ही छोटे तौर पर इस रथयात्रा का आयोजन किया

जाएगा।आज हुगली जिले डीएम वाई रत्नाकर राव अन्य सरकारी पदाधिकारी व श्रीरामपुर स्थानीय प्रशासन और मंदिर कमेटी की एक बैठक हुई जिसमें उक्त निर्णय लिया गया। रथ यात्रा के दिन जो पूजा पाठ का कार्यक्रम होता है, वह उसी प्रकार से होग। सिर्फ भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलराम को मंदिर के बाहर नहीं निकाला जाएगा। मंदिर के अंदर ही उनकी रथयात्रा पूरी होगी और इस दौरान भक्तों की उपस्थिति भी नाम मात्र की रहेगी। डीएम वाई रत्नाकर राव ने कहा कि मंदिर कमेटी के लोग सरकारी गाइडलाइन का पालन करते हुए रथ यात्रा को वृहद रूप में नहीं आयोजित करेंगे।महेश रथ यात्रा, महेश जगन्नाथ मंदिर से निकलती है। इस मंदिर की पौराणिक कहानी काफी दिलचस्प है। किंवदंती के अनुसार एक बंगाली साधु था जिसका नाम महेश था, लोग उसे द्रुबानंद ब्रह्मचारी के नाम से भी जानते थे। एक बार उसने भगवान जगन्नाथ को 'भोग' लगाया, लेकिन उन्होंने ग्रहण नहीं किया। तब वह निराश हो गया और मृत्यु तक उपवास करने का संकल्प लेकर वह वन की ओर चला गया। इस घटना के तीसरे दिन, भगवान जगन्नाथ बंगाली साधु के सपने में आए तो उन्होंने बलराम, जगन्नाथ और सुभद्रा की मूर्तियों को दरू-ब्रह्मा (नीम तंजा) का भोग लगाने के लिए कहा।भगवान ने भक्त से कहा वह स्वयं भोजन अर्पित करे। तब बंगाली साधु ने भगवान की मूर्तियों को दरू-ब्रह्मा अर्पित कर पुण्य अर्जित किया। इस चमत्कार के बाद यहां मौजूद मंदिर का नाम भी 'महेश जगन्नाथ मंदिर' के रूप में प्रसिद्ध हो गया।मंदिर कमेटी की ओर से बताया गया है कि महेश की जगन्नाथ रथ यात्रा आज तक कभी स्थगित नहीं हुई थी। यह पहला मौका है जब रथ यात्रा स्थगित करनी पड़ी है।

टीएमसी-भाजपा कार्यकर्ता भीड़े अर्जुन सिंह का घेराव

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। उत्तर 24 परगना जिले के हालीशहर में पिछले कई दिनों से टीएमसी एवं बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच संघर्ष जारी था। इसके बाद आज बीजेपी कार्यकर्ता के घर तोड़फोड़ की गयी। घटना की खबर पाकर बैरकपुर से भाजपा सांसद अर्जुन सिंह हालीशहर पहुंचे जहां उनका घेराव किया गया। उन्हें इलाके में जाने से रोका गया। इसके बाद अर्जुन सिंह शुभ्रांशु राय को लेकर बीजपुर थाने गये। वहां भी पुलिस के साथ उनकी कहा-सुनी हुई। बाद में अर्जुन सिंह ने आरोप लगाया कि टीएमसी कार्यकर्ता पुलिस के साथ मिलकर भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला कर रहे हैं।

चक्रवात से सबक : सब्जी विक्रेताओं को बीमा योजना के अधीन लाएगी सरकार

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। घातक चक्रवाती तूफान अम्फन से सबक लेते हुए आखिरकार पश्चिम बंगाल सरकार ने बंगाल के सब्जी विक्रेताओं को भी बीमा योजना के अधीन लाने का निर्णय लिया है। राज्य कृषि विभाग के सूत्रों ने शनिवार को इसकी पुष्टि की है। बताया गया है कि लॉकडाउन खत्म होने के बाद अखिल भारतीय एग्रीकल्चरल इंश्योरेंस कंपनी के साथ इसे लेकर करार होने वाला है। अब तक सब्जी की खेती करने वाले लोग फसल बीमा के अधीन नहीं थे, लेकिन अब पश्चिम बंगाल सरकार ने सब्जी किसानों को भी इसके अधीन लाने का निर्णय लिया है। दरअसल चक्रवात की वजह से राज्य में हजारों हेक्टेयर की सब्जी बर्बाद हो गई थी। पश्चिम बंगाल में 55 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि है। इसमें से 10 लाख हेक्टेयर में सब्जी की खेती होती है। चक्रवात की वजह से उत्तर और दक्षिण 24 परगना, नदिया, पूर्व मेदनीपुर और बर्दवान के विस्तृत इलाके में सब्जियों की फसल क्षतिग्रस्त हुई हैं। मुख्यमंत्री के कृषि सलाहकार प्रदीप मजूमदार ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर सब्जी की खेती करने वाले किसानों को भी फसल बीमा के अधीन लाया जा रहा है।

मीडिया संस्थानों में कर्मचारियों की छटाई के खिलाफ प्रदर्शन

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। कोरोना महामारी से बचाव के लिए किए गए लॉकडाउन के बीच भी विभिन्न मीडिया हाउसेस से पत्रकारों और फोटोग्राफरों की छटाई करने के खिलाफ राजधानी कोलकाता में विरोध प्रदर्शन होने जा रहा है। आगामी सोमवार यानी एक जून को शाम 4:30 बजे से चांदनी चौक के ई मॉल के सामने यह विरोध प्रदर्शन होगा। यहां पश्चिम बंगाल के एक बड़े मीडिया संस्थान का दफ्तर हैं। आरोप है कि इसी संस्थान में सबसे अधिक कर्मचारियों की छटाई हुई है। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस अर्थात सीटू की कोलकाता इकाई ने विरोध प्रदर्शन आयोजित किया है। इस दौरान शारीरिक दूरी का विशेष तौर पर ख्याल रखा जाएगा। दरअसल लॉक डाउन के बीच विभिन्न मीडिया संस्थानों ने कर्मचारियों की छटाई की है। 50 से अधिक मीडिया कर्मियों को बिना वजह काम से निकाल दिया गया है। इसे लेकर सोशल साइट पर लगातार आवाजें उठ रही थीं। अब जमीनी तौर पर भी इसका विरोध होगा।

भारत में राजनेताओं, राजनीतिक दलों की दिशाहीन राजनीति : शंकराचार्य निश्चलानंद महाराज

कोलकाता/पुरी, 30 मई (निप्र)। श्री गोवर्धन मठ, पुरी पीठाधीश्वर शंकराचार्य निश्चलानन्द सरस्वती महाराज ने पीठ परिषद का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हेमन्त दास को मनोनीत किया है। शंकराचार्य निश्चलानंद जी के राष्ट्रीय प्रवास प्रभारी प्रेमचंद्र झा ने बताया कि जीतेन्द्र महापात्र को आदित्य वाहिनी का राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं एम पी मिश्रा को महासचिव मनोनीत किया गया है। कोरोना संक्रमण के कारण लॉक डाउन अवधि में पुरी प्रवास में शंकराचार्य निश्चलानंद जी ने अपने संदेश में कहा कि भारत में राज नेताओं के निहित स्वार्थ के कारण सनातन धर्म के प्रति आस्थावान हिन्दू दिशाहीन राजनीतिक दलों में विभक्त है। गोमाता का संरक्षण, गंगा नदी को प्रदूषण मुक्त करना, अयोध्या में श्रीराम मंदिर या सनातन हिन्दू धर्म के हित में निर्णय हो, राजनीति में उलझ जाता है। यह जानकारी देते हुए राजेन्द्र कुमार सोनी ने बताया कि आदित्य वाहिनी के पश्चिम बंगाल में अध्यक्ष विनय दुबे,, श्री गोवर्धन गौशाला, पुरी के अध्यक्ष मूलचन्द राठी, नीलम झा, शिव नारायण बाहेती, मुकेश चतुर्वेदी, प्रदीप बागड़ी, मनोज तिवारी, संजय सांगानेरिया, उषा गुप्ता, राजकुमार मूंधड़ा, मालचंद चाण्डक, महेश आचार्य, मुकेश शर्मा एवं कार्यकर्ताओं ने सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों को बधाई, शुभकामना दी है।

जरूरतमंदों में खाद्य सामग्री वितरित

कोलकाता, 30 मई (निप्र)। कोलकाता की सुपरिचित सामाजिक संस्था सोसाइटी बेनिफिट सर्कल द्वारा हुगली जिले के कोन्नगर के दखिनपारा के पास बहा के कांग्रेस के काउन्सल श्री सीमांत बोस, टी एम सी के श्री विजय सिंह, कांग्रेस के शंकर सामंता और सबोल दास के नेतृत्व में करीब 350 खाद्य सामग्री के पैकेट (चावल, दाल,तेल,सूखे मसाले, आलू,प्याज आदि) जरूरतमंद परिवारों में वितरण किया गया। इस अभियान मे संस्था के प्रधान सचिव पवन बंसल लगातार लोगों के संपर्क में है और उन्हें यथा सम्भव सहायता पहुंचाने के कार्य में सभी सदस्यों को साथ लेकर जुटे हुए हैं। साथ में है संस्था के नीरज संगानेरिया,मनीष धानुका,आदित्य विक्रम तुलस्यान,सुभाष गोयनका,बिमल मुरारका,सुरेन्द्र शर्मा,केदारनाथ घुवालेवाला,अनिल जालान,महेश गोयनका,संजय अग्रवाल,आयुष सरावगी,विनय सोंथलिया, विकास झुनझुनवाला, ऋषी लोहिया,कमल केडिया सहित सहयोगी श्री नारायणी नमो नमो के विवेक रुइया,अशोक तुलस्यान, अरविंद बुबना, ललित तुलसियान, मनीष बंका, लॉयन्स क्लब ऑफ कोलकाता फेमिना, यूथ एसोसिएशन मोहमद अली पार्क, राजेश नीरज बंसल, प्रदीप निखिल जालान, स्वश्याम सुंदर जी सांगानेरिया-स्वमदन लाल जी धानुका-स्वराम लाल जी तुलस्यान-स्वराम स्वरूप जी मुरारका के पुत्रों द्वारा अति सराहानीय योगदान रहा।

दपूरे की श्रमिक स्पेशल ट्रेनों की सेवा जारी

कोलकाता, 30 मई (निप्र)। जहां देश महामारी कोविड-19 से जूझ रहा है, वहीं भारतीय रेलवे इस महत्वपूर्ण समय के दौरान गंभीर रूप से प्रभावित लोगों को राहत देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। प्रवासियों को गृह राज्य तक पहुँचने के लिए राहत प्रदान करने के अपने निरंतर प्रयास में, रेल मंत्रालय ने एक बड़े फैसले में राज्य सरकारों की आवश्यकता के अनुसार देश भर में श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इस पहल से देश भर में फंसे यात्रियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। यह ध्यान दिया जा सकता है कि भारतीय रेलवे ने 1 मई से श्रमिक स्पेशल ट्रेनों का चलाना शुरू कर दिया था, ताकि प्रवासियों, तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, छात्रों और अन्य व्यक्तियों को अलग-अलग स्थानों पर ले जाया जा सके। ये विशेष रेलगाड़ियाँ निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार संबंधित राज्य सरकारों के अनुरोध पर एक राज्य से दूसरे राज्य में चलाई जा रही हैं।पश्चिम बंगाल के विभिन्न गंतव्यों के लिए 29 मई को दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा 18 श्रमिक स्पेशल ट्रेनें प्राप्त हुई हैं। जिनमें से दपूरे के अधिकार क्षेत्र में पश्चिम बंगाल के अंतर्गत आने वाले स्टेशनों पर 3 ट्रेनों को समाप्त किया गया है। कोविड-19 के मद्देनजर लॉकडाउन के दौरान श्रमिक रेलगाड़ियों के बड़े पैमाने पर संचालन के लिए, दक्षिण पूर्व रेलवे पूरी तरह से तैयार और आश्वस्त है। संपूर्ण आंदोलनों को विभागीय और क्षेत्रीय स्तर पर शीर्ष स्तर के रेलवे अधिकारी देख रहे हैं। राउंड द क्लॉक मॉनिटरिंग को डिवीजन और ज़ोन में स्थित नियंत्रण कार्यालयों से व्यवस्थित किया गया है। प्रवासी श्रमिकों और अन्य यात्रियों की यात्रा को सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए जाते हैं। राज्य सरकारों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखा गया है। श्रमिक स्पेशल ट्रेनों में यात्रा के दौरान, प्रवासियों को सभी उपलब्ध संसाधनों के साथ उचित देखभाल की जाती है। किसी भी परेशानी का सामना किए बिना फंसे प्रवासियों को उनके घर कस्बों में वापस लाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है।

बराकर चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा कुल्टी स्थित ट्रैफिक पुलिस कार्यालय परिसर में 130 सीवी वालंटियर के बीच खाद्य पदार्थ, मास्क एवं साबुन सेनिटाइजर वितरित किया गया। इसकी जानकारी चैंबर अध्यक्ष शिवकुमार अग्रवाल ने दी।

विश्व समाचार

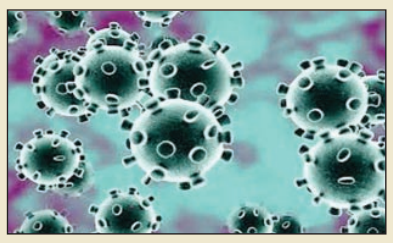

विश्व भर में कोरोना ने ली 3.64 लाख लोगों की जान, संक्रमितों की संख्या 60 लाख के करीब

बीजिंग/जिनेवा, 30 मई (एजेंसियां)। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड 19) ने दुनिया भर में अब तक 3.64 लाख से अधिक लोगों की जानें ले ली है जबकि इसके संक्रमितों की संख्या 60 लाख के करीब पहुंच गयी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक कोरोना वायरस से दुनिया भर में अब तक 59,23,432 लोग संक्रमित हुए हैं जबकि 3,64,849 लोगों की मौत हो चुकी है। विश्व महाशक्ति माने जाने वाले **अमेरिका** में कोरोना की महामारी से अब तक 17,45,930 लोग प्रभावित हो चुके हैं जबकि 1,02,809 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। **ब्राजील** में 4,65,166 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं और 27,878 लोगों की मौत हो चुकी है। **रूस** में संक्रमण से अब तक 3,87,623 लोग प्रभावित हुए हैं जबकि 4374 लोगों ने जान गंवाई है। **ब्रिटेन** में भी अब तक इस महामारी से 2,72,607 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 38,243 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। यूरोपीय देश **इटली** में अब तक इसके कारण 33,229 लोगों की मौत हुई है और 2,32,248 लोग इससे संक्रमित हुए हैं। **स्पेन** में अब तक 2,38,564 लोग संक्रमित हुए है जबकि 27,121 लोगों की मौत हो चुकी है।

बंगलादेश को 73.2 करोड़ डॉलर देगा आईएमएफ

वॉशिंगटन, 30 मई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए बंगलादेश को करीब 73.2 करोड़ डॉलर देगा। आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड ने त्वरित ऋण सुविधा के तहत बंगलादेश को 24.4 करोड़ डॉलर और त्वरित वित्तीय उपाय के तहत 48.8 करोड़ डॉलर जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। आईएमएफ ने बताया कि इससे बंगलादेश को कोविड-19 के मद्देनजर स्वास्थ्य सुविधाओं और सामाजिक सुरक्षा पर तत्काल खर्च बढ़ाने तथा अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने में मदद मिलेगी।

अमेरिका में लॉकडाउन के बीच देशव्यापी प्रदर्शन

वाशिंगटन, 30 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के मिनेपोलिस में पुलिस हिरासत में एक अश्वेत नागरिक की मौत के विरोध में जारी देशव्यापी प्रदर्शन के चौथे दिन प्रदर्शनकारी राजधानी वाशिंगटन में व्हाइट हाउस के समीप पहुंच गये। एक ऑननाइन वीडियो में सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी व्हाइट हाउस के बाहर लाफायेट पार्क में 'नो जस्टिस , नो पीस' के नारे लगाते नजर आये। फ्रीडमेंस बैंक की इमारत के सामने एक प्रदर्शनकारी पर पानी की बौछारें डाली गयीं और कुछ अन्य की सुरक्षा कर्मियों के साथ झड़प भी हुई। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के ब्रीफिंग रूम के दरवाजे भी बंद कर दिए गए हैं और सीक्रेट सर्विस के सुरक्षा अधिकारी पार्क के मैदान से किसी को बाहर नहीं जाने दे रहे हैं।

अमेरिका में गोलीबारी, एक की मौत, 40 हिरासत में लिये गये

अमेरिका के मिनेपॉलिस शहर में पुलिसिया कार्रवाई से भड़की हिंसा के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई और इस दौरान 40 से अधिक लोग हिरासत में लिये गये। स्थानीय मीडिया ने पुलिस अधिकारी ई. क्रैग के हवाले से बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने अपनी कार चलाते समय भीड़ पर गोली चला दी, जिसके कारण एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

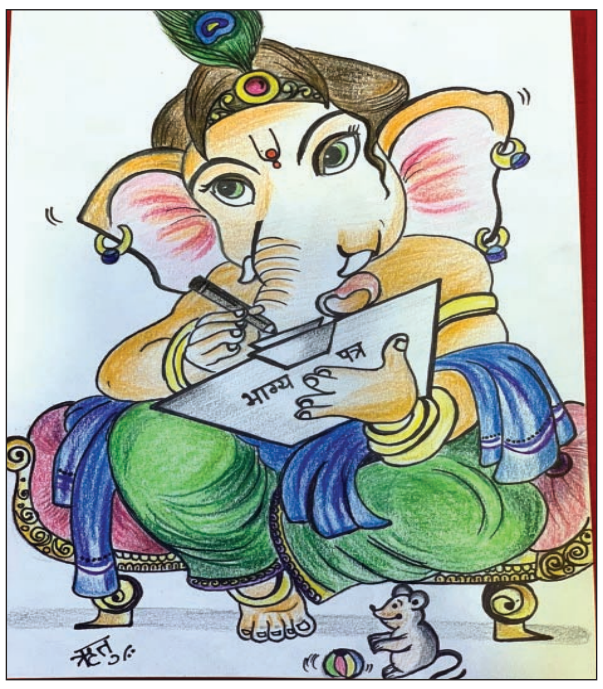

REAL ESTATE

BEST DEAL

धीरेन्द्र जैन दुधोड़िया

Lucrative ROI deal Near ballygunge area Around 4000 square feet sbu Investment around 5cr Tenant MNC blue Chip company Return around 9 percent

Property For Sale In New Alipore Total Sqft is 8300 , Gr Fl and First Floor Is Commercial Space 3 Floors are Residential location is Very Good.

बॉबी एसोसियेट्स

सदर्न एवेन्यू में 1497 स्कायर फीट 3बीएचके नवनिर्मित फ्लैट बिक्री। लिफ्ट व कार पार्किंग की सुविधा उपलब्ध। @11500/प्रति स्कायर फीट व कार पार्क पार्किंग अतिरिक्त

सिद्धार्थ

WhatsApp : 93312 58500

दक्षिण पूर्व रेलवे निविदा

ई-निविदा सूचना सं.: ई-टेंडर/2020/17, दिनांक 29.05.2020। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (इंजी), दक्षिण पूर्व रेलवे, खड़गपुर-721301 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के निष्पादन के लिए मदों के समक्ष उल्लेखित तारीख को **अपराह्न 3.00 बजे से पहले** ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं तथा **अपराह्न 3.30 बजे खोली जाएंगी। क्रमांक एवं निविदा सं., कार्य का विवरण, निविदा मूल्य, बयाना राशि:** **(1) ई-केजीपी-ईस्ट-09-2020,** एडीईएन/शालीमार के क्षेत्राधिकार के अधीन पीडब्ल्यूआई/उलूबेड़िया अनुभाग में दिनांक 01.10.2019 से 30.09.2021 तक की अवधि के लिए विविध पी. वे (जोनल) ट्रैक कार्य (दूसरा आंमत्रण); रु. 2,29,69,455.58; रु. 2,64,960/-। **(2) ई-केजीपी-ईस्ट-10-2020,** एडीईएन/पांशकुड़ा के क्षेत्राधिकार के अधीन सीपीडब्ल्यूआई/पांशकुड़ा अनुभाग में दिनांक 01.10.2019 से 30.09.2021 तक की अवधि के लिए विविध पी. वे (जोनल) ट्रैक कार्य (दूसरा आंमत्रण); रु. 2,00,61,903.38; रु. 2,50,300/-। **(3) ई-केजीपी-ईस्ट-11-2020,** एडीईएन/पांशकुड़ा के क्षेत्राधिकार के अधीन सीपीडब्ल्यूआई/कोलाघाट अनुभाग में दिनांक 01.10.2019 से 30.09.2021 तक की अवधि के लिए विविध पी. वे (जोनल) ट्रैक कार्य (दूसरा आंमत्रण); रु. 2,03,34,653.56; रु. 2,51,700/-। **(4) ई-केजीपी-ईस्ट-12-2020,** एडीईएन/शालीमार के क्षेत्राधिकार के अधीन पीडब्ल्यूआई/वेस्ट/ सांतरागाछी अनुभाग में दिनांक 01.10.2019 से 30.09.2021 तक की अवधि के लिए विविध पी. वे (जोनल) ट्रैक कार्य (तीसरा आंमत्रण); रु. 2,22,24,774.01; रु. 2,61,100/-। **(5) ई-केजीपी-ईस्ट-13-2020,** सांतरागाछी में पिट लाइन का नवीकरण, हाई प्रेशर पाइपलाइन का प्रावधान, पिट को रूकावट से मुक्त बनाना तथा पिट लाइट की प्रकाश व्यवस्था में सुधार (पांचवां आमंत्रण); रु. 2,14,98,276.35; रु. 2,57,500/-। **(6) ई-केजीपी-वेस्ट-17-2020,** डीईएन/वेस्ट/ खड़गपुर के क्षेत्राधिकार के अधीन पुशिंग तकनीक द्वारा (i) खड़गपुर-टाटा अनुभाग में किमी. 229/ 19-21 पर मानवयुक्त एलसी सं. 131 के स्थान पर आरयूबी का निर्माण तथा एलसी गेट सं. 120 का स्थानांतरण तथा (ii) खड़गपुर-टाटा अनुभाग के बीच एलसी सं. 120 पर सड़क नीचली पुल का निर्माण; रु.18,89,92,661.60; रु. 10,95,000। **निविदा दस्तावेज की कीमत :** प्रत्येक के लिए रु. 10,000/-। **खुलने की तारीख :** प्रत्येक के लिए 06.07.2020। **कार्य पूरा करने की अवधि :** क्रमांक 1 से 4 के लिए 24 (चौबीस) महीने; क्रमांक 5 के लिए 9 (नौ) महीने तथा क्रमांक 6 के लिए 12 (बारह) महीने। **बोली शुरू होने की तारीख:** दिनांक 22.06.2020 से 06.07.2020 को अपराह्न 3.00 बजे तक। निविदाओं के परिपूर्ण विवरण/ब्यौरा/विनिर्देशन के लिए इच्छुक निविदातागण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं तथा अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा करें। किसी भी परिस्थिति में इन कार्यों के लिए मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। **वि.द्र.:** प्रत्याशित बोलीदातागण सभी निविदाओं में भाग लेने के लिए नियमित रूप से **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं। (PR-65)

कोरोना को मात देकर घर लौटी नर्सिंग की छात्रा

जलपाईगुड़ी, 30 मई(निप्र)। जलपाईगुड़ी जिला सदर ब्लाक की कोरोना संक्रमित नर्सिंग छात्रा पूरी तरह स्वस्थ होकर आज घर लौट गई। आज दोनों को जलपाईगुड़ी स्थित कोविद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी अभिषेक तिवारी , उत्तर बंगाल में कोरोना पर निगरानी रखने के लिए राज्य सरकार की ओर से नियुक्त डॉक्टर सुशांत रॉय, जिला मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी रामेन्द्र नाथ प्रामाणिक ने आज इन नर्सिंग छात्रा को फूलों का गुलदस्ता देकर कोरोना की जंग जीतने की शुभकामनाएं दी। दूसरी ओर कोरोना को मात देकर स्वाभाविक जीवन में लौटने वाली नर्सिंग छात्रा ने बताया कि फिलहाल वह पूरी तरह स्वस्थ्य महसूस कर रही है।

Government of W.B.

Corrigendum2 of NIeT.No.PHE/NTKD-II/e-08 OF 2020-2021

Tendrer is invited by The Executive Engineer, New Town Kolkata W/S Divn. II, P. H. E. Dte. for the work for (Sl no. 1) (i) Last date submission: 16.06.2020 Upto 1.00 p.m.(ii) Date of opening: 18.06.2020 After 1.00 p.m. Intending Bidders are requested to visit the website: http://etenders.wb.nic.in

ICA- T1940 (4)/2020

The Executive Engr. Burdwan Divn. Social Sector, P.W.Dte... invities NIT as follows

NIT. No. WBPWD/SS/EE/BDN/NIT 02/ 2020-2021 for the following from Bonafied resourceful Contractor having necessary credential

1. Construction of new Watchman Room, Concrete Road & Drainage System at DCF, Kalna Road, Purba Bardhman, **Estt. Amt Rs. 27,93,464/- Ref. Tender Id no.- 2020_CB_283675_1**
2. Repair & renovation work of the building of Regional Labortaory, Burdwan, Purba Bardhman, **Estt. AmtRs. 21,51,789/- Ref. Tender Id no.- 2020_CB_283675_2**
3. Repair & renovation of indoor building, one no. M.O. quarter, one no. Room inside sub center etc. For shifting of OPD unit at Ramjibonpur BPHC in the district of Purba Burdwan, **Esst. AmtRs. 9,97,275/- Ref. Tender Id no.- 2020_CB_283675_3**
4. Construction of LPA Unit as Civil Work and Electrical Works at TB & C & DST Laboratory in the campus of Burdwan MCH, Purba Bardhaman. (CIVIL WORKS) **Estt. AmtRs. 6,58,472/- Ref. Tender Id no.-** 2020_CB_283675_4

Bid submission closing date :- **16.06.2020, 4:00 P.M.**
Other details and corrigendum will be available in Website : **https://wbtenders.gov.in** and office of the undersigned during office hours.

E.E./Bdn. Dn/Social Sector, P.W.D.

400 लोगों को अनाज बांटा

कोलकाता, 30 मई (निप्र)। कोरोना के बढ़ते प्रकोप को रोकने के लिए जारी पूर्णबंदी (लॉकडाउन - 4) से निम्न व मध्यम वर्ग के लोगों को सही मायने में न केवल प्रेम मिलन (कोलकाता) के पदाधिकारी व सदस्य ही महसूस कर रहे हैं, बल्कि बढ़-चढ़कर लोगों की सच्ची मदद भी कर रहे हैं। यह कहना है उत्तर कोलकाता के सांसद सुदीप बंदोपाध्याय का। इस अवसर पर प्रेम मिलन (कोलकाता)के अध्यक्ष सज्जन सराफ,सचिव चंद्रकांत सराफ, विधायिका नयना बंधोपाध्याय,वार्ड नं 50 की पार्षदा मौसमी डे आदि।इस मौके पर विधायिका नयना बंधोपाध्याय ने प्रेम मिलन और विशेषकर इसके सचिव चंद्रकांत सराफ जो की शरारिक रूप से अस्वस्थ होने के बाद भी पूर्ण रूप से सेवा में लगे हुए हैं , उनकी इस सेवा भावना की तारीफ करते हुए कहा कि उत्तर कोलकाता से दक्षिण कोलकाता तक जरूरतमंदों की मदद में जुटी प्रेम मिलन इस संकट की घड़ी में ऐसे परिवारों के लिए एक आशा की किरण है जो रोज कमाते और रोज खाते हैं। इस मौके पर प्रेम मिलन के सचिव चंद्रकांत सराफ ने बताया कि बीते 62 दिनों से कोलकाता के विभिन्न इलाकों के अलावा उत्तर चौबीस परगना में 8720 परिवारों को खाद्य सामग्री का थैला दिया गया,जिसमें की घरों में प्रतिदिन जरूरत कि चीजे आटा, बेसन, चावल, सोयाबीन, नमक, लाल मिर्चा, हल्दी, सरसो तेल, आलू, प्याज, हाथ धोने के साबुन उपलब्ध करवाया गया। आज के खाद्य वितरण समारोह को सफल बनाने में हरी सोनी, विकास सराफ, विशाल सराफ, मनोज जायसवाल, दीपक बंसल, आकाश अग्रवाल, निधिश अग्रवाल, अशोक शर्मा व आकाश अग्रवाल सक्रिय रहे।

सर्वाइवल और रिवाइवल की यात्रा शुरू करने की तैयारी

कोलकाता, 30 मई (निप्र)। भारत सरकार के वित्त और कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री, श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज एक विशेष ई-सत्र में चैंबर के सदस्यों को संबोधित किया। माननीय मंत्री ने, भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ अपनी बातचीत के दौरान, सदस्यों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों और प्रश्नों को स्पष्ट किया। उद्योग की सबसे लगातार समस्या पर बोलते हुए श्री ठाकुर ने आश्वासन दिया कि मजदूरों के लिए विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की जाएगी ताकि वे अपने कार्यस्थल पर आराम से लौट सकें और उद्योग से व्यक्तिगत पहल करने का भी अनुरोध किया। अपने कार्यकर्ताओं के साथ संपर्क करें जो तालाबंदी के दौरान घर लौट आए हैं। श्री ठाकुर ने बिजली के शुल्क के भुगतान और निर्धारित मांग शुल्क की माफी के मुद्दे पर संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार को कम से कम 6 महीने के लिए भुगतान को स्थगित करने की अनुमति देनी चाहिए और यह भी सूचित करना चाहिए कि केंद्र ने पहले ही राज्य के स्वामित्व वाली पावर डिस्कॉम को 90,000 करोड़ रुपये दिये, ताकि औद्योगिक ग्राहकों को अस्थायी राहत प्रदान की जा सके। इससे पहले अपने स्वागत भाषण में, श्री रमेश कुमार सरावगी, राष्ट्रपति ने वित्त मंत्री द्वारा आत्मानिभर भारत के हिस्से के रूप में घोषित सुधारों और राजकोषीय प्रोत्साहन की सराहना की।

मां-बाप की ये गलतियां बच्चे को मानसिक रूप से कर सकती हैं कमजोर

बच्चों की परवरिश करना कोई आसान काम नहीं है। माता-पिता की छोटी सी गलती भी बच्चों के वर्तमान और भविष्य को बुरी तरह से प्रभावित कर सकती है। कई बार पैरेंट्स कुछ ऐसी बातें कह देते हैं या कुछ ऐसा कर देते हैं जिसका सीधा असर बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। अगर आप भी पैरेंट हैं तो इस नाते आपको ध्यान रखना चाहिए कि आपके द्वारा किया गया कोई काम आपके बच्चे को मानसिक रूप से झंझोड़ कर रख सकता है। यहां हम आपको माता-पिता द्वारा की गई कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डालती हैं।

भावनाएं नहीं हैं जरूरी

कई बार बच्चे किसी बात को लेकर दुखी हो जाते हैं। ऐसे में बच्चों को खुश करने के लिए माता-पिता कह देते हैं कि 'ये कोई बड़ी बात नहीं है' या इसे लेकर ज्यादा दुखी होने की जरूरत नहीं है'। ऐसे में बच्चों को लगता है कि भावनाएं ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं होती हैं और इन्हें व्यक्त करने से बेहतर दबाना होता है। इसकी बजाय बच्चों को खुद से अपनी भावनाओं को संभालने और उनसे निपटना सिखाएं।

बच्चों की लड़ाई खुद लड़ना

ऐसा कई बार हुआ होगा जब अपने बच्चे को बचाने के लिए उसकी तरफ से आपने कोई कदम उठाया होगा। कुछ पैरेंट्स ये नहीं चाहते हैं कि उनके बच्चों को मुश्किलों और चुनौतियों का सामना करना पड़े। इस वजह से वो अपने बच्चों की लड़ाई खुद ही लड़ने लगते हैं। हर मां-बाप अपने बच्चे को आत्मनिर्भर बनाने बनाना चाहते हैं लेकिन ऐसा करके आप बच्चे को डरपोक बना देते हैं।

बच्चों की हर बात पूरी करना

बच्चे जो कुछ भी मांगते हैं, हम उन्हें दिला देते हैं लेकिन एक रिसर्च की मानें तो इससे बच्चे मानसिक रूप से मजबूत जैसे कि खुद को अनुशासन में रखने से चूक जाते हैं। आगे चलकर जो चीजें उन्हें नहीं मिल पाती हैं, उन्हें लेकर वो परेशान हो जाते हैं। बच्चों को फोन या कंप्यूटर देने की बजाय उनके साथ समय बिताएं। इससे आप अपने बच्चे के मन की इच्छाओं को समझ पाएंगे। पेरेंट्स को अपने बच्चे के लुक को लेकर कोई कमेंट नहीं करना चाहिए। इससे बच्चे को अपनी बॉडी इमेज को लेकर चिंता होने लगती है। इसकी वजह से उनमें ईटिंग डिस्ऑर्डर भी हो सकता है। बच्चा पतला हो या लंबा या फिर उसका रंग काला हो या गोरा, आपको उसे उसकी लुक के हिसाब से प्यार नहीं करना है। उन्हें बाहरी सुंदरता की बजाय अपनी अंदरूनी खूबसूरती और मजबूती से प्यार करना सिखाएं।

तुम पैदा ही नहीं होते

बहन-भाई कई बार मजाक में बोल देते हैं कि 'तुझे मम्मी-पापा ने गोद लिया था', लेकिन आपको अपने बच्चे से ऐसा कुछ नहीं कहना है। उससे ये सब वाक्य न कहें - 'काश! तुम कभी पैदा ही नहीं हुए होते या तुमसे पहले तुम्हारा भाई या बहन हो जाता, तो तुम्हें इस दुनिया में लाने की जरूरत ही नहीं पड़ती।' इससे बच्चों को लगता है कि उनकी जिंदगी की कोई अहमियत नहीं है। इससे उनमें कम उम्र में ही डिप्रेशन हो सकता है। अपने बच्चे को हमेशा स्पेशल फील करवाएं।यह भी पढें : हरी सब्जियां खाने से आनाकानी करते हैं बच्चे तो अपनाएं ये तरीके

तुम्हारी उम्र में मैं क्या कुछ कर लेता

कई माता-पिता अपने बच्चों को अपना उदाहरण देते हुए कहते हैं कि तुम्हारी उम्र में तो हमने खाना बनाना या घर की जिम्मेदारियां उठाना सीख लिया था और तुम तो अभी तक गैर-जिम्मेदार हो।आपकी ऐसी बातों से बच्चा हताश हो सकता है। बच्चों को अपना अलग रास्ता और मंजिल बनाने दें। इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और वो आगे चलकर एक मजबूत शख्स बन पाएंगे।

तुम्हारे नंबर कम क्यों आए

ये बात तो लाजिमी है और भारत में तो अमूमन हर घर में बच्चों को ये सुनने को मिलता ही है। लेकिन आपको बता दें कि दूसरे बच्चों की उपलब्धियों की तुलना अपने बच्चे से करना बिलकुल गलत है। हर बच्चे में अलग खूबी और हुनर होता है और आपको नकारात्मक रूप से उसे दूसरों से कंपेयर करना, उसके आत्मविश्वास को तोड़कर रख सकता है। उन्हें आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट करें और गुस्सा करना या तुलना करना छोड़ दें।

गलत शब्दों का इस्तेमाल न करें

हम कई बार बच्चों को गुस्से में बेवकूफ, नाकारा या निकम्मा कह देते हैं। आपके मुंह से निकले ये शब्द बच्चे के मन को तोड़कर रख सकते हैं। अगर आप खुद ही ऐसा करेंगे तो बच्चे भी बड़े होकर ऐसे ही भाषा का प्रयोग करने लगेंगे। माता-पिता होने के नाते अपने बच्चों को दयालु, बहादुर और धैर्यवान बनना सिखाएं।यह भी पढें : पढ़ाई से जी चुराता है आपका बच्चा, तो अपनाएं ये पेरेंटिंग टिप्स

परफेक्ट होने की उम्मीद

जब भी पेरेंटिंग की बात आती है तो ये मुद्दा जरूर उठता है कि बच्चों पर उनके माता-पिता परफेक्ट बनने का बोझ ज्यादा रखते हैं। अपने बच्चों को बड़े लक्ष्य देना और अच्छा परफॉर्म करने के लिए प्रोत्साहित करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन इस मामले में आपको अपने बच्चे की क्षमता पर भी ध्यान देना चाहिए। ज्यादा ऊंचे लक्ष्य बनाकर आगे चलकर बच्चों के आत्म-विश्वास और आत्म-सम्मान को ठेस पहुंच सकती है। बच्चों को ऐसे लक्ष्य दें जिन्हें पूरा करने पर उनका आत्मविश्वास बढ़े। अगर वो किसी वजह से पूरा नहीं भी कर पाते हैं तो अपनी फेलियर से कुछ सीखकर आगे बढ़ने को प्रेरित करें।

बच्चों को हमेशा कंफर्टेबल महसूस करवाना

ऐसी कई चीजें होंगीं जो बच्चों को असहज महसूस करवाती होती हों जैसे कि नया स्कूल या नए दोस्त या कुछ नया काम ट्राई करना। अगर आप अपने बच्चें को इन चीजों से बचा लेते हैं तो असल में आप उसे मानसिक रूप से कमजोर बना रहे हैं। अपने बच्चे को नई चीजें ट्राई करने के लिए प्रेरित करें।

प्रकाश चन्द्र अग्रवाल द्वारा विश्वमित्र कार्यालय के लिए इलस्ट्रेटेड इण्डिया प्रेस- 74, लेनिन सरणी, कोलकता से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक प्रकाश चन्द्र अग्रवाल, विज्ञापन व्यवस्था, सर्कुलेशन विभागों का पता- 74, लेनिन सरणी, कोलकाता-13, फोन 2264-9567, 2265-1139, Phone : 2264-9567, 2265-1139, फैक्स : 033-2265-6393, Fax : 033-2265-6393, e-mail : vismtra@gmail.com, RNI No. 2508/57

तीन वांछित अपराधी गिरफ्तार

चंडीगढ़, 30 मई (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस ने अपराधों और अपराधियों पर शिकंजा कसने अपने अभियान के तहत पलवल जिले से 20-20 हजार के दो ईनामी बदमाशों सहित कुल तीन वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। हरियाणा पुलिस के प्रवक्ता ने आज यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान किठवाड़ी निवासी सुनील और लोकेश तथा चांदहट निवासी अर्जुन के रूप में हुई है। तीनों ने एक दर्जन से अधिक संगीन वारदातों को अंजाम दे रखा है। प्रवक्ता के अनुसार पलवल सीआईए की टीम को गुप्त सूचना मिली कि गांव किठवाड़ी निवासी संजय को गोली मारने वाले तीनों आरोपी किठवाड़ी पुल के पास मौजूद है। सूचना मिलते मौके पर दबिश दी गई और तीनों आरोपियों को काबू कर लिया गया। गहन पूछताछ में सुनील ने बताया कि उसकी गांव के संजय और उसके परिवार से पुरानी रंजिश चली आ रही है।

ओडिशा में कोरोना के 96 नये मामले, 1819 संक्रमित

भुवनेश्वर, 30 मई (एजेंसियां)। ओडिशा में कोरोना वायरस (कोविड-19) के 96 नये मामले दर्ज किये गये जाने के साथ ही इससे संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या शनिवार को बढ़कर 1819 हो गई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार सभी 96 नये मामले क्वारंटीन केंद्र से जुड़े हुए हैं। सूत्रों ने बताया कि नये मामले राज्य के 18 जिलों में दर्ज किये गये हैं, जिनमें केंद्रपाड़ा तथा गंजम जले में सबसे अधिक मामले दर्ज किये गये हैं। अन्य 16 जिलों में कोविड़-19 के मामले एक अंक में दर्ज किये गये हैं। राज्य में शुक्रवार को 90 मरीज इस मरामारी से उबरने में कामयाब हुए। राज्य में अब तक 977 मरीज कोरोना से ठीक हुए हैं, जो कुल कोविड-19 संक्रमितों की संख्या का 50 प्रतिशत से अधिक है। सूत्रों ने बताया कि राज्य में अब तक 143570 सैंपलों की जांच की गई है, जिनमें से 1819 कोविड-19 पॉजिटिव पाये गये हैं। इनमें से 977 लोगों को उपचार के बाद विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई है। राज्य में मौजूदा समय में कोरोना के 833 संक्रिय मामले हैं। राज्य में इसके कारण नौ लोगों की मृत्यु हुई है, जिनमें से सात लोगों की कोरोना से तथा दो अन्य लोगों की इस संक्रमण सहित अन्य कारणों से मृत्यु हुई है। राज्य में 1088 लोग विभिन्न अस्पतालों में आईसोलेशन में हैं। राज्य सरकार ने कोरोना की रोकथाम के लिए एक बड़ा फैसला लेते हुए ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर प्रबंधन करने का निर्णय लिया है। राज्य के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने विश्वभर में रहने वाले राज्य के लोगों से कोविड-वॉरियर्स को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने के लिए आज शाम 5.30 बजे राज्यगान 'बंदे उत्कल जननी' गाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस तरह के सम्मान हमारे दृढ़ संकल्प को मजबूत करने, सफलतापूर्वक इस चुनौता का सामना करने तथा नये संकल्प के साथ काम करने के लिए प्रेरित करेगा। यह कार्यक्रम राज्य के सभी सरकार दफ्तरों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मनाया जाएगा। इस संबंध में सामान्य प्रशासन एवं लोक शिकायत विभाग ने सभी कार्यालयों को नोटिस जारी कर कार्यक्रम सक्रिय रूप से भाग लेने को कहा है।

ढुल्लू महतो को पुलिस ने लिया 24 घंटे की रिमांड पर

धनबाद, 30 मई (नि.प्र.)। आजे पुलिस ने बाघमारा के विधायक ढुल्लू महतो को रिमांड पर लिया। पुलिस ने अदालत से प्राप्त रिमांड का आदेश दिखा जेल प्रशासन से विधायक को 24 घंटे के लिए रिमांड पर लिया। जेल प्रशासन ने विधायक को उनके सेल से निकालकर पुलिस को सौंप दिया। विधायक को रिमांड पर लेने के लिए शनिवार सुबह बाघमारा के एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल छह गाड़ियों के काफिला के साथ धनबाद जेल पहुंचे। 10:30 बजे विधायक को लेकर जेल से बाहर निकल गए। इसके बाद विधायक को धनबाद थाना में ले जाया गया। थाना में रखकर विधायक से तीन डीएसपी पूछताछ कर रहे हैं। रिमांड से बचने के लिए विधायक ने शुक्रवार को कोर्ट से निर्गत रिमांड आदेश को चुनौती दी थी। साथ ही शिकायतकर्ता पूर्व मंत्री ओपी लाल के भतीजे से समझौता भी कर लिया।

निम्बाहेड़ा हुआ कोरोना मुक्त

चित्तौड़गढ़, 30 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में निम्बाहेड़ा को आज कोरोना मुक्त घोषित कर दिया गया। जिला कलेक्टर चेतन देवड़ा ने आज कोरोना बुलेटिन जारी कर बताया कि जिले के लिए आज खुशी की बात है कि जिले में निम्बाहेड़ा कोरोना मुक्त हो गया है। सर्वप्रथम कोरोना संक्रमित मिलने का सिलसिला निम्बाहेड़ा से गत 25 अप्रैल को शुरू हुआ था जो जिले भर में बढ़कर शनिवार दोपहर तक कुल 176 की संख्या तक जा पहुंचा और इनमें से 161 मरीज केवल निम्बाहेड़ा नगर के एवं एक मरीज उपखंड के ग्राम मुरलिया का रहा और उदयपुर तथा चित्तौड़गढ़ में उपचार के बाद इनमें से 160 मरीज बिल्कुल ठीक हो गये जबकि दो मरीजों की मौत हो गई। इस तरह से निम्बाहेड़ा को कोरोना मुक्त घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इन मरीजों में दो माह के बच्चे से लेकर सत्तर वर्ष तक के व्यक्ति जिनमें महिलाएं भी थी।

युवा एवं महिलाएं अपनी प्रतिभा से अर्थव्यवस्था को कर सकते हैं पुनर्जीवित : मिश्र

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने युवाओं और महिलाओं का आह्वान करते हुए कहा है कि वे आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों का मुकाबला एवं नवाचार कर अपनी प्रतिभा के दम पर अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित कर सकते हैं। श्री मिश्र आज यहां राजभवन से वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से कोविड-19 के दौरान समाज की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में युवाओं और महिलाओं की भूमिका पर वेबीनार को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोविड-19 को लाकडाउन, घर पर रहकर और सामाजिक दूरी की पालना से ही मात दिया जा सकता है। उन्होंने युवाओं और महिलाओं का आह्वान किया कि वे आत्म विश्वास के साथ चुनौतियों का मुकाबला और नवाचार करें। उन्होंने कहा कि युवा और महिलाएं अपनी प्रतिभा के दम पर अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित कर सकते हैं। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए लोगों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हम जिस वैश्विक स्वास्थ्य संकट का सामना कर रहे हैं, वह समाज के सभी हिस्सों को प्रभावित कर रहा है। जीवन और आजीविका को बदल रहा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से लेकर सभी प्रकार के संकटों में, युवा नेतृत्व वाले संगठन हर जरूरत का जवाब देने के लिए तत्पर रहते हैं। ऐसा ही अब कोविड-19 महामारी के दौरान भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी का प्रभाव पूरे समाज पर होंगे, जिनमें युवा और महिलाएं भी शामिल होंगी, जिनका डटकर सभी को मिल जुलकर मुकाबला करना होगा। उन्होंने कहा कि युवा नये उल्लास और दृढ़ विश्वास के साथ कम पूंजी से कार्य आरम्भ करें। कार्य में कौशल दक्ष बनें। श्री मिश्र ने एक प्रश्न के जबाब में कहा कि शिक्षा पर कोरोना का प्रभाव आया है। अब शिक्षा को आनलाइन करना होगा। एक अन्य प्रश्न के जबाब में राज्यपाल ने कहा कि अब लोगों की सोच बदली है। लोग स्वस्थ रहने के लिए योग, व्यायाम के साथ दिनचर्या को व्यवस्थित बना रहे है। इस अवसर पर भारतीय उद्योग परिसंध की महिला विंग की अध्यक्ष किरण पोद्दार ने बताया कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नये सिरे से रणनीति बनाई जा रही है।

बिहार

बाप-बेटे को धारदार हथियार से काटा

भभुआ, 30 मई (एजेंसियां)। बिहार के कैमूर जिले में जंगली जानवरों से सब्जी और फसल की रखवाली कर रहे पिता-पुत्र की निर्मम हत्या कर दी गई। यह घटना बेलांव थाना क्षेत्र के तरांव गांव के बधार में कल रात में हुई। मृतकों में 75 वर्षीय बंशी प्रसाद व उनके बड़े बेटे 45 वर्षीय ललन प्रसाद शामिल हैं। वह तरांव गांव के ही निवासी थे। मृतकों के पेट, सीना, गर्दन आदि शरीर के अंगों पर धारदार हथियार से हमला करने और लाठी से पीटे जाने जैसे निशान नजर आ रहे थे। बंशी एनटीपीसी में कर्मी थे, जो रिटायर्ड हो चुके थे। इस घटना की जानकारी परिजनों को आज भोर में पांच बजे तब हुई जब मृत बंशी का छोटा बेटा शेषनाथ खेत पर गया। उसने देखा कि खून से लथपथ पिता व भाई की लाशें खाट पर पड़ी हैं। शवों को देख वह रोने-चिल्लाने लगा। उसकी आवाज सुन ग्रामीण पहुंचे और पिता-पुत्र की लाश को देख सन्न रह गए। ग्रामीणों ने इस घटना की सूचना पुलिस को दी।

दिल्ली से जयप्रकाश नारायण अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पटना पहुंचे यात्री हवाई अड्डे से बाहर निकलते हुए। -यूएनआई

दो की मौत, पुलिस जवान घायल

डेहरी ऑन सोन, 30 मई (एजेंसियां)। बिहार में रोहतास जिले के शिवसागर थाना क्षेत्र में बस की चपेट में आए एक चिकित्सक समेत दो लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गयी तथा एक की स्थिति गंभीर बनी हुयी है। पुलिस सूत्रों ने आज यहां बताया कि मोटसाइकिल पर सवार तीन युवक कल शाम कैमूर जिले के मोहनिया से रोहतास के सासाराम के फजलगंज मुहल्ला जा रहे थे तभी गिरधरिया मोड़ पर बस ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी जिससे तीनों युवक घायल हो गये। दुर्घटना में घायल कैमूर जिले के मोहनिया थाना क्षेत्र निवासी और मेडिकल स्टोर संचालक अनिल कुमार सिंह , रोहतास जिले नोखा थाना क्षेत्र के पड़ावा गांव निवासी मोहनिया मवेशी अस्पताल में कार्यरत चिकित्सक धनंजय कुमार सिंह और उनके भाई पुलिस जवान कमलेश कुमार को सासाराम सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

झूठे मुकदमे से डरा नहीं सकते : तेजस्वी

पटना, 30 मई (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा है कि बिहार सरकार द्वारा किये गए झूठे मुकदमों से वह डरने वाले नहीं। गोपालगज नरसंहार के पीड़ितों को न्याय दिला कर रहेंगे। उन्होंने बिहार को पीछे धकेलने का आरोप भी बिहार सरकार पर लगाया। तेजस्वी ने कहा कि 15 साल की सरकार की कारस्तानी है कि 15 साल की राज्य की एक बेटी को 1200 किलोमीटर तक बीमार पिता को साइकिल पर ढोना पड़ा। कोरोना महामारी के दौरान दूसरे राज्यों ने काफी प्रगति की, लेकिन बिहार को जदयू और बीजेपी ने पीछे धकेल दिया। यहां के लोगों को एक बिस्कुट भी नहीं मिला। तेजस्वी ने कहा कि अगर सरकार को लगता है कि हम मुकदमे से डर जाएंगे तो बहुत बड़े भ्रम में हैं। जब तक अपराधी प्रवृति का विधायक गिरफ्तार नहीं किया जाता तब तक हम आराम नहीं करेंगे। अब सरकार बताये की क्या वह चाहती है कि सत्ताधारी गुंडे ऐसे ही ग़रीबों का क़त्लेआम करते रहें और हम चुप बैठे रहें।

घर में हुए विस्फोट से मां-बेटे की मौत, मकान-दुकान क्षतिग्रस्त

मुंगेर, 30 मई (एजेंसियां)। मुंगेर जिला के बरियारपुर थाना अंतर्गत बादशाही पुल के पास दशरथ साह के मकान में कल देर रात बम धमाके में एक महिला और उसके बच्चे की मौत हो गई। धमाका इतना शक्तिशाली था कि आसपास की एक दर्जन घर और दुकानों को भी नुकसान पहुंचा है। विरोध में लोगो ने एनएच 80 को 6 घंटे तक जाम रखा। इस घटना को महिला की हत्या करने की साजिश बताया जा रहा है। फॉरेंसिंक टीम को जांच के लिए बुलाया गया है। पुलिस ने महिला के पति, ससुर, देवर को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एसपी लिपि सिंह ने बताया कि धमाके की सूचना के बाद बरियारपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची थी। विस्फोट के बाद क्षतिग्रस्त घर के मलबे में दबी एक महिला और उसकी बच्ची को सदर अस्पताल भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। घर के अंदर से ही विस्फोट के प्रथम दृष्टया साक्ष्य मिले हैं। घटना के बाद मृतका लक्ष्मी देवी के पति अमित कुमार साह पिता वासुदेव साह और पति के बड़े भाई सिंपल साह पिता वासुदेव साह को हिरासत में लिया गया है। दोनों से पूछताछ चल रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद अपर पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी हरिशंकर कुमार को घटनास्थल पर भेजा गया। डॉग स्कायड और एफएसएल की टीम से मदद ली गई है। प्रथम दृष्टया मिले साक्ष्यों के अनुसार घर के अंदर से ही विस्फोट हुआ था तथा इसमें कोई बाहरी साजिश नहीं थी। मृतका लक्ष्मी देवी और उसके पति की शादी डेढ़ साल पहले हुई थी। दोनों का घर आस-पास में है। लड़की के मायके के घर में ही घटना को अंजाम दिया गया है। सदर अस्पताल में मेडिकल बोर्ड का गठन करवा कर शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है। शव पर किरासन तेल के निशान और मारपीट के निशान मिले हैं। पुलिस की प्राथमिक जांच में मामला घरेलू हिंसा से संबंधित है तथा इसमें कोई बाहरी साजिश नहीं है। मृतका के मायके वालों से घटना को लेकर जानकारियां ली जा रही है तथा हिरासत में लिए गए मृतका के पति और देवर से पूछताछ चल रही है।

बिहार में संक्रमितों की संख्या 3509

पटना, 30 मई (एजेंसियां)। बिहार के अलग-अलग जिले में 150 कोरोना पॉजिटिव मिलने के बाद राज्य में संक्रमण की चपेट में आए लोगों की संख्या बढ़कर 3509 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग की आज दोपहर में जारी कल देर रात की जांच रिपोर्ट में बेगूसराय जिले में कोरोना के सबसे अधिक 19 मामले पाए गए। वहीं, दरभंगा में 17, शेखपुरा में 15, भोजपुर में 14, मधेपुरा में 10, अररिया में नौ, सीवान और मुजफ्फरपुर में आठ-आठ, जहानाबाद और मुंगेर में छह-छह, गया और किशनगंज में पांच-पांच पॉजिटिव पाए गए हैं। इसी तरह रोहतास, कैमूर, पटना, सहरसा और नालंदा में तीन-तीन, भागलपुर और शिवहर में दो-दो तथा वैशाली, सारण, बांका, बक्सर, पूर्वी चंपारण, खगड़िया, समस्तीपुर, जमुई और सीतामढ़ी में एक-एक व्यक्ति के संक्रमण का शिकार होने की पुष्टि हुई है। संक्रमितों में 23 महिलाएं शामिल हैं। इस तरह एक साथ 150 लोगों के संक्रमण की चपेट में आने से बिहार में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3509 हो गई है।

उत्तर प्रदेश

वार्ड मरीजों से फुल

प्रयागराज, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज स्थित मोतीलाल नेहरू मेड़िकल कालेज से संबद्ध स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल का कोरोना वार्ड फुल हो चुका है, अब सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल को भी कोरोना मरीजों के इलाज के लिए तैयार करा दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने आज बताया कि एसआरएन अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग को कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए लेवल-3 का अस्पताल बनाया गया था। कोरोना वार्ड मरीजों से फुल हो चुका है। 20 बेड के इस वार्ड में 22 से 25 मरीजों को भर्ती किया गया था। उन्होंने बताया कि एसआरएन में 22 मरीज होने की वजह से दो मरीज को आठ नंबर में भर्ती कर दिया गया है। अब जो मरीज आ रहे उन्हें इसी वार्ड में भर्ती किया जा रहा है। मरीजों की संख्या को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल को भी कोरोना मरीजों के लिए तैयार करा दिया है। इसमें 160 बेड की व्यवस्था की गई है।

मोदी सरकार का पहला साल ऐतिहासिक उपलब्धियों से लबरेज : योगी

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के पहले साल को ऐतिहासिक करार देते हुये उपलब्धियों से लबरेज बताया। उन्होने मोदी सरकार को दिये गये बधाई संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के सपने को साकार किया है। केन्द्र सरकार के पहले साल को ऐतिहासिक कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। इस सरकार ने कश्मीर में आतंकवाद की नासूर बने अनुच्छेद 370 को समाप्त कर इतिहास रचा वहीं पहले साल में ही सदियों पुराने राम मंदिर विवाद का अंत हुआ और मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को सबका साथ-सबका विकास का अनूठा मंत्र दिया था। केन्द्र की राजग सरकार का पहला कार्यकाल दुनिया में भारत को एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की आधारशिला के

रूप में जाना जाएगा जबकि दूसरे कार्यकाल का पहला साल ऐतिहासिक उपलब्धियों के तौर पर जाना जायेगा। उन्होने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार युवाओं के लिए नई-नई योजनाये साथ लेकर आयी और इस सरकार ने सबका साथ सबका विश्वास और सबका विश्वास के संकल्प के साथ नये भारत के निर्माण में सब वर्गो को एकजुट किया और सभी को साथ चलना सिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ही दूरदर्शिता का परिणाम है कि देश कोरोना संकट की भयावह परिस्थितियों में जाने से बच सका। कोरोना संक्रमण से निपटने में केन्द्र सरकार की रणनीति अब तक कारगर रही है। श्री मोदी ने देश को नयी राह दिखायी है और देश के हर नागरिक को सम्मान दिया गया। सरकार की सोच गरीब मजदूर समेत समाज के सभी वर्गो के विकास के प्रति है जिसमें वह खरा भी उतरी है। मोदी सरकार की सभी योजनाये कारगर रही हैं। गौरतलब है कि केन्द्र की नरेंद्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला वर्ष आज 30 मई को पूरा हो गया है।

दवा का घोल बनाकर करें छिड़काव: डॉ0 सिंह

कानपुर, 30 मई (एजेंसियां)। देश एक तरफ कोरोना वायरस जैसी भयानक महामारी से जूझ रहा है वहीं दूसरी तरफ टिड्डी दलों के हमले से किसान परेशान है। कानपुर के कृषि विश्वविद्यालय के कीट विभाग के प्रोफेसर धर्मराज सिंह ने फसलों को टिड्डियों से बचाने के लिये शीघ्र ही रासायनिक कीटनाटक का छिड़काव करने की सलाह दी है। डॉ सिंह ने शनिवार को यहां कहा कि टिड्डियों खेतों में बैठ गए तो पूरी फसल को नष्ट कर देते हैं। उन्होंने कहा कि कीटनाशक दवा क्लोरपीरिफॉस बी ईसी करीब दो लीटर लेकर इसमें 500 से 600 लीटर पानी मिलाये। इस घोल का चार बीघा की जमीन में छिड़काव करना चाहिए। इसके अलावा मेलाथियान 50 ईसी 1.85 लीटर में लगभग दो लीटर मेलाथियान 50 ईसी मिलाकर इसको भी 500 से 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव कर सकते है। उन्होंने कहा कि छिड़काव के बाद पत्तियों जो खाने से टिड्डिया मर जाती हैं।

हिन्दुस्तान में बहुत सारे लोग कष्ट में हैं : प्रियंका

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में आर्थिक तंगी के कारण एक व्यक्ति की आत्महत्या का जिक्र कर केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार की पहली सालगिरह पर तंज कसते हुये कहा कि एक साल के जश्न वाले पत्र की तरह यह सुसाइड नोट शायद हर एक तक न पहुंचे मगर सच है कि हिन्दुस्तान में बहुत सारे लोग आज इसी तरह के कष्ट में है। सुश्री वाड्रा ने शनिवार को ट्वीट किया एक दुखद घटना में यूपी के भानु गुप्ता ने ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या कर ली। काम बंद हो चुका था। इस शख्स को अपना और माता जी का इलाज कराना था। सरकार से केवल राशन मिला था लेकिन इनका पत्र कहता है और भी चीजें तो खरीदनी पड़ती हैं। और भी जरूरतें होती हैं। युवक के सुसाइड नोट की प्रति ट्वीट में संलग्न करते हुये उन्होने लिखा - ये पत्र शायद आज एक साल के जश्न वाले पत्र की तरह 'गाजे बाजे के साथ' आपके पास न पहुंचे। लेकिन इसको पढ़िए जरूर। हिन्दुस्तान में बहुत सारे लोग आज इसी तरह कष्ट में हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में लखीमपुर खीरी जिले के मैगलगंज रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति ने ट्रेन के आगे कूद कर आत्महत्या कर ली थी। शव की पहचान मैगलगंज कस्बा निवासी भानू प्रताप गुप्ता के तौर पर की गई। मृतक की जेब से मिले सुसाइड नोट में

उसने अपनी गरीबी और बेरोजगारी का जिक्र करते हुये लिखा था राशन की दुकान से गेहूं-चावल तो मिल जाता है, लेकिन ये सब नाकाफी है। चीनी, चायपत्ती, दाल, सब्जी, मसाले जैसी रोजमर्रा की चीजें अब परचून वाला भी उधार नहीं देता। मैं और मेरी विधवा मां लम्बे समय से बीमार हैं। गरीबी के चलते तड़प-तड़प के जी रहे हैं। शासन-प्रशासन से भी कोई सहयोग नहीं मिला। गरीबी का आलम ये है कि मेरे मरने के बाद मेरे अंतिम संस्कार भर का भी पैसा मेरे परिवार के पास नहीं है। जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि मृतक शाहजहांपुर के होटल में काम करता था। उसका शव मैगलगंज में रेलवे लाइन के किनारे मिली है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उनको अंत्योदय कार्ड के द्वारा राशन मिल रहा था। इस महीने भी राशन दिया गया है। मौत के सभी कारणों की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

मोदी सरकार अपनी कार्यशैली की करे समीक्षा : मायावती

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने कहा कि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार का पहला साल विवादों से घिरा रहा है और इस नाते उसे अपनी नीतियों और कार्यशैली की खुले मन से समीक्षा की जरूरत है। सुश्री मायावती ने आज ट्वीट कर कहा केन्द्र में बीजेपी सरकार का एक वर्ष पूरा होने पर आज अनेकों दावे किए गए हैं लेकिन वे जमीनी हकीकत व जनता की सोच/समझ से दूर न हों तो बेहतर है। वैसे इनका यह कार्यकाल अधिकतर मामलों में काफी विवादों से घिरा रहा है जिन पर इनको देश व आमजनहित में जरूर गम्भीरता से चिन्तन करना चाहिये। उन्होने कहा जबकि देश की लगभग 130 करोड़ जनसंख्या में से अधिकतर गरीबों, बेरोजगारों, किसानों, प्रवासी श्रमिकों व महिलाओं आदि का जीवन तो यहाँ पहले से भी अधिक अति-कष्टदायक ही बना हुआ है, जो अति-दुःखद है व जिसे जल्दी से भुलाया नहीं जा सकता है।

लखीमपुर की घटना भूख के भयंकर तूफान का द्योतक : चौधरी

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामगोविन्द चौधरी ने लखीमपुर जिले में एक व्यक्ति की खुदकुशी की घटना का हवाला देते हुये मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ से अपील की है कि वह इस घटना को लाकडाउन की वजह से सूबे पर मंडरा रहे भूख के भयंकर तूफान की सूचना समझें और इससे निपटने के लिये विधानसभा का विशेष सत्र बुलायें। श्री चौधरी ने आज जारी विज्ञप्ति में कहा कि मैगलगंज में खुदकुशी की घटना को गम्भीरता से लेने की जरूरत है और इसके मुकाबले के लिए जमीनी रणनीति तैयार करनी चाहिये जो अफसरों के कागजी आंकड़ों की जगह प्रदेश के सभी विधायकों और विधानपरिषद सदस्यों की राय पर आधारित हो। इस राय के लिए दोनों सदनों का तत्काल विशेष सत्र तत्काल आहूत होना चाहिए। उन्होने कहा कि श्री योगी इस खुदकुशी को अफसरों के चश्में से मत देखें। यह केवल एक आदमी की खुदकुशी नहीं है बल्कि प्रदेश पर मंडरा रहे भूख के भयंकर तूफान की हृदय विदारक सूचना है जिसे रोका नहीं गया तो गांव गांव में इस तरह की दुःखद घटनाएं होंगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा हमें पता है कि अचानक और अनियोजित लाकबन्दी की घोषणा केन्द्र सरकार ने की है जिससे आपका कोई लेना देना नहीं था, लेकिन इस घोषणा से उत्तर प्रदेश बुरी तरह प्रभावित है। इसकी वजह से सूबे की एक बड़ी आबादी भुखमरी की चपेट में है। इसलिए इससे आपका भी लेना देना है और सभी विधायकों और विधानपरिषद सदस्यों का भी। इसलिए इसे लेकर सदन का विशेष सत्र जल्द से जल्द बुलाया जाना आवश्यक है। उन्होने कहा कि मैगलगंज निवासी भानु प्रसाद गुप्ता शाहजहाँपुर के एक होटल में काम करता था। इसी कमाई से वह अपनी बीमार माँ का और अपना इलाज करा रहा था। इसी कमाई से तीन बेटी व एक बेटे सहित परिवार का भरण पोषण भी कर रहा था। लाकडाउन की वजह से उसका होटल बन्द हो गया। वह मजबूर होकर घर आ गया और उसकी यह कमाई भी लाकडाउन की वजह से बन्द हो गई।

सरकार हर वक्त तैयार

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि निराश्रितों की मदद के लिये उनकी सरकार हर समय तैयार है। लाकडाउन की समीक्षा बैठक में श्री योगी ने अधिकारियों को सभी निराश्रित लोगों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिस निराश्रित व्यक्ति के पास राशन न हों उसे खाद्यान्न के लिए एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। ऐसे लोगों के राशन कार्ड भी बनाए जाएं, जिससे उन्हें नियमित तौर पर खाद्यान्न मिलता रहे। हर हाल में यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रदेश में कोई भूखा न रहे। उन्होने कहा कि किसी निराश्रित व्यक्ति के गम्भीर रूप से बीमार होने की दशा में, यदि उसके पास आयुष्मान भारत योजना अथवा मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का कार्ड नहीं है, तो उसे तात्कालिक मदद के तौर पर दो हजार रुपए दिए जाये। ऐसे निराश्रितों के समुचित उपचार की व्यवस्था भी की जाए।

...ताकि यमुना स्वच्छ रहे...! गंगा दशहरा के पूर्व मथुरा में यमुना किनारे नदी में गिरने वाले नालों को बंद करने की मांग कर रहे लोग। -यूएनआई

12 के खिलाफ एफआईआर

मथुरा, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में होम क्वारंटाइन का पालन न करने पर 12 संदिग्धों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गयी। जिलाधिकारी सर्वज्ञराम मिश्र ने शनिवार को यहां बताया कि होम क्वारंटाइन ने करने के आरोप में छाता में पांच, राया में दो, गोवर्धन में एक, मथुरा में दो और मांट में दो संदिग्धों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। उन्होंने बताया कि निगरानी समिति के साथ-साथ अन्य ग्रामीण व्यक्तियों से होम क्वारंटीन किये गये संदिग्धों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के निर्देश अधिकारियों को दिये गए हैं। उनका कहना था कि होम क्वारंटीन का पालन न करने वाले सभी व्यक्तियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि सभी निगरानी समितियों को निर्देश दिये हैं कि होम क्वारंटीन किये गये लोगों को न तो घरों से बाहर न जाने दिया जाय और ना ही उन्हें अन्य लोगों से मिलने दिया जाय।

दैनिक विश्वमित्र
● R.N.I. NO. 2508/57 ● Regd. No. KOL RMS/291/2019-2021

घर की चहारदिवारी से

पुरानी डायरी के पन्ने पलटने लगे

● कुसुम पारेख

कोरोना युग सतयुग के बारे में सुना था कलयुग यानी मशीन युग देखा मशीन बनते मानव को देखा देखा घीसी मशीनें सा संवेदन इन दोनों इंसान को भागदौड़ भरी जिंदगी घसीर घसीर में कर चलना देखा अचानक आ गया कवना एक उजी से सबसे जग गई। जिंदगी की कीमत तो मानो अब समाज में आई कड़वे रिश्ते भी शहद पगे से लगने लगे। पुरानी डायरी के पन्ने पलटने लगे पुराने रिश्तेदारों के साथ नए रिश्ते बनने लगे। धूप की तपिश में भी इस कोरोन काल ने चांदनी सी शीतलता प्रदान की ऐसी की ठंडे में रहने वाले ने अब जाना कि धूप ऐसी होती है। जिन छतों पर सिर्फ कौवों के सिवाय कोई नजर नहीं आता था वहां अब सिर ही सिर नजर आते हैं। क्या कहें इस कोरोन युग को अच्छा या बुरा युग कोई भी बुरा नहीं बुरे तो हम हो गए। इस घरों को लालसा व वासन से गंदे कर दिया।

Apno ko apne ke karib laya

● Siwani Agarwal

Aaj ki is bhag dhod ki zindagi me hum itne vastya ho gye the ki apne hi ghar me rahkar apno ko waqt nhi de pa rahe the.. Is lockdown period me logo ko ek dusre ke sath waqt bitane ka acha mouka mila.., is sankat ki ghadi me pariwar ke log ek dusre ka sahara bne... Ab bhgwan se yahi prathna hai yeh sankat jaldi khtam ho or fir se sab pehle jaise apni zindagi jine lage...

Fir Muskurayga India

● Rahul Dhanuka

For the past 13 years, I have been working, travelling and returning home only to sleep. The past few days have made me realise that my home is so beautiful. For the first time in years, I opened the door to the balcony outside my bedroom and noticed the lovely greenery and heard the chirping of birds. All nooks and corners of the house were so dusty! Besides mopping, cleaning and washing the dishes, I sit and chat with my 65year-old father. The rest of the time I play and listen music to avoid anxiety .The present situation has made me much more compassionate. Now, when I go out to buy any essential home commodity, I get something for the watchman of our society — whether it is a packet of potato wafers or a ready to eat meal. It's a whole new world that one is facing.

हृदय स्पर्श

● विकाश अग्रवाल

जब तक चलेगी जिंदगी की सांसे, कहीं प्यार कहीं टकराव मिलेगा। कहीं बनेंगे संबंध अंतर्मन से तो, कहीं आत्मीयता का अभाव मिलेगा। कहीं मिलेगी जिंदगी में प्रशंसा तो, कहीं नाराजगियों का बहाव मिलेगा, कहीं मिलेगी सच्चे मन से दुआ तो, कहीं भावनाओं में दुर्भाव मिलेगा। कहीं बनेंगे पराए रिश्तें भी अपने तो, कहीं अपनों से ही खिंचाव मिलेगा। कहीं होगी खुशामदें चेहरे पर तो, कहीं पीठ पे बुराई का घाव मिलेगा। तू चलाचल राही अपने कर्मपथ पे, जैसा तेरा भाव वैसा प्रभाव मिलेगा। रख स्वभाव में शुद्धता का स्पर्श तू, अवश्य जिंदगी का पड़ाव मिलेगा।

संकट घड़ी आई है

● राज मिश्रा

विकट समस्या के क्षण में भी, जाति-पाति पर लड़ना है। हिन्दू-मुस्लिम का टैग लगा कर, कोरोना से लड़ना है। धर्म तुम्हारा हो या मेरा, मानवता ही सिखलता है। ईश्वर हो चाहे अल्लाह सब एक ही तो कहलता है। हिन्दू-मुस्लिम बाद में हैं हम पहले मानव जाति है। मेरे लहू का रंग भी, तेरे लहू के भांति है, छोड़ दे लड़कर आपस में अब, संकट घड़ी आई है। मिटा दे भेद ,जाति-पाति का, ये विनती हमारी है।

प्रकृति का बचाव मनुष्य ही कर सकता है

● अभिषेक साव

इसमें कोई शक नहीं कि आज जो कुछ हमारे साथ और आसपास हो रहा है वह हमारे ही कर्मों का फल है। आज सारा विश्व कोरोना महामारी के संकट से गुजर रहा है परन्तु इससे जो एक अच्छा फल हमें मिला है वह है प्रकृति का प्रदूषण मुक्त होना। हमारे रोज के कामों में हम इतने खो गए थे कि हम यह भूल गए थे कि प्रकृति के प्रति भी हमारी कोई जिम्मेदारी है। अब स्वयं माता प्रकृति ही अपने रक्षण के लिये आगे आ गई है। कोरोना जो हमारे लिये महामारी हो गया है, उनके लिये उनका एक अमोख अस्त्र है। एक ऐसा अमोख अस्त्र जिसका तोड़ महीनों बीतने पर भी मानव नहीं निकाल पाया है। हलकी इस बीमारी का अंत एक न एक दिन तो अवश्य होगा परन्तु इसने घर बिठाकर हमें एक और बार सोचते का मौका दिया है कि प्रकृति का बचाव कैसे किया जाए?

हमारा शर्बत का सीजन पूरा निकल गया : मिमानी

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। हमारा शर्बत का सीजन पूरा निकल गया। गर्मी के महीनों में शर्बत और ठंडाई समेत शरीर को ठंडा रखने वाले तरह-तरह के उत्पादों की बिक्री होती है, लेकिन दुर्भाग्यवश इस बार का सीजन पूरी तरह से हाथ से निकल गया। फैक्ट्री बन्द पड़ी है। होली के बाद से ही हमलोगों के उत्पादों का व्यवसाय ठप पड़ा है। कब क्या होगा, कब कारखाने शुरू होंगे और कब तक स्थिति सामान्य होगी, अभी कह पाना बहुत मुश्किल है। ऐसा कहना है तरह-तरह के शर्बतों के लिये मशहूर कंपनी गणेश प्रोडक्ट्स प्रा.लि. के निदेशक **श्री अजय मिमानी** का, जो **'दैनिक विश्वमित्र'** के साथ एक खास बातचीत में शर्बत व्यवसाय पर चर्चा कर रहे थे।

अजय मिमानी

श्री मिमानी कहते हैं कि कोरोना वायरस का प्रकोप कब खत्म होगा, किसी को भी नहीं मालूम। जब तक इसका भय नहीं खत्म होता तब तक मुझे नहीं लगता कि उद्योग-धंधे सुचारू रूप से संचालित हो पाएंगे। हमें तो 2020 के साल में कोई आशा की किरण नहीं दिखती। व्यापार में लेन-देन पुरी तरह से रुका हुआ है। कारखाने बंद जरूर पड़े हैं, लेकिन जरूरी खर्चे तो जारी हैं। कर्मचारियों का वेतन देना ही है। एक तो कोरोना वायरस ने तबाही मचा दी दूसरी तरफ जो कुछ कसर रह गई थी, वह अम्फान तूफान ने पूरी कर दी।

एयर इंडिया का पायलट कोरोना संक्रमित

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। कोरोना वायरस के चलते आज सरकारी एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया का विमान वापस दिल्ली आ गया है। दरअसल, दिल्ली-मॉस्को के बीच उड़ान भरने वाली फ्लाइट उस समय वापस दिल्ली आना पड़ा जब ग्राउंड स्टाफ को पता चला कि विमान का पायलट कोरोना संक्रमित है। उल्लेखनीय है कि इंडिगो की 4 उड़ानों में यात्रा करने वाले कुल 12 ऐसे यात्रियों में कोविड-19 के संक्रमण की पुष्टि हुई है जिनमें इसके लक्षण नहीं थे। इनके अलावा स्पाइस जेट और एयर इंडिया के विमान में भी कोरोना पॉजिटिव निकले हैं।

रास्ते से वापस लौटा मास्को जा रहा विमान

उद्योग-धंधों पर असर पड़ना स्वाभाविक : बैद

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। लम्बे समय से चल रहे लॉकडाउन का देश की अर्थव्यवस्था और उद्योग-धंधों पर असर पड़ना स्वाभाविक है। इतने समय तक जब सब कुछ ठप रहेगा तो प्रभावित तो पड़ेगा ही लेकिन हम सबको एक बात समझ लेनी चाहिये कि आने वाले समय में भी कोरोना वायरस के साथ ही जीना पड़ेगा, क्योंकि अब तक इसके इलाज की बात तो दूर रही रोकथाम तथा बचाव का भी उपाय नहीं निकल पाया है। वैक्सीन बननी बहुत जरूरी है। भारत सहित कई देशों में वैक्सीन बनाने को लेकर प्रयोग हो रहे हैं। अगर प्रयोग सफल भी हुये तो वैक्सीन बनकर आते-आते काफी समय लग जायेगा। बहुत जल्दी सब कुछ सफल रहा तो भी साल के अंत के पहले वैक्सीन का उपलब्ध हो पाना संभव नहीं प्रतीत होता। यह कथन है आर्थिक क्षेत्र के जानकार एवं वैब वेंचर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक **श्री विनोद बैद** का, जो **'दैनिक विश्वमित्र'** के साथ विशेष बातचीत में मौजूदा परिस्थितियों का जिक्र कर रहे थे।

विनोद बैद

श्री बैद का कहना है कि छोटे-मझोले उद्योगों, व्यवसायियों तथा दुकानदारों पर इसका सबसे अधिक असर पड़ेगा। सरकार को उम्मीद है कि चीन के प्रति चूंकि दुनिया भर में नकारात्मक धारणा बन गई है, इसलिए वहां का निवेश भारत में आ सकता है। लेकिन जब तक निवेश आयेगा तब तक तो हमलोग बहुत कुछ खो चुके होंगे। हमें वास्तविकता और व्यवहारिकता की जमीन पर उतर कर सोचना होगा। रातों-रात सब कुछ बदल जायेगा, विदेशी निवेश आ जायेगा और हमारे देश के हालात सिर्फ विदेशी निवेश से पटरी पर आ जाएंगे, ऐसा सोचना पूरी तरह से उचित नहीं होगा, क्योंकि सबसे पहले अपनी बुनियाद पर नजर डालनी होगी। हमारे देश की अर्थव्यवस्था की बुनियाद छोटे-मझोले उद्यमी और व्यवसायी हैं। सबसे पहले इनको सहारा देना होगा। अगर ये लोग फिर से उठ खड़े होंगे तभी बाहरी निवेश आदि का फायदा हमारे देश को मिल सकेगा।

कोरोना वायरस का संक्रमण

केजरीवाल का स्थायी लॉकडाउन से इनकार

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि 'आप'की सरकार कोरोना वायरस से चार कदम आगे है। उन्होंने कहा कि 17 हजार से अधिक मामलों में से केवल 2100 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं, जबकि अन्य मरीजों का उपचार घर पर ही चल रहा है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि हम कोरोना महामारी से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हालांकि हम स्थायी लॉकडाउन नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि कोविड-19 से मरीजों की मौत ना हो। अस्पतालों में बेड की उपलब्धता के बारे में लोगों को जानकारी देने के लिए एक ऐप भी डेवलप कर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि हमने संक्रमित मरीजों के लिए बड़ी संख्या में बेड का प्रबंध किया हैं, कोविड-19 के 17 हजार से अधिक मामलों में से केवल 2100 मरीज अस्पतालों में हैं। पिछले 15 दिनों में संक्रमण के मामलों में 8500 की वृद्धि हुई, लेकिन केवल 500 लोग अस्पतालों में भर्ती हुए, अधिकतर लोगों का उपचार घर पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज कोई यह नहीं कह सकता कि एक महीना या दो महीने और लॉकडाउन कर लो तो कोरोना ठीक हो जाएगा। हम स्थायी लॉकडाउन नहीं कर सकते। अगर कोरोना रहेगा तो इसका इलाज करने का इंतजाम भी करना पड़ेगा।

यूपी लौटे 21 लाख से अधिक प्रवासी कामगार

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अब तक 1550 श्रमिक ट्रेन आ चुकी हैं और इनके माध्यम से 21 लाख से अधिक प्रवासी श्रमिक, कामगार प्रदेश लौट चुके हैं। श्रमिक विशेष रेलगाड़ियों के आने का यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। अपर मुख्य सचिव गृह और सूचना अवनीश अवस्थी ने शनिवार को बताया कि उप्र में अब तक 1550 ट्रेन प्रवासी श्रमिकों कामगारों को लेकर प्रदेश में आ चुकी हैं। इनमें 21 लाख से अधिक श्रमिक आ चुके हैं, आज रात तक प्रवासी मजदूरों को लेकर 28 ट्रेन प्रदेश में और आ जाएंगी। उन्होंने बताया कि सर्वाधिक 257 ट्रेन गोरखपुर में अब तक आई हैं जिसमें तीन लाख 31 हजार श्रमिक, कामगार आ चुके हैं। इसी प्रकार लखनऊ में 109, जौनपुर में 125, वाराणसी में 111, देवरिया में 99 ट्रेन आ चुकी हैं। अवस्थी ने बताया कि सबसे अधिक 520 ट्रेन गुजरात से, उसके बाद 398 ट्रेन महाराष्ट्र से तथा 233 ट्रेन पंजाब से आ चुकी हैं।

सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ियों की सूची में कोहली इकलौते भारतीय

न्यूयॉर्क, 30 मई (एजेंसियां)। विराट कोहली 2.6 करोड़ डॉलर की कुल कमाई के साथ फोर्ब्स की 2020 में विश्व में सबसे अधिक कमाई वाले खिलाड़ियों की सूची में एकमात्र भारतीय हैं।भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान 100 खिलाड़ियों की इस सूची में 66वें स्थान पर काबिज हैं। वह पिछले साल 100वें और 2018 में 83वें स्थान पर थे।

कोहली ने 2.4 डॉलर की कमाई प्रचार और 'ब्रांड एंडोर्समेंट' से की है जबकि उन्होंने 20 लाख डॉलर की कमाई वेतन और पुरस्कार राशि से की है। पिछले साल उनकी कमाई 2.5 करोड़ डॉलर थी जबकि 2018 में उन्होंने 2.4 करोड़ डॉलर की कमाई की थी। टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी और 20 ग्रैंडस्लैम के विजेता रोजर फेडरर लगभग 106.3 मिलियन डॉलर (800 करोड़ रुपए से ज्यादा) की कमाई के साथ 2020 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ियों की सूची में पहले स्थान पर आ गए है।

फोर्ब्स की ओर से शुक्रवार को जारी सूची में फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो (105 मिलियन डॉलर), लियोनेल मेस्सी (104 मिलियन डॉलर), नेमार (95.5 मिलियन डॉलर) और अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी लेब्रॉन जेम्स (88.2 मिलियन डॉलर) शीर्ष पांच में शामिल है। स्विट्जरलैंड का यह दिग्गज 1990 के बाद इस सूची में शीर्ष पर पहुंचने वाला टेनिस का पहला खिलाड़ी है।

बंगाल के लोक कलाकार-कारीगर

केंद्र सरकार ने दिया मदद का आश्वासन

कोलकाता, 30 मई (नि.प्र.)। कोलकाता के सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता संदीप भूतोड़िया द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गये एक खुले पत्र के जवाब में केंद्र सरकार के संस्कृति और पर्यटन मंत्री (आईसी) प्रह्लाद सिंह पटेल की तरफ से आश्वासन दिया गया है कि केंद्र सरकार उन गरीब लोक कलाकारों और कारीगरों की मदद के लिये उपयुक्त उपाय करेगी जो कोविड-19 महामारी के दौरान भारी मुसीबतों के दौर से गुजर रहे हैं। श्री भूतोड़िया ने प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा था जिसमें उन्होंने राज्य में रहने वाले हजारों गरीब छोटे-बड़े चित्रकारों एवं कलाकारों की दुर्दशा की जानकारी देते हुए तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की थी। ये कलाकार भारतीय कला, संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये अपनी विरासत में मिले आजीविका चला रहे हैं। श्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने श्री भूतोड़िया को एक आधिकारिक पत्र में लिखा है कि केंद्र सरकार के संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय की तरफ से देश भर के क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों को निर्देश दिया गया है कि वे ऐसे कलाकारों और कारीगरों की सूची तैयार करें, जिनकी जीविका पूरी तरह से प्रभावित हो गयी है और उनके नाम अभी तक सूची में शामिल नहीं किये गए हैं, इस सूची में जल्द उनके नाम जोड़े जाएं। कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निजी संगठनों से जुड़े श्री भूतोड़िया ने कहा मैंने प्रधानमंत्री जी को पत्र लिखा क्योंकि मुझे लगा कि हजारों गरीब कारीगर, लोक कलाकार विभिन्न कलात्मक और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े हुए हैं, उनके पास अपनी समस्या एवं परेशानियों की आवाज को सरकार के पास स्पष्ट करने के लिये एक उचित मंच नहीं था। मुझे खुशी है कि केंद्र सरकार ने उनके पत्र में दर्शायी गयी समस्या को गंभीरता से लिया है एवं सरकार उनकी कठिनाई को कम करने के लिये कारगर कदम उठा रही है। श्री भूतोड़िया प्रभा खेतान फाउंडेशन के ट्रस्टी भी हैं। इस फाउंडेशन से चिर परिचित ऐसे प्रदर्शनकारी कलाकार और लेखक जुड़े हैं, जिनके साथ यह फाउंडेशन भारत के साथ-साथ विदेशों में 30 शहरों में गैर-वाणिज्यिक आधार पर कार्यक्रमों का आयोजन करता है ताकि वैश्विक स्तर पर उन्हें एक मंच प्रदान किया जा सके और भारतीय कला, संस्कृति और विरासत के निर्वाह और प्रसार में योगदान दिया जा सके।

देश के इन शहरों में ज्यादा रहेगी सख्ती

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। 31 मई को लॉकडाउन का चौथा चरण खत्म होने वाला है। देश में कोरोना संक्रमण के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए 30 जून तक देशभर में लॉकडाउन बढ़ाया गया है, लेकिन सख्ती सिर्फ देशभर के कनटेनमेंट जोन में रहेगी। हालांकि लॉकडाउन 5.0 में कई तरह की छूट मिलने का ऐलान हुआ है।

खबरों के मुताबिक उन शहरों में लॉकडाउन ज्यादा सख्त रहेगा, जहां कोरोना के सबसे ज्यादा मामले हैं। देश के बाकी जगहों से पाबंदियां हटा ली जा सकती है। 1 जून से 13 शहरों में जिनके नाम हैं- मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद, ठाणे, पुणे, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, जयपुर, इंदौर, जोधपुर, चेंगलपट्टू और तिरुवल्लूवर में लॉकडाउन सख्ती से लागू रह सकता है। देश में संक्रमितों की कुल संख्या में 70 प्रतिशत इन्हीं शहरों से हैं।

अन्य हिस्सों में काफी छूट

माना जा रहा है कि यहां पाबंदियां जारी रहेंगी जबकि देश के अन्य हिस्सों में रियायत दी जा सकती है। लॉकडाउन 5 की रणनीति को लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों से चर्चा की है। इसके बाद गृह मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से दो बार मुलाकात की है।

31 मई की रात से पहले लॉकडाउन 5.0 की गाइडलाइन जारी किए जा सकते हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल कार्यक्रम 'मन की बात' में भी देशवासियों के सामने लॉकडाउन 5.0 को लेकर बातें रख सकते हैं। माना जा रहा है कि लॉकडाउन 5.0 में राज्यों को ज्यादा अधिकार दिए जा सकते हैं कि वह अपने यहां के मामलों को देखते हुए फैसला लें। लॉकडाउन 5.0 में धार्मिक स्थलों से पाबंदी हटाई जा सकती है। कर्नाटक और पश्चिम बंगाल की सरकार ने 1 जून से सभी धार्मिक स्थल खोलने की घोषणा की है। बाकी इस फैसले को केंद्र सरकार राज्यों पर छोड़ सकती है। सैलून की दुकानें कुछ शर्त पर खोलने की इजाजत दी जा सकती है। गैर जरूरी सामानों के दुकानों को भी खोलने की मंजूरी दी जा सकती है।

हाईकोर्ट ने पूछा

प्रवासी कामगारों के लिए क्या कदम उठाए?

मुंबई, 30 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में रेलवे एवं बस स्टैंडों पर प्रवासी कामगारों की भीड़ जमा होने की घटना का संज्ञान लेते हुए बंबई उच्च न्यायालय ने इस बारे में रिपोर्ट देने और यह बताने को कहा है कि इस बारे में उसने क्या कदम उठाए हैं। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति केके तातेड़ की खंडपीठ शुक्रवार को 'सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस' की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें कोविड-19 महामारी के दौरान प्रवासी कामगारों को आ रही परेशानियों पर चिंता जताई गई है। याचिकाकर्ता के मुताबिक जिन प्रवासी कामगारों ने महाराष्ट्र से अपने गृह राज्य जाने के लिए श्रमिक विशेष ट्रेनों और बसों की सुविधा उठाने संबंधी आवेदन दिया, उन्हें उनके आवेदनों की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं है।